रांची, मंगलवार | वर्ष-26, अंक- 59, पृष्ठ-12 | चैत्र शुक्ल पक्ष 03, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

01 अप्रैल 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

₹3.00

प्रकृति पर्व सरहुल पर समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं जोहार

वासंतिक नवरात्र

तृतीय चंद्रघण्टा

यह देवी दुर्गा के नौ रूपों में से तीसरा रूप है। नवरात्रि के तीसरे दिन इनका पूजन किया जाता है। नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन की पूजा का अत्यधिक महत्व है और इस दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन-आराधन किया जाता है। इस दिन साधक का मन 'मणिपूर' चक्र में प्रविष्ट होता है।

पिण्डज प्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यम् चन्द्रघण्टेति विश्रुता॥

मां का यह स्वरूप शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके माथे पर घंटे के आकार का अर्द्धचंद्र है, इसीलिए इन्हें चंद्रघंटा कहा जाता है। इनका शरीर स्वर्ण के समान उज्ज्वल है। इनके दस हाथ हैं। दसों हाथों में खड्ग, बाण आदि शस्त्र सुशोभित रहते हैं। इनका वाहन सिंह है। इनकी मुद्रा युद्ध के लिए उद्यत रहनेवाली है। इनके घंटे की भयानक चडंध्वनि से दानव, अत्याचारी, दैत्य, राक्षस डरते रहते हैं। नवरात्र के तीसरे दिन साधक का मन मणिपूर चक्र में प्रविष्ट होता है। मां चंद्रघंटा की कृपा से साधक को अलौकिक दर्शन होते हैं। मां चन्द्रघंटा की कृपा से साधक के समस्त पाप और बाधाएं विनष्ट हो जाती हैं।

रांची का तापमान

	कांके	रांची
अधिक.	33.0°	34.8°
न्यून.	17.8°	18.0°

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप **82925 53444** विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क **+91 82923 73444** कार्यकारी संपादक।

ईद पर नमाजियों ने मांगी अमन-चैन की दुआ

रांची में सोमवार को ईद उल फितर पर हरमू ईदगाह से किशोर गंज चौक और गोशाला चौक तक नमाज अदा करते नमाजी। मौके पर नमाजियों ने अमन-चैन की दुआ मांगी।

बिना क्लोरीन के ही कांके डैम से हो रही जलापूर्ति

बास मारते पानी को पीने के लिए मजबूर है आम जनता

मनोज मिश्रा

रांची। झारखंड में गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। लू का असर भी देखा जा रहा है। राज्य के अस्पतालों में लू के मरीज मिलने लगे हैं। वहीं, सोमवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान बोकारो में 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इधर, गर्मी की विभीषिका को देखते हुए आम लोगों तक पीने का शुद्ध पानी पहुंच सके, इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार के आधे-आधे खर्चे से जल जीवन मिशन कार्यक्रम चल रहा है। विधानसभा में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा था कि राज्य सरकार का लक्ष्य वर्ष 2025-26 में 45 लाख घरों तक पेयजल उपलब्ध कराना है।

इधर, राज्य में ऐसा भी तबका है, जो बंद बोतल के पानी में भी ब्रांड खोजते हैं। वहीं, अपार्टमेंट में पानी की व्यवस्था डीप बोरिंग से की गई है। यहां रहने वाले लोग आरओ अपने घरों में लगाए हुए हैं या जार से पानी मंगाकर पीते हैं। दूसरी ओर, आम आदमी बेबस है। जिन लोगों इस आस में अपने घरों में सरकारी नल का कनेक्शन लिया कि उनके घरों में पीने का पानी मिलेगा, लेकिन पानी पीने तो क्या, किसी काम के लायक साबित नहीं हुआ। उन्होंने सरकारी कार्यालय के बड़े बाबुओं के टेबल का चक्कर लगाकर नल का कनेक्शन तो ले लिया, मगर सब बेकार गया। उनकी जिंदगी में शुद्ध पेयजल न मिल पाने की पीड़ा बरकरार रही। कांके डैम से होने वाली पानी की आपूर्ति का प्रयोग बड़ी संख्या में आम लोग करते हैं। इस पानी को ऐसे लोग भी पीते हैं, जो रिक्शा चलाते हैं और मोटिया का काम करते हैं।

शेष पेज 11 पर

बेबस है आम आदमी, नहीं मिल रहा पीने लायक पानी

इस तरह होती है 'शुद्ध' पेयजल की आपूर्ति

गोंदा जलशोध संस्थान का क्लोरीनेटर है खराब

राजधानी रांची की घनी आबादी रातू रोड, अपर बाजार और कांके क्षेत्र में है। यहां के घरों में कांके डैम का पानी सप्लाई होता है। सरकार पीने के लिए स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने पर अरबों रुपए खर्च करती है। इन क्षेत्रों से अक्सर लोग पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में शिकायत करते हैं कि पानी से बास मार रहा है और पानी भी पीले रंग का मिलता है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में बार-बार शिकायत करने के बाद भी इस मुद्दे पर किसी का ध्यान नहीं गया।

शेष पेज 11 पर

पीने का तो छोड़िए, ब्रश करने लायक भी नहीं पानी

कांके क्षेत्र के निवासी निकेत छाबड़िया ने कहा कि कांके डैम से घरों में जो पानी सप्लाई होता है, उससे बास आता है। पीने का पानी बास मारता है। सप्लाई पानी के पीने की बात तो छोड़िए, यह ब्रश करने के लायक भी नहीं है।

क्लोरीनेटर खराब नहीं है : शुभम उपाध्याय

क्लोरीनेटर के खराब होने के संबंध में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल गोंदा रांची के एसडीओ शुभम उपाध्याय से राष्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता ने सवाल पूछे, तो उन्होंने कहा कि क्लोरीनेटर खराब नहीं है। उन्होंने क्लोरीनेटर में क्लोरीन के उपयोग होने की बात कही।

सिरमटोली में सीएम हेमंत सोरेन होंगे मुख्य अतिथि

सरहुल पर्व के लिए तैयार है राजधानी रांची

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रकृति पर्व 'सरहुल' के उल्लास में पूरी रांची झूम रही है। 'सरहुल' आदिवासियों के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष तृतीया को, यानि मंलवार को सरहुल पर्व मनाया जाएगा। इसे नए साल की शुरुआत का उत्सव भी कहा जाता है। सिरमटोली सरना स्थल पर कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

रांची में सरहुल पर्व धूमधाम से मनाने के लिए सरना समितियों ने पूरी तैयारी कर ली है। आदिवासी समुदाय पिछले कई दिनों से अखड़ा में सरहुल के लिए तैयारी कर रहा था। युवा मांदर की थाप पर नृत्य का अभ्यास कर रहे थे। वहीं, रांची पुलिस भी सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से अलर्ट है। शांति और सौहार्द के साथ सरहुल पर्व मनाया जाए, इसके लिए पुलिस की ओर से भी तयारी पूरी कर ली गई है। सरहुल पर्व में मछली-केकड़ा की पूजा होती है और बारिश की कामना की जाती है। इसी के साथ सभी सरना स्थलों से पाहनों के पूजा करने के बाद शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें आदिवासी समाज के लोग बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। पुरुष वर्ग के लोग कान में और महिलाएं बालों में सखुआ के फूल लगाकर झूमर नृत्य करेंगे। शोभायात्रा के दौरान मांदर की थाप पर समुदाय के लोग झूमते हैं। हर गांव, मुहल्ले के सरना स्थल से शोभायात्रा निकलती है। सभी सरना स्थल से शोभायात्रा अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए सुजाता चौक से सिरमटोली सरना स्थल पर पहुंचेगी। अल्बर्ट एक्का चौक पर शोभायात्रा के स्वागत के लिए पूरी तैयारी की गई है।

● अद्भुत होता है सरहुल शोभायात्रा का नजारा

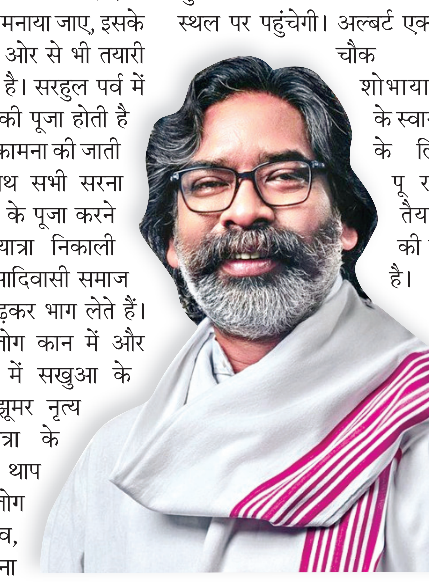

सीबीआई ने की ईसीएल की खुदिया कोलियरी में रेड

पीएफ क्लर्क समेत दो कर्मी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

● कार्मिक विभाग के दो कर्मियों से भी पूछताछ कर रही है जांच एजेंसी

नवीन मेल डेस्क

धनबाद। धनबाद सीबीआई की टीम ने सोमवार को ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के मुगमा एरिया में पीएफ क्लर्क अरविंद कुमार राय और एक अन्य कर्मी शीतल बाउरी को 15 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। सीबीआई की टीम ने पीएफ एवं ग्रेच्युटी के भुगतान के नाम पर होने वाली कमीशनखोरी के संबंध में कार्मिक विभाग के दो कर्मियों शंकर चौहान एवं अजय कुमार मंडल से भी पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, धनबाद जिले के मुगमा एरिया की खुदिया कोलियरी के इलेक्ट्रिक विभाग में कार्यरत उमेश प्रसाद सिंह 31 मार्च, 2025 को

शेष पेज 11 पर

इंडिया

मूर्ख बनाने और बनने का दिन और वैश्विक परंपरा

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

आज बहुत से लोग झूठी बातें बताकर एक दूसरे को मूर्ख बनाते भी हैं और कई बार सच्ची बातें भी मज़ाक समझी जाती हैं । ईरानी फ़ारसी नये साल (नोरौज) के तेरहवें दिन एक दूसरे पर जोक्स का प्रयोग करते हैं जो 1 अप्रैल या 2 अप्रैल को पड़ता है। यह दिन जिसे 536 ईसा पूर्व में सिज़्दा बेदर के रूप में मनाया जाता था और यह दुनिया में अभी तक कायम सबसे प्राचीन मजाकिया-परंपरा है; इस तथ्य ने कई लोगों को यह मानने पर बाध्य किया कि अप्रैल फ़ूल दिवस का मूल इस परंपरा में निहित है । फ़्रांस और फ़्रांसीसी-भाषी कनाडा में 1 अप्रैल की परम्परा में पोइजन डी अप्रील (शाब्दिक तौर पर "अप्रैल की मछ्ली") शामिल है जिसमें एक पेपर मछ्ली को शिकार की पीठ पर चुपके से चिपका दिया जाता है। यह परंपरा अन्य देशों में भी फ़ैली हुई है, जैसे कि इटली (जहाँ शब्द पैसे डी अपरा इल (शाब्दिक तौर पर "अप्रैल की मछ्ली") को इस दिन के दरम्यान इस्तेमाल किये गये किसी भी जोक से संदर्भित किया जाता है)। स्पेनिश भाषी देशों में 28 दिसंबर को "डे ऑफ द होली इनोसेंट्स" के रूप में इसी तरह के मज़ाक किये जाते हैं। यह रिवाज बेल्जियम के कुछ खास क्षेत्रों में देखा जाता है, जिसमें प्रोविंस ऑफ एन्टरैप शमिल है। फ़्लेमिश परंपरा उन बच्चों के लिये है जो अपने माता पिता या शिक्षकों को बंद कर देते हैं और उस दिन या अगले दिन उन्हें एक ट्रीट देने का वादा करने पर ही छोड़ते हैं। कोरिया की मोनार्क ऑफ जोसियन डाईनास्टी, रॉयल फैमिली और देशों को साल के पहले स्नोवी डे के अवसर पर एक दूसरे से झूठ बोलने और एक दूसरे को बेवकूफ बनाने की छूट दी गयी है, भले ही वे किसी भी समुदाय से हों। वे बॉल के अन्दर बर्फ के टुकड़ों को डालते हैं और इसे मजाक के शिकार के पास झूठा खेद प्रकट करते हुए भेज देते हैं। जिसे यह बर्फ का टुकड़ा प्राप्त होता था

उसे गेम का लूजर समझा जाता था और उसे भेजने वाले की इच्छा पूरी करनी होती थी। क्योंकि इन प्रैंक्स को जान बूझ कर तैयार नहीं किया जाता था, ये नुकसान दायक नहीं होते थे और अक्सर ऐसा चैरिटी के लिए या विश्वासपात्र नौकरों की भलाई के लिए किया जाता था। पोलैंड में प्राइमा एप्रिलिस (लैटिन में "1 अप्रैल") एक जोक्स से भरा दिन होता है; लोग, मीडिया (जो कभी-कभी जानकारियों को अधिक विश्वसनीय बनाने में सहयोग करते हैं) और यहाँ तक कि सार्वजनिक संस्थानों द्वारा हॉक्स तैयार किये जाते हैं। आमतौर पर गंभीर गतिविधियों से परहेज किया जाता है। यह प्रयास इतना तीव्र होता है कि 1 अप्रैल 1683 को लियोपोल्ड II के साथ साइन किये गए तुर्क विरोधी गठबंधन को एक दिन पहले 31 मार्च को तय कर दिया गया था। स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल्स डे को पारंपरिक तौर पर हंट द गौक डे (स्कॉट वालों के "गौक" का मतलब एक कोयल या एक मूर्ख व्यक्ति है) कहा जाता है, हालांकि यह नाम अब इस्तेमाल नहीं होता है। पारंपरिक मजाक में किसी से मदद के लिए एक सीलबंद अनुरोध को प्रदान करना शामिल होता है. वास्तव में सन्देश में लिखा होता है "दिना लाफ, दिना स्माइल. हंट द गोक ऐनादर माइल"। इसे प्राप्त करने वाला इसे पढ़ने के बाद यह बताएगा कि वह केवल तभी कोई मदद कर सकता है जब वह पहले दूसरे व्यक्ति से संपर्क करेगा और उस नए शिकार व्यक्ति को उसी तरह का सन्देश, उसी तरह के परिणाम के साथ भेजेगा। डेनमार्क में 1 मई को "माज-काट" के रूप में जाना जाता है जिसका मतलब "मे-कैट" होता है, और ऐतिहासिक रूप से अप्रैल फूल्स डे के समान होता है। हालांकि, डेनमार्क वासी अप्रैल फूल्स डे ("अप्रिल्स्नार") भी मनाते हैं और 1 मई को इस तरह के मजाक कम हो जाते हैं। स्पेन और आइबेरो अमेरिका में इसी तरह की एक तारीख 28 दिसंबर क्रिस्चियन डे है जिसे मैसेकर ऑफ इनोसेंट्स के जश्न के रूप में मनाया जाता है। क्रिस्चियन सेलेब्रेशन स्वयं एक छुट्टी का दिन है, एक धार्मिक दिन, लेकिन प्रैंक्स की परम्परा नहीं है, हालांकि इस तरह का चलन पहले देखा गया था। इबेरो-अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के साथ मजाक करता है, आम तौर पर मजाक करने वाला रोने लगता है। तुम कितने सीधे-सादे कबूतर हो जिसे मैंने मूर्ख बना दिया स्पेन में आम तौर पर यही कहना काफी है। इसके बावजूद मेनोरका के स्पेनिश द्वीप में 'फूलिंग डे' 1 अप्रैल को मनाया जाता है क्योंकि मेनोरका 18 वीं शताब्दी के दौरान ब्रिटिश के स्वामित्व में था। वैसे झारखंड के जामताड़ा के साइबर अपराधी सालों भर लोगों को मूर्ख बनाकर ठगी करते ही हैं।

रांची नगर निगम निगम ने कर संग्रहण में बनाया नया रिकॉर्ड

होल्डिंग टैक्स जमा करने की लगी भीड़

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में कर संग्रहण का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस वर्ष कुल 80,64,37,113 रुपए की राशि एकत्र कर रांची नगर निगम झारखंड में संपत्ति कर संग्रहण में शीर्ष पर पहुंच गया है।

कर संग्रहण में डिजिटल माध्यमों का बढ़ता योगदान

नागरिकों ने डिजिटल भुगतान को अपनाते हुए 17,05,79,093.21 रुपए ऑनलाइन माध्यम से जमा किए। इसके अतिरिक्त, 5,38,72,014.58 रुपए की राशि जन सुविधा केंद्रों पर जमा हुई।

डोर-टू-डोर कलेक्शन की महत्वपूर्ण भूमिका

शहर में 1,06,019 करदाताओं से 41,81,40,029.39 रुपए की राशि डोर-टू-डोर कलेक्शन के माध्यम से प्राप्त हुई, जो नगर निगम की सक्रिय पहल का परिणाम है।

वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन भी शानदार प्रदर्शन

वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन, 31 मार्च 2025, को ही 91,45,230 की राशि 897 करदाताओं से एकत्र की गई।

अन्य कर संग्रहण में भी वृद्धि

जल कर : 12,02,91,970 रुपए की वसूली

ट्रेड लाइसेंस : 18,370 आवेदन प्राप्त हुए, जिससे 2,16,38,840 रुपए का राजस्व अर्जित हुआ

पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि

वित्तीय वर्ष 2023-24 में नगर निगम ने 70,39,63,175 की राशि वसूली थी, जबकि इस बार 10,24,73,938 अधिक कर एकत्र किया गया। निगम ने आश्वासन दिया है कि यह राजस्व नागरिक सुविधाओं, स्वच्छता, आधारभूत संरचना विकास और शहर को व अधिक सुंदर व सुव्यवस्थित बनाने में खर्च किया जाएगा।

बाबूलाल मरांडी ने अनिल टाइगर को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी सोमवार को कांके के गाड़ी खड्गा गांव पहुंचे। वहां उन्होंने भाजपा जिला महामंत्री स्व. अनिल महतो उर्फ अनिल टाइगर के परिजनों से मुलाकात कर श्रद्धांजलि अर्पित की। घटना की पूरी जानकारी लेते हुए कहा कि दुख की घड़ी में भाजपा पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है।

भारत में नवजातों की हत्या पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री गंभीर

पालोना की रिपोर्ट पर नीति निर्माण का दिया भरोसा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारत में नवजात शिशुओं की हत्याओं और असुरक्षित परित्याग को रोकने के लिए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस मुद्दे को नीति निर्माण में शामिल करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि यह एक अत्यंत गंभीर विषय है, और वह इसे आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सोमवार को रांची स्थित अपने केंद्रीय कार्यालय में श्री सेठ ने पालोना अभियान की संस्थापक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोनिका गुंजन आर्य और आश्रयणी फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष प्रोजेश दास से मुलाकात की। इस दौरान पालोना टीम ने उन्हें एक विशेष रिपोर्ट सौंपी, जिसमें नवजात हत्या और असुरक्षित परित्याग की भयावह स्थिति को उजागर किया गया है।

इंफेंट प्रोटेक्शन एक्ट को विकसित भारत 2047 में शामिल करने की प्रतिबद्धता : बैठक में 'इंफेंट प्रोटेक्शन एक्ट' की आवश्यकता और शिशु सुरक्षा से जुड़े पारिवारिक-सामाजिक-आर्थिक कारकों पर विस्तार से चर्चा हुई। श्री सेठ ने भरोसा दिलाया कि वे इस विषय को सरकार तक पहुंचाने और नीति निर्माण में शामिल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने 'इंफेंट प्रोटेक्शन एक्ट' को विकसित भारत 2047 के एजेंडे में शामिल करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

पालोना अभियान की प्रतिक्रिया : पालोना अभियान की संस्थापक मोनिका गुंजन आर्य ने कहा कि यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षण है कि केंद्रीय स्तर पर इस विषय को गंभीरता से लिया जा रहा है। हमें उम्मीद है कि संजय सेठी की प्रतिबद्धता से नवजात सुरक्षा के लिए ठोस नीति और कानून बनने की दिशा में प्रगति होगी।

फैटी लीवर मुक्त रांची अभियान की शुरूआत पांच अप्रैल से : संजय सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची में फैटी लिवर मुक्त रांची अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए निःशुल्क स्क्रीनिंग की जाएगी। इसे लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में सोमवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए वे फैटी लिवर मुक्त रांची अभियान का शुभारंभ पांच अप्रैल को करेंगे।

उन्होंने कहा कि रांची लोकसभा क्षेत्र पूरे देश के लिए एक मॉडल बने यह प्रयास मेरा है। सेठ ने कहा कि राजनीति सिर्फ राजनीति के लिए नहीं होनी चाहिए, बल्कि राजनीति को समाज सेवा का बड़ा माध्यम बनाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि देश में फैटी लीवर की समस्या बेहद गंभीर होती जा रही है। आने वाले दिनों में फैटी लिवर महामारी का रूप ले सकती है। नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर की समस्या भी विकराल रूप धारण कर रही है। भारत में प्रत्येक चार लोगों में से एक व्यक्ति फैटी लीवर का शिकार है।

रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि यह निश्चित रूप से हम सब के लिए चिंता का विषय है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रांची के लोगों में भी फैटी लीवर की समस्याएं आम हैं। उन्होंने कहा कि रांची के लोगों की फैटी लीवर से स्क्रीनिंग हो इसलिए विश्व प्रसिद्ध लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ एसके शरीन के समक्ष सदर अस्पताल, रांची के साथ मिलकर रांची में काम करने का प्रस्ताव रखा था। इसपर डॉ शरीन ने सहमति दे दी है।

सेठ ने बताया कि आईएलबीएस और सदर अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में रांची में फैटी लीवर की निःशुल्क स्क्रीनिंग होगी। प्रथम चरण में मोटे, उच्च रक्तचाप और उच्च जोखिम वाले 30 हजार लोगों के स्क्रीनिंग होगी। मोबाइल वैन आधारित स्क्रीनिंग प्रोग्राम के तहत शहरी और सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्यक्रम चलाया जाएगा। चार मोबाइल वैन के माध्यम से फैटी लीवर की स्क्रीनिंग शुरू होगी।

गौरव दिवस को लेकर रक्षा राज्य मंत्री को दिया आमंत्रण

रांची। धरती आबा बिरसा मंडा की 150वीं जयंती के पर संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से कलिंगा भारती फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा 11 मई 2025 को आर्यभट्ट ऑडिटोरियम, रांची विश्वविद्यालय रांची में 'गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष सह मुख्य संयोजक डॉ राजाराम महतो ने रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को आमंत्रण पत्र सौंपा।

जनता से वसूले गए टैक्स के पैसे चढ़ गए भ्रष्टाचार की भेंट : मरांडी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब झारखंड का किसान सूरज निकलने से पहले खेतों में उतरता है, मजदूर दिनभर पसीना बहाता है और व्यापारी ईमानदारी से कर चुकाता है, तो उनकी बस एक उम्मीद होती है कि राज्य का विकास हो, ताकि उनके बच्चों का भविष्य बेहतर बन सके। कहा कि इसी उम्मीद और विश्वास के साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनता ने पिछले साल से 1,097 करोड़ रुपये अधिक, यानी कुल 22,172 करोड़ रुपये टैक्स के रूप में सरकार को दिए। उन्होंने कहा कि टैक्स के रूप में प्राप्त वह धन, जिससे सड़कें, स्कूल, अस्पताल और रोजगार के अवसर उत्पन्न करने थे, आज बालू और भू-माफियाओं की जेब में जा रहा है। जिन टैक्स के पैसों से समृद्ध झारखंड बनना था, वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। कहा कि हेमंत सरकार की प्राथमिकता जनता की सेवा करना नहीं, बल्कि सत्ता का दुरुपयोग कर काला धन इकट्ठा करना है। अपने कर्तव्य से विमुख होकर सरकार न सिर्फ राज्य को पीछे धकेल रही है, बल्कि ईमानदार करदाताओं के साथ विश्वासघात भी कर रही है।

राष्ट्रीय युवा संसद में भाग लेने आयशा श्वेता और रिया दिल्ली रवाना

रांची। राष्ट्रीय युवा संसद कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राज्यस्तर से झारखंड की 3 विजेता प्रतिभागी सोमवार को दिल्ली रवाना हुईं। संसद भवन दिल्ली में एक से 3 अप्रैल तक राष्ट्रीय प्रतियोगिता होगी। नेहरू युवा केंद्र संगठन, झारखंड की ओर से 27 एवं 28 मार्च को पुराना विस भवन में आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में विजेता रहीं आयशा फातिमा, श्वेता कुमारी एवं रिया गुप्ता राष्ट्रीयस्तर पर झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। नेहरू केंद्र की राज्य निदेशक ललिता कुमारी ने तीनों प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतिभागियों को दिल्ली जाने के क्रम मे रांची एयरपोर्ट पर गौरव मित्तल (यूथ आयकन), शुभम शर्मा (एएसओ), विकास अहूजा व रोहित कुमार ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

PR No. 349590 (IPRD) 2024-25
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

रांची में गहराने लगा **जल संकट**

राजधानी में आम लोगों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था नहीं

चाय दुकान में पानी पीने को हैं विवश

रांची। गर्मी की शुरूआत होते ही राजधानी के अनेक स्थानों में जल संकट गहराने लगा है जिससे पीने के पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। नगर निगम द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था भी की जा रही है मगर इस व्यवस्था का सीधा लाभ सीधे तौर पर आम लोगों तक नहीं पहुंच रहा हैं क्योंकि वीआईपी कल्चर हावी होने की बात लोगों द्वारा कही जाती है। राजधानी के वे आम लोग जो ठेला चलाने, रिक्शा चलाने, मोटिया काम करने वाले, छोटे दुकानदार या राहगीर हैं। उनके पीने के पानी की व्यवस्था को जानने के लिए राष्ट्रीय नवीन मेल संवाददाता ने दुकानदारों, मोटिया व आम लोगों से बात की।

मोटिया संजय राय ने कहा कि 29 साल से रांची में रह रहें हैं। आज तक गर्मी के मौसम में पीने के पानी का कोई इंतजाम देखने को नहीं मिला है। पानी पीने के लिए चाय दुकान जाते हैं जहां का पानी भी साफ नहीं होता। कभी लाल तो कभी पीला दिखता है।

व्यवसायी निकेत छाबड़िया ने कहा कि कांके क्षेत्र में गोंदा डैम से गंदा पानी सप्लाई होती है। रातू रोड और अपर बाजार निवासियों ने नाम नहीं छापने पर बताया कि सप्लाई का पानी पीले रंग की आता है।

रिक्शा चालक भवन यादव ने कहा कि अपर बाजार, बकरी बाजार से गाड़ी खाना चौक तक पानी की कोई व्यवस्था नहीं है।

गंदे स्थान से चाय दुकान के लिए सप्लाई पानी ले जाने की तैयारी।

कार्टसराय रोड निवासी जय प्रकाश वर्मा जो बचपन से कार्टसराय रोड, अपर बाजार में रहते हैं, वे कहते हैं कि यहां पानी का सब दिन दुख है।

भारतीय युवक संघ के नए अध्यक्ष राहुल अग्रवाल नियुक्त, रवि राहोत्गी सचिव

नवीन मेल संवाददाता रांची। भारतीय युवक संघ, बकरी बाजार के मंदिर परिसर में चुनावी सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में श्री श्री दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया जाएगा। शारदीय नवरात्र इस वर्ष 22 सितंबर से आरंभ होगा। भारतीय युवक संघ सन 1958 से विभिन्न सांस्कृतिक धार्मिक एवं रचनात्मक कार्यों के द्वारा समाज के समुचित विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाती आ रही है । इस दिशा में इस वर्ष भी अपनी सक्रिय भूमिका की ओर अग्रसर है। आज संस्था के वरिष्ठ एवं सभी कर्मठ सदस्यों की उपस्थिति में (मंदिर प्रांगण) में आगामी दुर्गापूजा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए ।

नई समिति का गठन किया गया एवं सभी निर्वाचित सदस्यों को उनका पदभार निम्न-अनुसार सौपा गया

- संरक्षक :- निर्मल जालान, शंभू दयाल अग्रवाल, सुरेश चौधरी, बिनोद छापड़िया, रमेश खेमका
- अध्यक्ष :- राहुल अग्रवाल
- उपाध्यक्ष :- मदन बगड़िया, अरविंद चौधरी, रमेश अग्रवाल, अमर पोद्दार, मुकेश जालान
- सचिव :- रवि राहोत्गी
- सहसचिव :- किशन मोदी, कमल जालान (बंकट), राजेश बुधिया,पवन जालान, विकास अग्रवाल, सिद्धांत तोदी, विवेक अग्रवाल, मनीष अडूकिया, अमित सोनी
- कोषाध्यक्ष :- सत्येंद्र जलन (मंटू)
- सहकोषाध्यक्ष :- संजय चौधरी, ललित सोढाणी
- प्रवक्ता :- अमित प्रकाश बजाज
- सहप्रवक्ता :- सौरभ चौधरी, दीपक गोयंका, दीपक चौधरी
- सभा का संचालन संरक्षक बिनोद छापड़िया ने किया।
- अंत में सचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन देकर सभा को विराम दिया गया।

सरहुल की शोभायात्रा आज, तैयारियां पूरी

रांची। प्रकृति पर्व सरहुल की तैयारियां राजधानी में पूरी हो चुकी हैं। केंद्रीय सरना समिति के नेतृत्व में सिरमटोली सरना स्थल पर हजारों की संख्या में सरना धर्मावलंबी सरहुल शोभायात्रा में हिस्सा लेंगे। इस पावन अवसर पर सभी आदिवासी समुदाय के लोग सरना मां से आशीर्वाद लेने के लिए माथा टेकेंगे और मन्नत मांगेंगे। सोमवार को समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की की अगुवाई में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि यह पर्व आदिवासी समुदाय के लिए उल्लास, समृद्धि और प्रकृति के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

हजारों की संख्या में पहुंचेगे खोड़हा लोग

शोभायात्रा के दौरान सिरमटोली सरना स्थल पर हजारों खोड़हा मंडली और आकर्षक झांकियों का रंग दिखेंगी। श्रद्धालु मां सरना से सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। इस दौरान पारंपरिक वेशभूषा में खोड़हा मंडलियां वाद्ययंत्रों के साथ गीत गाते हुए सरना स्थल पहुंचेगी। सभी खोड़हा मंडलियों को सरना अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। वहीं, सरहुल पर सभी समुदायों को आमंत्रित किया गया है। पारंपरिक सरना अंगवस्त्र पहनाकर खोड़हा मंडलियों का सम्मान किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

पिस्का मोड़ सरना स्थल पर भी हुआ पूजन

पिस्का मोड़ स्थित सत्यारी सरना स्थल पर भी सरहुल पूजा का भव्य आयोजन किया गया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत पाहन सोमरा मुंडा, जोगेंद्र मुंडा, भुनू मुंडा और सोहराई मुंडा ने पूजा-अर्चना कर मां सरना से खेत-खलिहानों की हरियाली और सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और कानों में सरहुल के फूल लगाकर बधाई दी। मौके पर केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि सरहुल हमें नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि पर्यावरण से छेड़छाड़ नई आपदाओं को जन्म देती है, इसलिए हमें प्रकृति की रक्षा करनी होगी।

कार्यक्रम में शामिल हुए प्रमुख व्यक्ति

रोहित पाहन, रुप चंद उरांव, अजीत उरांव, गायना कच्छप, प्रकाश हंस, अजय कच्छप, बाहा तिग्गा, विजय उरांव, अनीता पहनाइन, सती तिर्की, अनिता उरांव, शोभा तिर्की, नूरी तिर्की, सुनिता कुजूर, पिंकी कुजूर, मिणा देवी, रिता खलखो, पर्वती टोप्पो, बुधनी उरांव, सिटीआ उरांव, दुलारी उरांव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण और विशेष सम्मान

शोभायात्रा में सबसे पहले पहुंचने वाले खोड़हा मंडलियों को सम्मानित किया जाएगा और साथ में पुरस्कार भी दिया जाएगा

इसके अलावा पहान, पईनभोरा और महतो को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

रांची में सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाई गई ईद, नमाज के बाद अमन-चैन की दुआ

नमाज अदा कर एक दूसरे को दी ईद की मुबारकबाद

रांची। राज्य भर में मुसलमानों ने ईद-उल-फितर का त्योहार बड़े उत्साह और भाईचारगी के साथ मनाया। रांची के मस्जिद ए अहले हदीस में सुबह 06:15 बजे ईद की पहली नमाज अदा की गई। इसके बाद राजधानी के अन्य ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा की गई। नमाज पढ़ने के बाद लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर बधाई दी। मस्जिदों और ईदगाहों में हजारों लोगों ने विशेष नमाज अदा की और एक-दूसरे को गले मिलकर ईद मुबारक कहा।

ईदगाहों और मस्जिदों में उमड़ी भीड़

ईद की सुबह मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नए कपड़े पहनकर मस्जिदों और ईदगाहों में पहुंच कर ईद की नमाज अदा की। राजधानी के डोरंडा, कडरू, ओयना, बरियातू, बदगाई, कांके सहित अन्य ईदगाहों में ईद की नमाज के बाद सभी ने अल्लाह से अमन-शांति की दुआ मांगी और गरीबों को दान दिया।

हरमू ईदगाह पहुंचे पूर्व मंत्री सुबोधकांत सहाय

ईदगाह में ईद नमाज से पूर्व हजरत मौलाना डॉक्टर असगर मिस्बाही ने कहा कि ईद, रमजान के खत्म होने पर शुक्राने के तौर पर मनाया जाता है। ईद खुशी और खाने- खिलाने का दिन है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, अपनी पुत्री यशस्विनी सहाय के साथ हरमू ईदगाह पहुंचे और नमाजियों को ईद की बधाई व शुभकामनाएं दी। मौके पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय, डॉ हरबिंदर बीर सिंह, जय सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

ईद का मतलब ही होता है खुशी : हजरत मौलाना कादरी

डोरंडा ईदगाह में हजरत मौलाना सैयद शाह अलकमा शिबली कादरी ने कहा कि ईद अमन, शांति और भाईचारे का पैगाम देता है। ईद का मतलब ही होता है खुशी। वह खुशी जो जिंदगी में बार-बार आए। हर व्यक्ति की अपनी ईद होती है। जैसे बीमार व्यक्ति जब ठीक हो जाता है तो उसकी ईद है। जेल में बंद व्यक्ति जब जेल से छूट जाता है तो उसकी ईद है। मस्जिद जाफरिया में हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने भी मुस्लिम समुदाय के लोगों को संबोधित किया।

ईद का अहम हिस्सा होता है सदका-ए-फितर : सिद्दीक अंसारी

मौके पर सिद्दीक अंसारी ने कहा कि इस दिन का सबसे अहम हिस्सा होता है सदका-ए-फितर, जिसमें जरूरतमंदों की मदद की जाती है। उन्होंने कहा ईद का जश्न खाने-पीने के बिना अधूरा होता है। हर घर में मीठी सेवइयां, बिरयानी, कबाब और शीर खुरमा जैसे खास पकवान बनाए जाते हैं।

तरंगा ईदगाह में काली पट्टी बांधकर अदा की गई नमाज

चान्हो के तरंगा ईदगाह में सोमवार को ईद-उल-फितर की नमाज के लिए लोग हाथों में काली पट्टी बांधकर ईद की नमाज पढ़ने पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बक्फ बोर्ड संशोधन बिल के सांकेतिक विरोध के लिए नमाज के दौरान हाथों में काली पट्टी बांधने का आवाहन किया था।

लापुंग के ककरिया मस्जिद में पढ़ी गई ईद-उल-फितर की नमाज

● फतेहपुर के लोगों ने गोविंदपुर के ईदगाह में नमाज अदा की

● लापुंग के ककरिया मस्जिद में पढ़ी गई ईद-उल-फितर की नमाज

नवीन मेल संवाददाता

लापुंग। लापुंग प्रखंड के ककरिया, फतेहपुर और कातिंगकेला में ईद-उल-फितर का त्योहार धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर सुबह ककरिया के लोगों ने मस्जिद तथा फतेहपुर के लोगों ने गोविंदपुर के ईदगाह में ईद की विशेष नमाज अदा की। कातिंगकेला के असमुद्दीन खान सहित दर्जनों लोग गोविंदपुर पहुंचे और नमाज अदा की। ककरिया मस्जिद में हाफिज मो अरशद ने विशेष नमाज अदा कराई। नमाज के बाद सभी ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। नमाज के दौरान सभी ने एक दूसरे की खुशहाली, क्षेत्र में अमन चैन और शांति के लिए दुआ मांगी। इस दौरान ककरिया और फतेहपुर में काफी चहल-पहल देखी गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों में ईद-उल-फितर की खुशियां उनके चेहरे पर झलक रहीं थीं। ककरिया में इस दौरान सेवईयां सहित कई प्रकार के पकवान बनाकर खाए और दूसरों को भी दावत दी। ककरिया में मो अजीज खान, मो तनवीर, मो असलम, मो इसराईल, मो रब्बील खान, मुमताज खान, जलील साईं, तस्लीम साईं, नजीर खान, मो समीउल्लाह हक, इमरान खान सहित दर्जनों लोग मौके पर मौजूद थे। थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी ने ईद-उल-फितर के दौरान ककरिया फतेहपुर सहित अन्य क्षेत्रों में नजरे बनाए रखी। संतोष कुमार यादव ने मुस्लिम समाज समुदाय के लोगों को ईद की बधाई दी। वहीं दूसरी ओर फतेहपुर में पूर्व पंचायत समिति सदस्य नसीम आलम ने गांव के सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। वहीं पंचायत समिति सदस्य हीना तरन्नुम सहित अन्य महिलाओं ने भी एक दूसरे को ईद की बधाइयां दी। कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बरला, विधायक प्रतिनिधि सुदामा महली तथा सुरेश साहु दावत में फतेहपुर पहुंचे । कई लोगों ने फलाहार किया। वहीं अन्य लोगों ने सेवईयां खायी। ईद उल फितर के दौरान कार्यक्रम को सफल बनाने में सईद मियां, मेहराब रजा, मोहसिन खान, आफताब खान, जसीम खान, मो खुर्शीद, शमसाद खान सहित अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

करांजी गांव में ईद मिलन समारोह का आयोजन

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के हाठू और करांजी गांव सहित दर्जनों गांव में ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया गया। वहीं करांजी में ईद पर सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम करांजी जराटोली अंजुमन एवं नौजवान कमिटी के तत्वावधान में करांजी के एतिहासिक मुहर्रम मेला मैदान में आयोजित किया गया। इस समारोह में सभी समुदायों के लोग, ग्रामीण, गणमान्य व्यक्ति एवं प्रशासनिक पदाधिकारी शामिल हुए। उपस्थित सभी लोगों ने आपसी सद्भाव और मेल-जोल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इसे सफल बनाया। मौके पर ये गणमान्य लोग रहे मौजूद। इस अवसर पर अब्दुल मतीन अंसारी, सदर शोएब, सेक्रेटरी अब्दुल अंसारी, पूर्व सरपंच अमीन अंसारी, बबलू खान ,समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

होल रांची तैयार चल संगी आब सरहुल मनाय। नगर निगम के कर्मचारी

सरना समाज अपनी परंपरा व संस्कृति के साथ शिक्षा पर दे विशेष ध्यान : सुका उरांव

■ मांदर की थाप पर खूब झूमे युवक-युवतियां

■ सरना समाज को बचाने का लिया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो सरहुल पूजा महासमिति के तत्वावधान में रविवार को प्रकृति पर्व सरहुल पूर्व संध्या समारोह आयोजित किया गया। मौके पर बेड़ो सरहुल पूजा महासमिति के अध्यक्ष सुका उरांव एवं संरक्षक राकेश भगत की देखरेख में हजारों लोगों ने सरहुल पूर्व संध्या समारोह के दौरान मांदर की थाप पर अलग-अलग प्रतियोगिता के दौरान थिरकते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान संरक्षक राकेश भगत ने कहा कि सरहुल की बेड़ो में छोटी शुरूआत की गई थी लेकिन आज के समय में बेड़ो के सरहुल पूर्व संध्या समारोह, सरहुल पूजा एवं सरहुल शोभायात्रा ने वृहद रूप धारण कर लिया है। सरना समाज के लोग जागृत हो रहे हैं और अपने धर्म समाज के प्रति पूरी तरह संकल्पित होकर सामूहिक रूप से काम कर रहे हैं यह बड़ी बात है। वहीं सरहुल पूजा महासमिति के अध्यक्ष सुका उरांव ने कहा कि सरना समाज के लोगों को अपनी परंपरा संस्कृति और रीति रिवाज को बचाने के साथ-साथ शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। शिक्षा ही वह सीढ़ी है जिस पर चढ़कर सरना समाज के लोग अपना मुकाम हासिल कर सकते हैं। वहीं पंचायत समिति सदस्य राखी भगत ने कहा कि सरना समाज को एकजुट रखने और अपनी परंपरा संस्कृति को बचाए रखने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हमें आगे भी ऐसे प्रयास जारी रखने चाहिए।

सरहुल पूर्व संध्या पर रेलवे सामुदायिक भवन में कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

सिल्ली। संस्कृति संघ दक्षिण पूर्व रेलवे सह आदिवासी रेलवे परिवार, रांची मंडल के तत्वाधान में सरहुल पूर्व संध्या का आयोजन रेलवे सामुदायिक भवन हटिया में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया गया। कार्यक्रम में झारखंड की आदिवासी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों का भव्य प्रदर्शन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में रेलवे कर्मचारी, स्थानीय समाजसेवी और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल के एमडीआरएम हेमराज मीणा, जिन्होने अपने संबोधन में आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव के बीच सहअस्तित्व का प्रतीक है, जिसे रेलवे आदिवासी परिवार पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मना रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन विशिष्ट अतिथि जोनल प्रेसिडेंट व सचिव के करकमलों से किया गया, जोनल अध्यक्ष हंसराज, एस सी बसाक जैसे अन्य अधिकारीगण, कोलकता और डिविजनल अधिकारियों में मंडल अध्यक्ष सूचित राम, मंडल सचिव बिनोद उरांव, कृष्ण राम, रमेश राम महली, की गरिमामई उपस्थिति रही।

हिंडालको सीएसआर विभाग ने पुलिस को बैरकेटिंग उपलब्ध कराया

सिल्ली। हिंडालको मुरी वर्क्स के सीएसआर विभाग की ओर से सोमवार के दिन सिल्ली पुलिस की अनुरोध पर 12 बैरकेटिंग उपलब्ध कराया गया। हिंडालको एचआर हेड अरुण राय ने मौके पर कहा कि सड़क पर हो रही दुर्घटनाओं में कमी लाने का हर प्रयास निरंतर किया जा रहा है और इसी कड़ी में बैरकेटिंग दिया गया ताकि सिल्ली पुलिस बैरकेटिंग का इस्तेमाल कर सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित कर सके ।वहीं थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने बताया कि बैरकेटिंग के सहारे सड़कों पर आवागमन सुगम होगा और यातायात को नियंत्रित करने में काफी सहूलियत होगी। इस मौके पर हिंडालको सीएसआर के हेड अनिल सिंह,मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्याम कुमार, कुमार अभिषेक,सिल्ली थाना के अवर निरीक्षक मुकेश कुमार कुशवाहा, अरुण कुमार यादव,विकास कुमार पासवान एवं रवि कुमार वर्मा समेत थाना के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

सिल्ली व आसपास के क्षेत्र में ईद उल फितर मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता

सिल्ली। मुस्लिम समुदायों के लोगों ने चांद का दीदार होने के बाद सोमवार के दिन सिल्ली आसपास के क्षेत्रों में ईद उल फितर पूरे हर्षोउल्लास के साथ मनाया। सभी ईदगाह और मस्जिदों में सुबह में अलग-अलग समय पर नमाज अदा किया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सुबह में मस्जिद जाकर नमाज अदा किया तथा खुदा से सुख, शांति और बरक्कत के लिए दुआएं मांगी और कहा कि ईद त्योहार मूल रूप से भाईचारे को बढ़ावा देने वाला त्यौहार है। इस त्यौहार को सभी आपस में मिलकर मनाते हैं। यह त्यौहार भाईचारे की भावना को मजबूत बनाता है तथा करुणा भाव और दान की प्रवृत्ति को अपनाने का संदेश देता है ।वहीं मौलाना महताब आलम के द्वारा मस्जिद में गंगा,जमुनी तहजीब का पाठ पढ़ाया गया जो की भाईचारे और एकता का प्रतीक है। मस्जिद में मोहम्मद फारूक, मजीद आलम, मंसूर अली, मकसूद आलम, सैयद अली,दनिश हाफिज साहब, अब्दुल समद, सैकूल खान,मोहम्मद अनवर, मोहम्मद जमरूद्दीन ने नमाज अदा कर कहा कि हम लोग कामना करते हैं कि यह पर्व सभी के जीवन में शांति,समृद्धि और खुशियां लेकर आए तत्पश्चात सभी ने एक दूसरे को ईद त्योहार की दिली मुबारकबाद तथा गले मिलकर सभी के लिए बेहतर जिंदगी की शुभकामनाएं दीं।

ब्रह्मकुमारी में सरहुल महोत्सव का आयोजन

नववर्ष के आगमन पर सरहुल मनाया जाता है : बीके राजमती

रांची। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय पिठौरिया नवा टोली बाड़ू सेवा केन्द्र में सरहुल पर्व सोमवार को मनाया गया। मौके पर ब्रह्माकुमारी बीके राजमती बहन ने कहा कि नव वर्ष के आगमन पर सरहुल मनाया जाता है। जहां चारो और प्रकृति अपने नए कोपलों से दुल्हन जैसा सजकर परमपुरूष परमात्मा का आवाहन करती है। रंग-बिरंगी फूलों, कलियों, कोपलों से स्वर्ग जैसा नजारा छा जाता है। चिड़ियों की मीठी आवाज से हर मानव का मन प्रफूल्लत हो जाता है। वास्तव में यह उत्सव भी अतीत की यादगार को तरोताजा करने का प्रतीक है। यह सृष्टि आदि में स्व पदार्थों व मानव में दिव्यता से सम्पन्न व सदाबहार थी। धीरे -धीरे मानवता में विकृत भावनाओं व व्यवहार ने अपना स्थान बना लिया जिससे मानव जीवन गिरती कला में आ गया और कटुता का व्यवहार होने लगा। समय सदा एक समान नहीं होता यह परिवर्तनशील है।

सदानंद जी महाराज से दिल्ली की मुख्यमंत्री ने लिया आशीर्वाद

रांची। हिन्दू नव-वर्ष एवं चैत्र नवरात्रि पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संत शिरोमणि सदानंद महाराज से मुलाकात की। मौके पर मुख्यमंत्री ने गुरुजी से गुरुवाणी सुनकर आशीर्वाद लिया। इस धार्मिक आयोजन में श्रीमती गुप्ता ने विशेष रूप से धार्मिक भावनाओं का आदान-प्रदान किया और साथ ही समाज में सद्भावना एवं शांति के संदेश को फैलाने का प्रयास किया। चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ होते ही यह अवसर विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है, जब पूरे भारत में देवी दुर्गा की उपासना की जाती है। दिल्ली में इस अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेकर मुख्यमंत्री ने न केवल अपनी धार्मिक आस्था को प्रकट किया, बल्कि समाज को एकजुट और प्रेरित करने का संदेश भी दिया। संत शिरोमणि सदानंद महाराज के आशीर्वाद से यह दिन और भी विशेष बन गया। उन्होंने गुरुजी की उपस्थिति में धर्म, संस्कार और समाज सेवा के महत्व को समझा और अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प लिया।

सुदेश महतो ने बच्चों के साथ मनाई ईद

रांची। पूर्व उपमुख्यमंत्री सह आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने छोटे-छोटे बच्चों के साथ ईद मनाई। उन्होंने राज्यवासियों को भी ईद की बधाई दी है। श्री महतो सोमवार को आजसू के केंद्रीय सदस्य मो. मोहसिन खान के बरियातू बस्ती स्थित आवास पर पहुंचे और ईद की मुबारकबाद दी। उन्होंने मो. खान के परिजनों के साथ साथ बस्ती निवासियों से भी मुलाकात कर बधाई दी तथा बच्चों के साथ ईद की खुशियां बांटी। इसके बाद श्री महतो ने जोन्हा में मो. बबलू के निवास पर पहुंचकर सभी को ईद उल फितर की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पूरे प्रदेश में सौहार्द, भाईचारा, और अमन-चैन का माहौल बनाए रखने की अपील भी की।

राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ सुरेश सिंह ने पढ़ा पेपर

रांची। रांची विश्वविद्यालय के भूगर्भशास्त्र के पूर्व अध्यक्ष एवं वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के पूर्व कुलपति प्रो सुरेश प्र सिंह ने सुंदरगढ़ ओड़ीशा में खनिज संपदा से विकसित भारत विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में पेपर प्रस्तुत किया। उन्होने बताया कि ओड़ीशा और झारखंड की खनिज संपदा का विकसित भारत में अत्यधिक योगदान है। डॉ सिंह ने खनन संबंधित समस्याओं पर प्रकाश डाला। सेन्ट्रल ग्राउन्ड वाटर बार वोर्ड के अध्यक्ष केपी नायक, संबलपुर विश्वविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो आशुतोष नायक, रांची विवि के प्रो उदय कुमार, जयंत सिन्हा और कई अन्य विद्वानों ने उन्हे बधाई दी।

राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में झारखंड बालिका टीम बनी उपविजेता

झारखंड की बेटियों का दमदार प्रदर्शन, प्रमिला सोरेन बनी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश थ्रोबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 32वीं सब जूनियर राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता 28 से 30 मार्च 2025 तक भिलाई, छत्तीसगढ़ में संपन्न हुई। झारखंड टीम ने अपने लीग मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पहले लीग मैच में हरियाणा को 25-19, 25-17 से, दूसरे लीग मैच में मेजबान छत्तीसगढ़ को 25-10, 25-13 से एवं तीसरे मैच में उत्तर प्रदेश को 25-1, 25-3 से मात दी।

इसके बाद क्वार्टरफाइनल में झारखंड ने आंध्र प्रदेश को 25-20, 25-22 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में टीम ने मुंबई को 25-15, 25-09 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में झारखंड ने पहले सेट में शानदार खेल दिखाते हुए बढ़त बनाई, लेकिन कर्नाटक के खिलाफ संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-22, 13-25, 21-25 से हार का सामना करना पड़ा और रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

झारखंड की प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रमिला सोरेन को प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ बालिका खिलाड़ी के रूप में चुना गया, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है। झारखंड टीम की इस उपलब्धि पर डॉ. राजेश गुप्ता, भरत कांशी, जमील अंसारी, सुनील चक्रवर्ती, आलोक दुबे, विजेता वर्मा, वेदांत कौस्तव, शंकर दुबे, शिव शंकर पांडे, नगीना कुमार, सोनू सिंह, देवव्रत कुमार, मनीष शाहदेव, कीर्ति कुमार, विश्वजीत कुमार, क्वीन ठाकुर, सुकांता कुंडू, सुनीता महतो, रणधीर ज्वाला, अमित कुमार, अरुणा यादव, अन्नू यादव, सरस्वती, जेबा, तमन्ना, शाहरा, अंशुमन, अजित जयसवाल सहित कई खेल प्रेमियों और अधिकारियों ने टीम को बधाई दी।

न्यूज बॉक्स

जोहार एसटी और एसपी ब्रदर्स का मैच 1-1 पर ड्रा

तमाड़। पीपीएसए द्वारा आयोजित पांच परगना क्षेत्र का बहुचर्चित एकमात्र फुटबॉल लीग ग्रुप बी का नौवा मैच एसपी ब्रदर्स और एसटी जोहार के बीच जीइएल चर्च आमलेशा मैदान मे खेला गया। रोमांचक मुकाबले मे जोहार एसटी को 7 मिनट पर पेनल्टी सूट आउट मिला जिसको सोहेल सिंह ने गोल मे तब्दील कर अपना टीम कों 1- 0 का बढ़त दिलाई। एसपी ब्रदर्स शानदार जवाबी कारवाई करते हुए 22वे मिनट पर मुकेश महतो के द्वारा मैदानी गोल कर मैच को बराबरी पर ला दिया। उसके बाद दोनों टीमें जबरदस्त खेल का प्रदर्शन कर ताबड़तोड़ एक दुसरे पर प्रहार कर स्कोर को आगे बाढ़ने का प्रयास किया लेकिन अंत तक बराबरी रहा। मैन ऑफ द मैच का खिताब एस पीके सिवेश मुंडा कों विवेक गुप्ता के हाथों से सम्मानित किया गया। मैच का संचालन करम मुंडा, नीरज हंस और महावीर पुराण ने किया। मैच के दौरान आयोजक पीपीएसए के सभी पदाधिकारी, पादरी नेल्सन कंडुलना, शिवराम मुंडा, प्रमिला कुमारी, चांदनी कुमारी, संजोति कुमारी, शकुंतला कुमारी, कृतिका मुंडा, जीविका मुंडा लखी कुमारी, धीरज हंस, फागुराम मुंडा एवं गणमान्य लोग मौजूद थे।

कोर्स के लिए आवेदन आमंत्रित

रांची। 02 मई से 04 मई 2025 तक राउरकेला (ओडिसा) में ईस्ट जोन के लिए एफआईएच हॉकी इंडिया लेवल 01 अंपायर , टेक्निक ऑफिसर और प्रशिक्षक के लिए कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। जिसका निबंधन 08 अप्रैल 2025 तक हॉकी इंडिया में किया जाना है। झारखंड के इच्छुक अंपायर, टेक्निक ऑफिसर और प्रशिक्षक जो यह कोर्स करना चाहते हैं वे 04 अप्रेल तक हॉकी झारखंड में अपना बायो डाटा जमा कर दे।

खलारी में मनाया गया ईद उल-फितर का त्योहार

खलारी। खलारी में ईद उल-फितर का त्योहार पूरे हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। खलारी के जामा मस्जिद सहित स्थानीय मस्जिदों में सुबह से ही नमाज अदा करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और समाज में प्रेम, शांति और सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया। क्षेत्र के एक मात्र ईदगाह जेहलीटांड़ में इमाम कारी अबुजर साहब व जामा मस्जिद में मौलाना नेहाल अख्तर साहब ने सुबह 8.30 बजे ईद उल फितर की नमाज अदा कराई। इसके अलावा धमधमिया, हुटाप, जी टाइप, डकरा, नया बस्ती, भूतनगर, राय आदि मस्जिदों में नमाज अदा किया गया तथा देश व दुनिया के अमन चैन की दुआ मांगी गई। ईदगाह और मस्जिदों में विशेष नमाज अदा करने के बाद लोग अपने स्वजनों व दोस्तों के घर पहुंचे, जहां पारंपरिक व्यंजन, विशेष रूप से सेवई व पकवानों का लुफ्त उठाए। चौक चौराहों में भी चहल-पहल रहा।

मांडर क्षेत्र में अदा की गई ईद-उल-फितर की नमाज

चान्हो/मांडर। क्षेत्र के सभी मस्जिदों और ईदगाहों में सोमवार को उल्लास और अकीदत के साथ ईद - उल- फितर की नमाज अदा की गई। मांडर के मुड़मा स्थित ईदगाह में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की जहां सुबह 8:30 बजे जामा मस्जिद के इमाम ने नमाज अदा कराई। वही चान्हो के चटवल ईदगाह में 9:00 सुबह ईद की नमाज अदा की गई। हजरत मौलाना रफीक आलम कासमी ने ईदगाह में नमाज अदा कराई। सोंस जामा मस्जिद मे 8 30 बजे नमाज अदा की गई। इस दौरान नमाजियों ने अल्लाह पाक से देश में अमन चैन की दुआ मांगी। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी। इधर सुरक्षा के लिए पूरे थाना क्षेत्र में व्यवस्था की गई थी। सभी चौक चौराहों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई थी। थाना प्रभारी मांडर राहुल और चान्हो प्रभारी चंदन कुमार भी लगातार गश्त करते दिखे।

इटकी में पूरे उत्साह के साथ ईद मनाई गई

इटकी। ईद का पर्व काफी उत्साह के साथ मनाया गया। नए कपड़े पहन कर बच्चे बड़े सभी समय पूर्व ईदगाह पहुंच गए। ईदगाह में साढ़े आठ बजे कारी एनामुल्लाह की इमामत में हजारों लोगों ने ईद की नमाज अदा की और देश के समृद्धी और अमन चैन की दुआ मांगी। नमाज के बाद गले मिल कर सभी ने एकदूसरे को ईद की बधाईयां दी। कब्रिस्तान जाकर अपने पूर्वजों की कब्रों पर दुआएं की। ईदगाह के बाहर कई प्रकार की दुकानें और झूले लगाए गए थे जहां बच्चों में खूब मस्ती की। ईदगाह के अलावे जामा मस्जिद, मदीना मस्जिद और जाफर मस्जिद में भी ईद की नमाज अदा की गई। इटकी बुद्धिजीवी मंच द्वारा शिविर लगा कर नामाजियों का स्वागत किया गया और ईद की बधाई दी गई। मंच के सुबोध कुमार सिन्हा, महावीर मंडल ग्रामीण के अध्यक्ष अजीत केसरी, मुस्लिम अधिकार मंच के अफसर इमाम, यूथ कॉंग्रेस के आरिफ रजा ने लोगों से मिलकर ईद की बधाईयां दी। विधि वयवस्था के लिए थाना प्रभारी दल बल के साथ मौजूद रहे।

बिरसा मुंडा फन पार्क में बच्चों ने डांस से बांधा समां

रांची। रांची के बिरसा मुंडा फन पार्क में सोमवार को बिरसा मुंडा फन पार्क, रिलेशंस और डांस वांस के संयुक्त तत्वावधान में डांस रांची डांस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कई बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी मोहक प्रस्तुति देकर अद्भुत समा बांध दिया। बच्चों ने कई बॉलीवुड गीत पर प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरी।

कला और संस्कृति के संरक्षण से ही समाज का विकास संभव : ममता देवी

मुख्य अतिथि ममता देवी ने अपने संबोधन में कहा

इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों बच्चियों व युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। कला और संस्कृति हमारी पहचान है, और हमें इसे प्रोत्साहित करना चाहिए। युवा शक्ति ही हमारे समाज और देश की असली ताकत है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को बड़ा कप और मेडल, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को छोटा कप और मेडल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर प्रमुख रेणु देवी, मुखिया परमेश्वर पटेल, मुख्य संरक्षक अर्जुन कुमार, पुनित महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे ।

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। दुलमी प्रखंड के नया जामसिंघ में हिन्दू नववर्ष के शुभ अवसर पर युवा शक्ति समूह नया जामसिंघ द्वारा डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक ममता देवी थीं, जिन्होंने फीता काटकर प्रतियोगिता का विधिवत उदघाटन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश एवं युवा नेता महताब राही उपस्थित रहे।

दारू प्रखंड के 23 अखाड़ा को सांसद ने भेंट किया पारंपारिक हथियार

रामनवमी में अस्त्र-शस्त्र परिचालन का है विशेष महत्व: मनीष जायसवाल

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल ने संपूर्ण लोकसभा क्षेत्र के सभी अखाड़ों तक पहुंचकर उन्हें पारंपरिक हथियार लाठी और तलवार भेंट कर रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के दारु प्रखंड क्षेत्र में दो जगह वितरण शिविर आयोजन कर कुल 23 अखाड़ा धारियों को रामनवमी से पूर्व यह सौगात भेंट किया। इसकी शुरूआत दारू प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामदेव खरिका से हुआ जहां 14 अखाड़ा को और फिर दारू पंचायत के सार्वजनिक दुर्गा मंडप प्रांगण में 9 अखाड़ा धारियों को पारंपरिक हथियार भेंट किया ।
मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग की रामनवमी अगर ऐतिहासिक और विश्वप्रसिद्ध है तो उसमें रामभक्तों का पारंपरिक अस्त्र- शस्त्र परिचालन सह कला- कौशल प्रदर्शन का भी विशेष महत्व हैं। उन्होंने कहा कि पुराने समय से यहां इस कला का प्रदर्शन खूब होता था लेकिन कालान्तर में इसमें कमी आई पुनः उसी प्राचीन परंपरा को जीवंत करने के लिए यह एक पहल किया जा रहा है ताकि पुराना करतब बरकरार रहे और भावी पीढ़ी तक यह गुर भी पहुंचे ।मौके पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता खोखा सिंह, जुगनू सिंह, दारू भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक कुशवाहा, बालदेव बाबू, केदार नारायण कुशवाहा, नरेश कुशवाहा, संजय कुशवाहा, सुरेश प्रसाद, राम जी कुशवाहा, कृष्ण चंद्र यादव, कामेश्वर नारायण, संजय कुशवाहा, गिरधारी प्रसाद, बीरेंद्र कुमार यादव, उमेश प्रसाद, छकौड़ी महतो, रंजीत कुमार, रौशन सिन्हा, सुमन सिन्हा, रविन्द्र कुमार, राजेश कुमार, दशरथ कुमार, हीरालाल साव, प्रमोद कुमार, सीताराम प्रसाद, संजय मंडल, प्रकाश कुमार, विजय कुमार, राकेश कुमार, रॉकी रवानी, महेंद्र प्रसाद अरविंद कुमार, सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

न्यूज बॉक्स

नौ कुंडलीय गायत्री महायज्ञ कलश यात्रा सह संगीत व प्रवचन हुआ संपन्न

हजारीबाग। खजांची तालाब स्थित गायत्री शक्तिपीठ गायत्री कर खजांची तालाब हजारीबाग में भगवान सूर्य नारायण प्रभु श्री राम परिवार का सोमवार सुबह को महायज्ञ किया गया। महायज्ञ राजेंद्र प्रसाद और शंकर चंद्र पाठक शामिल हुए। महायज्ञ के बाद कलश पूजा की गई। पूजन के बाद भगवान सूर्य नारायण प्रभु श्री राम परिवार का रथ के साथ कलश यात्रा निकाला गया। यह कलश यात्रा हजारीबाग शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करेगा। साथ ही कलश यात्रा के बाद भक्तों और लोगों में महाप्रसाद का वितरण किया गया। महाप्रसाद ग्रहण करने के लिए दूर-दूर से लोग खजांची तालाब स्थित सूर्य नारायण मंदिर पहुंचे। संध्या 6 बजे से हरिद्वार के प्रतिनिधियों ने संगीत व प्रवचन की।व्यासवथा की गई है। भक्त लोग संध्या शाम से ही संगीत और प्रवचन में मनविभोर होकर डूब गए। कलश यात्रा में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बरही विधायक मनोज यादव के साथ साथ महेंद्र ठाकुर, हेमराज कुमार साव, अजय साव, अमरदीप यादव, मनोज नारायण भगत, विवेकानंद सिंह, सुदेश चंद्रवंशी, रामचंद्र साव,आलोक कुमार, ज्योत्सना देवी, रेणुका कुमारी, मीरा मेहता, पूनम मिश्रा, झूमा झा, बद्री प्रसाद, संतोष कुमार सिन्हा, दिलीप कुमार, भोला भगत, उमेश प्रसाद चंद्रवंशी, सत्यपाल सिंह, अजीत चंद्रवंशी, लोकनाथ साव, आरके साहू, प्रदीप लोहानी, राजेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा, रामस्वरूप ठाकुर, प्रदीप कुमार सिन्हा, आनंद कुमार, आचार्य अमित शास्त्री, मीरा मेहता, पूनम मिश्रा एवं दर्जनों अन्य लोग मौजूद थे।

छह अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगी रामनवमी पूजा

रामगढ़। थाना चौक स्थित श्री श्री संकट मोचन मंदिर में उत्साह के साथ आगामी 6 अप्रैल को रामनवमी मनाई जाएगी। जिसकी तैयारी चल की जा रही है। इस संबंध में मंदिर के प्रधान सेवक धीरज परासर ने सोमवार को बताया कि आगामी 6 अप्रैल में मंदिर में धूमधाम से प्रभु श्रीराम का का जन्मोत्सव रामनवमी मनाया जाएगा। उन्होंने बताया की रामनवमी के मौके पर मंदिर परिसर में रामायण के 24 घंटे के के अखंड पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके उपरांत विशेष पूजा अर्चना किया जाएगा। पूजा के दौरान 56 भोग का प्रसाद चढ़ाया जाएगा। इसके उपरांत मंदिर परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे और प्रसाद ग्रहण करेंगे।

सांसद मनीष जायसवाल के विनोबा भावे विवि के सांसद प्रतिनिधि बनें डॉ. सुकल्याण मोइत्रा

हजारीबाग । शहर के बड़कागांव रोड़ निवासी एसोसिएट प्रोफेसर सह सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सुकल्याण मोइत्रा (पिता -स्व. सुभाष कुमार मोइत्रा) को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने सोमवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय का सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है। उन्होंने इस संदर्भ में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति को पत्र लिखा है साथ ही डॉ. सुकल्याण मोइत्रा को भी इस संदर्भ में पत्र लिखकर सूचित किया है । डॉ. सुकल्याण मोइत्रा को इस नए दायित्व की सांसद प्रतिनिधि जायसवाल ने शुभकामनाएं और अनंत बधाई दी साथ ही उन्होंने कहा कि विश्वास है कि आप विनोबा भावे विश्वविद्यालय एवं विद्यार्थियों के हितार्थ अपनी सेवा ईमानदारी और निष्ठापूर्वक देंगे। इधर सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किए जाने के बाद उन्हें लगातार बधाई और शुभकामनाएं मिल रही है। इसकी जानकारी हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी ।

सअनि सुजीत कुमार सिंह का निलंबन वापस लिया जाए : दीपक मिश्रा

रामगढ़। रामगढ़ एसपी द्वारा सहायक अवर निरीक्षक सुजीत कुमार को लाइन हाजिर किए जाने को हिंदू संगठनों ने मुद्दा बना दिया है और इसपर आंदोलन करने की चेतावनी भी सोसल मीडिया पर देखी जा सकती है। इसी मुद्दे पर हिंदू रक्षा दल के दीपक मिश्रा ने सोमवार को बयान जारी कर रामगढ़ के एसपी से सवाल पूछा है की जब ईद,रामनवमी और सरहुल जैसे त्योवहारों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने के लिए कार्य कर रहे थे । कहा की इस कार्य के लिए उन्हें लाइन हाजिर करना सही नही है । श्री मिश्रा ने आम जनता के बीच इस मामले को लेकर चल रही चचाओं का जिक्र करते हुए बताया की पिछले दिनों सुजीत कुमार सिंह दल बल के साथ संवेदनशील क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्र द्वारा ईद और रामनवमी को लेकर सुरक्षा संबंधी सूचना एवं चेतावनी दे रहे थे। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसके बाद उनपर कार्रवाई की गई । दीपक मिश्रा ने कहा कि क्या ध्वनि विस्तारक यंत्र से सुरक्षात्मक घोषणा करना कोई गुनाह है उन्होंने कहा की अगर जल्द उनके निलंबन को वापस नही लिया जाता है तो हिंदू रक्षा दल भी तमाम हिंदू संगठनों के साथ इस मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन करेगा।

माता वैष्णों देवी मंदिर में बासंती नवरात्र पर पूजन अनुष्ठान जारी

रामगढ़। झंडा चौक के माता वैष्णों देवी मंदिर में बासंती नवरात्र पर पूजन व अनुष्ठान जारी है। मंदिर के पुजारी पंडित लीलाधर शर्मा द्वारा अनुष्ठान के मुख्य यजमान सुमित मारवाह व उनकी पत्नी जया मारवाह से विधिवत पूजन कराई जा रही है। आठ दिवसीय इस अनुष्ठान के दौरान 4 अप्रैल की संध्या 3:30 बजे से माता की चौकी एवं 6 अप्रैल को सुबह 8 बजे से भंडारा का आयोजन किया गया है। वहीं पंजाबी हिन्दू बिरादरी के तत्वावधान में मां वैष्णों मंडली रामगढ़ द्वारा 3 अप्रैल की रात्रि 7:30 बजे से माता की चौकी एवं 5 अप्रैल की सुबह 7:30 बजे से भंडारा का प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस मौके पर पूरे मंदिर परिसर को आर्टफिशियल फूलों एवं विद्युत सज्जा कर आकर्षक ढंग से सजाया गया है। सभी कार्यक्रमों के सफल आयोजन को लेकर पंजाबी हिन्दू बिरादरी व माता वैष्णों देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एससी वासुदेव एवं महासचिव महेश मारवाह के अलावे सभी पदाधिकारी व सदस्य जोर शोर से जुटे हुए हैं।

पांचवें झारखंड इमेजिंग एक्सपो- 2025 का एचपीसी ने किया पोस्टर लांच

फोटोग्राफरों का हो रहा महाकुंभ : मनीष जायसवाल

■ बतौर मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने किया पोस्टर लांच

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग फोटोग्राफी एसोसिएशन के द्वारा सोमवार को हजारीबाग के झंडा चौक पर सांसद सेवा कार्यालय सभागार झारखंड फोटोग्राफिक संगठन सेंट्रल द्वारा आयोजित होने वाले पांचवें फोटो- वीडियो झारखंड इमेजिंग एक्सपो- 2025 का पोस्टर लांच किया गया। बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने पोस्टर लांच किया और पांचवे झारखंड इमेजिंग एक्सपो की सफलता के लिए अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने यह भी कहा कि यह फोटोग्राफर के लिए एक महाकुंभ जैसा है, जिसमें हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के करीब 1000 से अधिक फोटोग्राफरों का विशाल समूह शामिल होने जा रहा है। हजारीबाग फोटोग्राफी एसोसिएशन के बिरजू कुमार और सचिव राजेश कुमार ने संयुक्त रूप से बताया, कि 10 अप्रैल को भगत स्टेडियम खेल जाओ राशि में आयोजित होने जा रही है ।इसमें झारखंड के करीब सभी हिंदी के फोटोग्राफर के साथ देशभर के नामचीन फोटोग्राफर हिस्सा लेंगे। इस एक्सपो में फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी क्षेत्र से संबंधित तमाम कंपनी पने उत्पाद और तकनीकी की जानकारी प्रदान करेगी कैमरा मॉडल, लाइटिंग, इक्यूपमेंट, एडिटिंग सॉफ्टवेयर और अनावश्यक उपकरणों का प्रदर्शन भी किया जाएगा । मौके पर भाजपा नेता विशाल वाल्मीकि, मनमीत अकेला, ज्योत्सना देवी, पूनम मिश्रा, बीरू वर्मा, हजारीबाग फोटोग्राफी एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष विपिन कुमार, सह-सचिव वीरेंद्र शर्मा, संजीव केसरी, सदस्य गोविंद राणा, उदय ठाकुर, पंकज पाठक, मुकेश कुमार, अनमोल शर्मा, रामजी गुप्ता, अजीत कुमार, निलेश पांडेय, राजेश सिंह, महेंद्र राणा, भीम ठाकुर, दीपक यादव,महेंद्र महतो सदस्य उपस्थित थे ।

नियमित पढ़ाई के साथ व्यवस्थित जीवन शैली सफलता के द्वार खोलती है : रणधीर सिंह

> निष्ठा पूर्वक कड़ी मेहनत करने से ही सफलता मिलती है
> *उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी*

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रजरप्पा प्रोजेक्ट स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में सोमवार को समारोह का आयोजन कर वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र के परियोजना पदाधिकारी सह विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष रणधीर कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, प्राचार्य उमेश प्रसाद,ब कोषाध्यक्ष आशीष झा, राजेश कुमार,पी एस भट्टाचार्य, प्रभारी मिथिलेश कुमार खन्ना ने संयुक्त रूप से भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पित कर समारोह का शुभारम्भ किया। अतिथि परिचय प्राचार्य उमेश प्रसाद ने किया। परीक्षा फल की प्रस्तावना एवं परीक्षा फल की घोषणा परीक्षा प्रमुख इंद्रजीत कुमार सिंह ने किया। इस दौरान कक्षा अरुण से एकादश तक के छात्र-छात्राओं के बीच परीक्षा फल वितरण किया गया। सभी कक्षाओं में क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही पुरे सत्र में शत-प्रतिशत उपस्थित होने वाले वर्षा कुमारी और मुकुंद कुमार को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि रणधीर कुमार सिंह ने कहा कि नियमित पढ़ाई के साथ व्यवस्थित जीवन शैली सफलता के द्वार खोलती है। उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी ने कहा कि निष्ठा पूर्वक कड़ी मेहनत करने से ही सफलता मिलती है। प्राचार्य उमेश प्रसाद ने कहा कि सभी बच्चे प्रतिभावान हैं, आगामी सत्र में एक नये संकल्प के साथ नवीन कक्षा में पढ़ाई करें, सफलता निश्चित मिलेगी। समारोह का संचालन आचार्या ललिता गिरि ने एवं धन्यवाद ज्ञापन रेखा कुमारी ने की। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य दिलीप सिंह, सेखर कुमार, शम्मी राज, बच्चूलाल तिवारी, शशि कान्त, अनूप झा, आरती झा,डॉ गायत्री कुमारी, अंजली कुमारी, ममता कुमारी आदि उपस्थिति थे।

डेंटल कॉलेज में पांच दिवसीय युवा सशक्तिकरण और कौशल कार्यशाला एस प्लस हुआ आयोजन

तनाव कम, मानसिक स्पष्टता और नींद में सुधार प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करता है : डॉ प्रवीण

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल में पांच दिवसीय युवा सशक्तिकरण और कौशल कार्यशाला एस प्लस का आयोजन किया गया। कार्यशाला 26 से 30 मार्च तक सफलतापूर्वक आयोजित हुई। एचसीडीएसएच ओएमआर विभाग के प्रोफेसर सह आर्ट ऑफ लिविंग संगठन के संकाय सदस्य डॉ देवर्षि नंदी ने कार्यशाला का नेतृत्व किया। जिसमें योग, प्राणायाम, ध्यान एवं सुदर्शन क्रिया के अनूठी श्वास प्रक्रिया शामिल रहा। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधित महत्वपूर्ण योग समेत उत्तम स्वास्थ्य की जानकारी साझा किया गया। मौके पर डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि यह अभ्यास तनाव को कम करने, मानसिक स्पष्टता और नींद में सुधार करने, प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने और कई अन्य लाभ लाने में मदद करता है। यह आईआईटी, आईआईएम, जिम्पर और मणिपाल जैसे प्रमुख भारतीय संस्थानों में पाठ्यक्रम का हिस्सा है। एचएसडीसीएच विजन के अनुरूप अपने कॉलेज में इन-हाउस एस प्लस कार्यक्रम आयोजित करने में बहुत गर्व महसूस करते हैं। मौके पर एचसीडीएसएच ओएमआर विभाग के प्रोफेसर डॉ. देवर्षि नंदी ने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग संगठन, सबसे प्रतिष्ठित धर्मार्थ स्वयंसेवी संगठनों में से एक है। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के विजन के तहत तनाव मुक्ति, आत्म-विकास, आघात और संघर्ष समाधान और सहायता सहित वैश्विक मानवीय कार्यों में लगा हुआ है। प्रतिभागियों ने गहन योग, ध्यान, मजेदार गतिविधियों और खेलों में भाग लिया। युवा-केंद्रित विषय और आध्यात्मिक ज्ञान भी कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग था। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उच्च ऊर्जा स्तर, बढ़े हुए उत्साह, बेहतर मानसिक स्पष्टता और हल्कापन महसूस करने की बात कही।

> आर्ट ऑफ लिविंग संगठन, सबसे प्रतिष्ठित धर्मार्थ स्वयंसेवी संगठनों में से एक है। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के विजन के तहत तनाव मुक्ति, आत्म-विकास, आघात और संघर्ष समाधान और सहायता सहित वैश्विक मानवीय कार्यों में लगा हुआ है।
> **प्रोफेसर डॉ. देवर्षि नंदी**

बरकट्ठा में पासवान कल्याण समिति का गठन, अध्यक्ष बने दीपक

बरकट्ठा। प्रखंड मुख्यालय स्थित पंचायत भवन में पासवान कल्याण समिति का गठन और शोर्य शिरोमणी वीर बाबा चौहर मल जयंती मनाने को लेकर बैठक किया गया। बैठक में कहा कि आगामी 4अप्रैल को शोर्य शिरोमणी वीर बाबा चौहर मल जयंती मनाया जाएगा। जिसे लेकर कमिटी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष दीपक कुमार पासवान, उपाध्यक्ष विनोद पासवान, सचिव मुनिलाल पासवान, उपसचिव मुंशी पासवान, कोषाध्यक्ष राजेंद्र पासवान, सलाहकार अभिराम पासवान, छोटेलाल पासवान, मथुरा पासवान, कैलाश पासवान, द्वारिका पासवान, रामचन्द्र पासवान, हीरालाल पासवान, मीडिया प्रभारी अजय पासवान, रवि कुमार पासवान, संगठन कर्ता किशोर पासवान, अभिराज पासवान समेत अन्य लोग शामिल थे।

खैरियो में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन

किशोर एवं किशोरियों को स्वास्थ्य से संबंधित दिया गया प्रशिक्षण : बीटीटी प्रकाश पंडित

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के चेचकपी पंचायत स्थित खैरियो उप स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।तत्पश्चात पियर एजुकेटर के साथ पंचायत भवन चेचकपी में क्लब मीटिंग का आयोजन मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव की अध्यक्षता में किया गया। संचालन बीटीटी प्रकाश पंडित ने किया।वहीं आरकेएसके बीटीटी बसंती देवी ने सभी साथिया को बताया कि सभी साथिया अपने-अपने क्षेत्र में 10 से 19 वर्ष के किशोर एवं किशोरियों का सर्वेक्षण कर ग्रुप मीटिंग करेंगे। मीटिंग के दौरान जो भी किशोर एवं किशोरियों को शारीरिक स्वास्थ के बारे में अपनी समस्या बताते हैं तो उसे सहिया दीदी के सहयोग से युवा मैत्री केंद्र ले जाकर समस्या का समाधान कराना है। सभी साथिया को प्रशिक्षण के दौरान 7 कंपोनेंट बताया गया था। उसे दोहराव करते हुए सभी साथिया को अपने गांव स्तर पर लागू करने और प्रचार प्रसार करने को कहा गया।वहीं डेगलाल साव ने कहा कि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम भारत सरकार के द्वारा चलाया जा रहा है ।यह बहुत ही अच्छा कार्यक्रम है। गांव स्तर तक सभी किशोर एवं किशोरियों को स्वास्थ्य से संबंधित जानकारियां, किशोरावस्था में नशापान बंद कराना ,कम उम्र में हो रही शादी को बंद करना एवं पोषण पर विशेष ध्यान देना है। स्कूलों में भी स्वास्थ्य के बारे में सप्ताह में एक दिन बच्चों को बताया जाता है।

प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया ईद

नवीन मेल संवाददाता

बरही। रविवार को दूज के चांद का दीदार होते हीं पटाखे फूटने लगे. रोजेदार एक दूसरे से गले मिलकर रमजान की बधाईयां देने लगे. सोमवार की सुबह प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के ईदगाह में ईद की नमाज पढ़ी गई। एक दूसरे से गले मिले और लच्छे खाने और खिलाने का दौर चालू हुआ सो देर रात तक जारी रहा। इस अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव, पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला यादव सहित कई गणमान्य लोगों ने क्षेत्र भ्रमण कर लोगों को ईद की बधाई व शुभकामनाएं दी। जनप्रतिनिधियों ने लोगो से सभी वैमनस्यता भूलकर गले मिलने और शांति और सौहार्द से ईद की खुशियां मनाने की बात कही। ईद को लेकर प्रशासन भी चुस्त दुरुस्त दिखा। एसडीपीओ खुद व्यवस्था की निगरानी में लगे रहे और अधिकारियों को निर्देश देते रहे। इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी दल बल के साथ ईदगाह पर मौजूद रहे। कुल मिलाकर हमेशा की तरह इस वर्ष भी बरही प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में ईद शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाई गई। पूर्व विधायक अपने समर्थको संग बरही, चौपारण, चंदवारा, पदमा आदि क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगो से मिला और ईद की बधाइयां दिया।

सूरजकुंड धाम में सरहुल पर्व पर सांस्कृतिक प्रोग्राम का उद्घाटन एसडीओ जोहन टुडू ने किया

सुरजकुंडधाम में इस प्रकार से प्रोग्राम पेश करना है ऐतिहासिक : एसडीओ

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के ऐतिहासिक पर्यटक स्थल सूरजकुंड धाम में रविवार रात्रि 11 बजे संथाली सांस्कृतिक प्रोग्राम स्टीफन टुडू नाइट धमाका, दुमका टीम के द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बरही एसडीओ, गोरहर थाना प्रभारी, बरकट्ठा थाना प्रभारी, बेलकपी मुखिया को भव्य सामूहिक माल्यार्पण करने के साथ-साथ अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बरही एसडीओ जॉझन टुडू, बरकट्ठा थाना प्रभारी राजेश कुमार गुप्ता, गोरहर थाना प्रभारी सोनू कुमार, बेलकपी मुखिया ललिता देवी, झारखंड आंदोलनकारी धीरेंद्र पांडे के द्वारा विधिवत फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक गीत संगीत एवं सांस्कृतिक प्रोग्राम प्रस्तुत किया गया। मौके पर एसडीओ जॉहन टुडू ने कहा आदीवासी लोगों के द्वारा सुरजकुंडधाम में इस प्रकार से प्रोग्राम पेश करना ऐतिहासिक है ।सरहुल पर्व पर हम लोग सखूवा पेड़ का पूजा करते हैं। यह पर्व प्राकृतिक से जुड़े रहने का यह हम सभा को संदेश देता है। वहीं झारखंड आंदोलनकारी धीरेंद्र पांडे ने कहा आप सब शराब तथा नशा पान से दूर रहे जिससे कि आप सबों के बाल बच्चों पर बुरा प्रभाव न पड़े और आप सबका संपूर्ण विकास हो।गोरहर थाना प्रभारी सोनू कुमार ने कहा इस कार्यक्रम को सफल बनाने में भारत जकात मांझी परगना महाल के अध्यक्ष सचिव को धन्यवाद देते हु, कहा सरहुल पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है यहां सूरजकुंड धाम में पिछले दो वर्षो से मनाया जा रहा है ।यहां दुमका के कलाकार के द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम प्रस्तुत किया जा रहा है उसके लिए समस्त टीम को बधाई दे रहा हूं।मौके पर काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मानव विकास स्वयंसेवी संस्था द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के नव प्राथमिक विद्यालय चामुदोहर में सोमवार को मानव विकास स्वयंसेवी संस्था के द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। शिविर में मुख्य रुप से विभिन्न सरकारी योजनाओं की उपलब्धता पर क्षमता निर्माण₹ विषयक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं प्रखंड तकनीकी प्रबंधक चिंताहरण पाठक ने बताया कि हमारे देश और झारखंड राज्य में लगभग 170 योजनाएं देश की जनता के लिए चल रही है जबकि सुदूर गांव के लोग जानकारी के अभाव में एक भी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे है। बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सामान्य महिला के लिए वृद्धा पेंशन में अब बस 50 वर्ष के उम्र में ही मिलने लगी है और इसके अलावा मईया सम्मान योजना, गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना आदि और कई योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थाकर्मी राहुल कुमार, रोहित टुडू समेत दर्जनों लोग उपस्थित हुए।

अदा की गई ईद की नमाज, ईदगाह और मस्जिदों में मांगी गई अमन-चैन की दुआएं

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा में मुस्लिम धर्मावलंबियों का सबसे बड़ा त्योहार ईद-उल-फितर बड़े धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित ईदगाहों और मस्जिदों में निर्धारित समय पर ईद की नमाज अदा की गई। मस्जिदों की अपेक्षा ईदगाहों में लोगों की भीड़ अधिक रही, जहां हजारों की संख्या में लोगों ने एक साथ नमाज अदा की। सिमडेगा शहर के ईदगाह में सुबह 7:30 बजे नमाज अदा की गई। यहां लोगों ने जमा मस्जिद के इमाम मौलाना शाकिब की अगुवाई में अपने और अपने परिवार की खुशहाली के साथ-साथ देश की अमन-चैन, तरक्की और सुख-समृद्धि के लिए दुआएं मांगी। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और प्रेम एवं सौहार्द्र का संदेश दिया।ईद के अवसर पर जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी।एसपी सौरभ के निर्देश पर डीएसपी और थाना प्रभारी के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया और पूरे जिले में शांति और सौहार्द्र का माहौल बना रहा।ईद के इस पावन पर्व पर विशेष रूप से बच्चों और युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। नए कपड़े पहनकर बच्चे खुश नजर आए और एक-दूसरे को बधाइयां देते दिखे। बाज़ारों में भी चहल-पहल रही, जहां लोग मिठाइयों और अन्य खाद्य सामग्रियों की खरीदारी करते नजर आए। मुस्लिम बहुल इलाकों में त्यौहार का उल्लास देखते ही बन रहा था।

सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा भी इस पावन मौके पर पहुंचे और लोगों से मिलकर ईद की बधाइयां दीं। उन्होंने सभी से प्रेम, भाईचारे और एकता के साथ रहने की अपील की। विधायक ने कहा कि यह पर्व हमें आपसी सौहार्द्र और मेल-जोल का संदेश देता है, जो समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आगे कहा कि ईद-उल-फितर सिर्फ उपवास का अंत नहीं है, बल्कि यह त्याग, सहानुभूति और दूसरों के प्रति दया का प्रतीक है। इस पर्व का मूल उद्देश्य समाज में भाईचारा बढ़ाना और हर व्यक्ति को एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होने की सीख देना है।विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि आज के समय में जब समाज में मतभेद और भेदभाव की दीवारें खड़ी हो रही हैं, तब ऐसे पर्व हमें प्रेम और एकता का संदेश देकर समाज को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे आपसी सद्भाव बनाए रखें और मिल-जुलकर प्रदेश व देश की उन्नति में योगदान दें। उन्होंने आगे कहा कि हर धर्म, हर संस्कृति हमें प्रेम और इंसानियत की राह पर चलने की सीख देती है और ईद-उल-फितर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह पर्व हमें सिखाता है कि इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंदों की मदद करना ही असली इबादत है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी खुशियों में उन लोगों को भी शामिल करना चाहिए, जो जरूरतमंद हैं, ताकि समाज में एक समानता और समरसता का भाव बना रहे।ईद-उल-फितर सिर्फ एक धार्मिक त्योहार ही नहीं बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी सहयोग का संदेश भी देता है। इस अवसर पर लोगों ने गरीबों और जरूरतमंदों को जकात और फितरा बांटकर इंसानियत की मिसाल पेश की।

ईद पर्व को लेकर सिमडेगा एसपी ने किए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

ईद-उल-फितर के मद्देनजर सिमडेगा जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सिमडेगा एसपी ने जिलेभर में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में ईद की नमाज को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सिमडेगा शहर के रजा मस्जिद सहित अन्य प्रमुख मस्जिदों में सुबह से ही पुलिस बल सक्रिय रहा। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई थी, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में भी शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस गश्त बढ़ा दी गई थी। ईदगाह और मस्जिदों के पास ट्रैफिक प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए, जिससे नमाजियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पूरे जिले में ईद का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। प्रशासन की ओर से आम जनता से शांति और भाईचारे का संदेश बनाए रखने की अपील की गई।

बानो में ईद की नमाज अदाकर देश में अमन चैन की दुआ मांगी

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो में ईद-उल-फितर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न ईदगाह में अकिदतों ने ईद की नमाज अदाकर देश में अमन चैन की दुआ मांगी।मौके पर एक दूसरे को गले लगाया और ईद की बधाई दी।बानो जामा मस्जिद में इमाम मौलाना शौकत,इमाम साहब हाफिज इखलाख अंसारी और गौसिया मस्जिद में इमाम मोहम्मद सफीक अहमद ने नमाज अदा कराई।इस अवसर पर बानो अंजुमन इस्लामिया के तत्वाधान में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया।एक दूसरे को सेवइयां खिलाकर लोगों को ईद की मुबारकबाद दी गई। लोगों ने दूसरे को गले लगाया और ईद की बधाई दी।ईद मिलन समारोह में पुलिस प्रशासन,प्रखंड प्रशासन, झारखंड मुक्ति मोर्चा बानो कमेटी के पदाधिकारी गण और मुखिया गण आदि शामिल हुए।विधि व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस निरीक्षक रामानुज वर्मा और थाना प्रभारी विकास कुमार पुलिस दलबल के साथ मुस्तैदी से तैनात रहे।इस अवसर पर अंजुमन इस्लामिया के सदर मोहम्मद फैज अंसारी,सेक्रेटरी मोहम्मद रफीक अंसारी,ट्रस्टी मोहम्मद रोशन,इज़हार अन्सारी,तनवीर हुसैन,अल्ताफ आलम, नौजनवान कमेटी सहनवाज अंसारी के अलावा सैकड़ो की संख्या में मुस्लिम लोग उपस्थित थे।

कुरडेग में धूमधाम से मनाई गई ईद, मांगी गई अमन-चैन की दुआ

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग। सोमवार को कुरडेग प्रखंड में ईद-उल-फितर का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। सोमवार सुबह कुरडेग की जामा मस्जिद और रजा मस्जिद में 8:30 बजे ईद की विशेष नमाज अदा की गई। जामा मस्जिद में मौलाना हसनैन नदवी ने ईद की नमाज अदा कराई।इस दौरान उन्होंने अपने संदेश में कहा कि ईद भाईचारे और आपसी प्रेम का त्योहार है। इस दिन हमें सभी गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाना चाहिए। ईद केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि यह आपसी प्रेम, सौहार्द्र और भाईचारे का प्रतीक भी है। यह त्योहार हमें इंसानियत और सौहार्द्र का संदेश देता है। हमें समाज में शांति और एकता बनाए रखनी चाहिए।नमाज के बाद नमाजियों ने देश में अमन-चैन और भाईचारे के लिए दुआ मांगी। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। सोशल मीडिया और फोन पर भी ईद की बधाइयों का सिलसिला जारी रहा। लोगों ने गिले-शिकवे भुलाकर खुशी-खुशी ईद मनाई। अन्य समुदायों के लोगों ने भी मुस्लिम भाइयों को ईद की बधाई दी।त्योहार के मौके पर परंपरागत पकवान बनाई गईं। वहीं, रविवार को ईद का चाँद नजर आते ही मुबारकबाद देने का सिलसिला शुरू हो गया। छोटे-छोटे बच्चे रंग-बिरंगे नए कपड़ों में काफी खुश नजर आए। त्योहार को लेकर सभी उम्र के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।लोगों ने कब्रिस्तान जाकर पूर्वजों की कब्रों पर फातिहा पढ़ी। वहीं, सुरक्षा के मद्देनजर अंचल पुलिस निरीक्षक दिनेश प्रजापति, थाना प्रभारी नवीन कुमार पुलिस बल के साथ नमाज समाप्त होने तक मौजूद रहे।

सिमडेगा के जंगल में महुआ चुनना पड़ रहा है भारी, जंगली हाथियों का आतंक के साए में जी रहे लोग

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिले के विभिन्न जंगलों में महुआ चुनने गए ग्रामीणों को जान का खतरा बढ़ता जा रहा है। बीते तीन दिनों में जंगली हाथियों के हमले से तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। हाथियों के हमलों के अलावा जंगली सूअर भी ग्रामीणों के लिए खतरा बन गए हैं। इसको लेकर ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति गहरी नाराजगी है, क्योंकि बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।ग्रामीणों का कहना है कि हर साल मार्च-अप्रैल में महुआ चुनने के लिए वे जंगलों में जाते हैं, लेकिन इस साल हाथियों का आतंक बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

- **तीन ग्रामीणों को हाथियों ने कुचलकर मार डाला जिससे गांवों में भय का माहौल है**

बीते तीन दिनों में तीन ग्रामीणों को हाथियों ने कुचलकर मार डाला, जिससे गांवों में भय का माहौल है। इसके अलावा, जंगली सूअर भी हमलावर हो गए हैं और कई लोगों को घायल कर चुके हैं। बावजूद इसके, वन विभाग की ओर से किसी प्रकार की राहत या सुरक्षा के उपाय नहीं किए गए हैं।इस मामले में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी वन विभाग के रवैये पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। उन्होंने मांग की है कि वन विभाग जल्द से जल्द हाथियों को प्रभावित क्षेत्रों से भगाने के लिए कारगर कदम उठाए, ताकि और कोई हताहत न हो।ग्रामीणों ने वन विभाग से तीन मुख्य मांगें रखी हैं—पहली, हाथियों को तुरंत प्रभावित इलाकों से हटाया जाए; दूसरी, महुआ चुनने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं; और तीसरी, जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए।फिलहाल, सिमडेगा के जंगलों में दहशत बनी हुई है। ग्रामीण डरे हुए हैं और जंगल जाने से कतराने लगे हैं। यदि वन विभाग जल्द से जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाता, तो ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ सकता है और वे आंदोलन करने पर मजबूर हो सकते हैं।

कोलेबिरा में तीन दिवसीय अखंड हरि कीर्तन सह यज्ञ महोत्सव शुरू

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड के लचरागढ़ स्थित देवी गुड़ी मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय अखंड हरि कीर्तन सह यज्ञ महोत्सव का आयोजन किया गया। दूसरे दिन अधिवास एवं नामकरण के साथ अखंड हरि कीर्तन की शुरुआत हुई।इस महोत्सव में परबा पोमिया, परबा, कारीमाटी, राम जड़ी, चाटुओड़ा, गांगुटोली, सरदार टोली, टुटीकेल, गोंझुटोली, रामजड़ी, सोड़ा और उड़ीसा से आई कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने कीर्तन एवं भजन-संकीर्तन के माध्यम से भक्ति भाव व्यक्त किया। मंगलवार को पूर्णाहुति, नगर भ्रमण एवं भंडारा के साथ कार्यक्रम का समापन होगी। यज्ञ एवं पूजा-अर्चना का नेतृत्व पुरोहित जगन्नाथ पंडा, प्रदीप पंडा, प्रमोद पंडा, भरतु दुबे, रंजीत पंडा, मदन मोहन पंडा, अवधेश पाढ़ी, सुरेंद्र नाथ बीसी, केशव चंद्र पाणिग्रही और नथन पंडा ने किया।यजमान के रूप में फिरु महतो और उनकी धर्मपत्नी नलिनी देवी ने विधिवत पूजा-अर्चना कीइस अवसर पर माता रानी समिति की तारा देवी, पुष्पा देवी, नंदनी देवी, नेहा साहू, सुषमा देवी, राखी देवी, संगीता देवी, वीणा देवी, सुखन देवी, रीता देवी, गंगोत्री देवी, सुनीता देवी, नंदनी महतो सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।इसके अलावा राजेश अग्रवाल, संजय मिश्रा, संतोष साहू, मोतिलाल पंडा, अजित सिंह, संजय पंडा, अमित साहू, अमित पंडा, घनश्याम सिंह, सुरेश द्विवेदी, मनोज सेठिया आदि उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया गया सुहागिनों का पर्व गणगौर

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिला मुख्यालय सहित प्रखंड क्षेत्र में रहने वाले मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने मनाया गणगौर पूजा महोत्सव विदित हो गणगौर पूजा राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश सहित भारत के उत्तरी प्रांतों का लोकप्रिय पर्व है। विवाहित महिलाओं और कुंवारी कन्याओं के लिए यह पूजा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। पौराणिक कथा के अनुसार, इस दिन को प्रेम का जीवंत प्रतीक माना जाता है। इस दिन भगवान शिव ने देवी पार्वती को और देवी पार्वती ने संपूर्ण नारी समाज को सौभाग्यवती होने का वरदान दिया था। जो सुहागिनें गणगौर का व्रत रखती है और शिव-पार्वती की पूजा करती हैं, उनके पति की उम्र लंबी हो जाती है। वहीं जो कुंवारी कन्याएं गणगौर का व्रत रखती हैं, उन्हें आदर्श जीवन-साथी का वरदान प्राप्त होता है। इस पर्व को सोलह दिनों तक मनाया जाता है। मिट्टी से ईशर और गौरा का निर्माण करके पूजा की जाती है। यह जानकारी देते हुए मारवाड़ी ब्राह्मण महिला समिति की बबली शर्मा ने बताया कि गणगौर का पर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तीज को मनाया जाता है। यह होली के दूसरे दिन ही प्रारंभ हो जाता है और सोलह दिनों तक चलता है। माना जाता है कि गौरा अपने पीहर आती है, तो पीछे-पीछे ईशर भी उसे लेने आ जाते हैं और फिर चैत्र शुक्ल द्वितीया तथा तृतीया को गौरा को अपनी ससुराल के लिए विदा कर दिया जाता है।उल्लेखनीय है कि कहीं-कहीं इस दिन को भगवान शिव और पार्वती के प्रेम और विवाहोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। कई महीनों के अलगाव के बाद शिव और पार्वती फिर एक साथ आते हैं। विवाहित महिलाएं पति की लंबी उम्र और वैवाहिक खुशी के लिए भगवान से प्रार्थना करती हैं, तो अविवाहित युवतियां आदर्श पति की प्राप्ति के लिए गणगौर का पर्व श्रद्धापूर्वक मानती हैं।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-सिमडेगा मुख्य पथ पर बीते देर शाम पुत्रीटोली ग्राम के समीप एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।मिली जानकारी के अनुसार, तीन युवक—प्रीतम केरकेट्टा, प्रीतम जय और मैक्सवेल कुल्लू—एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर पुत्रीटोली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि 24 वर्षीय प्रीतम जय और मैक्सवेल कुल्लू ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि प्रीतम केरकेट्टा गंभीर रूप से घायल हो गया।दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने घायल प्रीतम केरकेट्टा को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की एक टीम उसका इलाज कर रही है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और आगे के इलाज के लिए उसे रेफर कर दिया।इधर, दुर्घटना की सूचना मिलते ही कोलेबिरा थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाया साथ ही, दुर्घटना के कारणों की जांच भी की जा रही है।इस हृदयविदारक हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है, और स्थानीय लोग इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

न्यूज बॉक्स

बिजली करंट लगने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

बोलबा। बोलबा प्रखंड मुख्यालय में बिजली करंट लगने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, बोलबा थाना के बगल में एक मकान बन रहा है, जहाँ काम कर रहे अनिल कुजूर बिजली की चपेट में आ गए।बताया गया कि जहाँ पर काम हो रहा था, वहाँ बिजली का 11 हजार वोल्ट का तार झूल रहा था। सेंटरिंग का पटरा ठोकने के दौरान वह बिजली के तार से सट गया, जिससे करंट लग गया। इसके कारण अनिल कुजूर जमीन पर गिर गए।अन्य मजदूरों की मदद से उन्हें तुरंत बोलबा अस्पताल लाया गया, जहाँ डॉ. देबोतोष भूटिया की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

रायकेरा में प्रतिपदा के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय हरि कीर्तन का हुआ समापन

बानो। बानो प्रखंड के रायकेरा में आयोजित वर्ष प्रतिपदा पर आयोजित तीन दिवसीय अखंड हरि कीर्तन कार्यक्रम का समापन किया गया। समापन के अवसर पर पुर्णाहुति व नगर भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर भ्रमण मंदिर परिसर से आरंभ किया गया। इसके रायकेरा गांव का परिक्रमा किया गया। इस दौराण राधाकृष्णा के वेश मे बच्चे शामिल हुए। लोग नाचते गाते नगर भ्रमण कार्यक्रम मे शामिल हुए।अखंड हरी कीर्तन कार्यक्रम रायकेरा,मरानी,हुरदा, गेरदा, बिरुहुली, सहित उड़ीसा के कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया। सोमवार को पूर्णाहुति नगर भ्रमण के साथ भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे महिला पुरूष काफी संख्या मे भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में गौतम सिंह सह धर्म पत्नी विमला देवी व पंडित बाबा दुर्योधन दास ने पुजा अनुष्ठान शामिल हुए।इस अवसर पर सुमन कुमार सिंह,अर्जुन कुमार सिंह,बिरसा सिंह,बाबा दुर्योधन दास,गुरदत प्रसाद सिंह जितेंद्र सिंह, अमीन सिंह,बालकिशुन सिंह योगेंद्र सिंह,राजा साहू, मदन सिंह के अलावा समिति सदस्य ने अहम भुमिका निभायी।

सिमडेगा में चैती छठ पूजा की आज से नहाय खाय के साथ शुरुआत

सिमडेगा। सिमडेगा में चैती छठ पूजा की शुरुआत आज मंगलवार से नहाय-खाय के साथ होगी। हालांकि, यह पर्व कार्तिक माह में होने वाली छठ पूजा की तुलना में कम धूमधाम से मनाया जाता है, फिर भी श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।शहर के विभिन्न जलाशयों, डिप्टी टोली तालाब और अन्य स्थानों पर व्रतधारी पूजा-अर्चना करेंगे। बुधवार को खरना पूजा होगी, जिसमें व्रतधारी गुड़-चावल से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करेंगे और इसे भक्तों में वितरित करेंगे। इसके बाद से व्रतधारी 36 घंटे का निर्जला उपवास रखेंगे।शुक्रवार को संध्या अर्घ्य दिया जाएगा, जिसमें व्रती अस्त होते सूर्य को जल अर्पित करेंगे। इसके लिए घाटों की साफ-सफाई एवं सजावट का कार्य किया जा रहा है। शनिवार को प्रातः अर्घ्य के साथ यह महापर्व संपन्न होगा, जब श्रद्धालु उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे और इसके बाद पारण कर व्रत का समापन करेंगे।प्रशासन द्वारा सुरक्षा और सुविधा की तैयारी की जा रही है। नगर परिषद एवं स्थानीय प्रशासन ने छठ घाटों की साफ-सफाई नही करवाई है जिसको लेकर लोगों मे नाराजगी है।

पुतरीटोली में हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर 2 से होगा कार्यक्रम

रांची। कोलेबिरा:कोलेबिरा प्रखंड के पुतरीटोली ग्राम स्थित बजरंगबली मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का पहला वर्षगांठ के अवसर पर दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन 2 अप्रैल से मंदिर परिसर में किया गया है।इस संबंध में जानकारी देते हुए आयोजन समिति के अध्यक्ष महेश साहू ने बतलाया कि मंदिर परिसर के वार्षिक अनुष्ठान 2 अप्रैल दिन बुधवार को प्रातः 7:00 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी तत्पश्चात अखंड हरी कीर्तन प्रारंभ होगा तथा 3 अप्रैल दिन गुरुवार को पूर्णहुती एवं भंडारे का आयोजन किया गया है। उन्होंने इस कार्यक्रम में प्रखंड के सनातन धर्मलंबियों को भारी से भारी संख्या में भाग लेने की अपील की है।

पूर्व प्रचारक का निधन लोगो मे शोक

बानो। प्रखंड के महाबुआंग डुमरटोली निवासी जीईएल चर्च के भूतपूर्व प्रचारक 95 वर्षीय ईशाक समद का निधन हो गया, इसाक समाज काफी दिनों से बीमार चल रहे थे।उनके निधन पर लोगों ने शोक संतप्त व्यक्त किया, सूचना मिलते ही झामुमो सोय पंचायत अध्यक्ष संदीप समद परिजनों से मिले और इस दुख की घड़ी में परिवार वालों का ढांढस बंधाया। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव डुमरटोली में किया गया। इस अवसर पर जीएल चर्च के प्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे।

सरहुल पर्व को लेकर तैयारी पूरी आज निकाली जाएगी शोभायात्रा

बानो। बानो में सरहुल का पर्व 1 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जाएगी। जिसके तैयारी सरहुल समिति बानो के द्वारा पूरी कर ली गई है।बानो स्थित सरहुल सरना स्थल पर सुबह पूजा अर्चना किया जाएगा। तत्पश्चात सरहुल की शोभा यात्रा बिरसा चौक पहुंचेगी ,जहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा तत्पश्चात शोभा यात्रा निकाली जाएगी।शोभा यात्रा मुख्य सड़क होते हुए जयपाल सिंह मुंडा मैदान पहुंचेगी जहां कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस शोभायात्रा में भारी संख्या में लोग भाग लेंगे।सरहुल की शोभायात्रा सरना स्थल से प्रारंभ होकर बानो मुख्य पथ होते हुए विभिन्न मार्गों पर गुजरेगी। शोभायात्रा में लोग मांदर के थाप में नृत्य करते हुए भी नजर आएंगे। सरहुल शोभायात्रा में बानो प्रखंड के तमाम जनप्रतिनिधि गण,मुखिया गण और प्रखंड प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल होंगे।

कोलेबिरा में धूमधाम से मनाया गया ईद उल फितर का पर्व

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड में ईद उल फितर ईद का त्यौहार मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा धूमधाम एवं हर्षोउल्लास के साथ मनाई गई इस मौके पर कोलेबिरा जामा मस्जिद एवं नवाटोली ईदगाह में ईद का विशेष नमाज अदा किया गया।ईद का नमाज अदा करने के बाद लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की बधाइयां दी।इस त्यौहार को लेकर बच्चे बूढ़े जवान सभी नए-नए परिधान में देखे गए ईद के त्यौहार को लेकर सभी काफी उत्साहित थे।ईद के त्यौहार के मौके पर बच्चों ने कहा इस त्यौहार को लेकर हम लोग एक साल इंतजार करते हैं।ईद के दिन हमें नए कपड़े एवं अच्छे-अच्छे पकवान खाने को मिलते हैं. विशेष कर लच्छी वाली सेवई खाने में काफी मजा आता है। ईद को लेकर विशेष कर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया।

भामाशाह विद्यालय का दो दिवसीय आचार्य कार्यशाला संपन्न

आचार्य जिम्मेवारी नहीं कर्तव्य समझकर कर बच्चों को दें ज्ञान : सुरेश

नवीन मेल संवाददाता

बरही। भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में विद्या भारती योजना के तहत आयोजित दो दिवसीय आचार्य कार्यशाला का समापन हुआ. अंतिम दिन बतौर मुख्यातिथि साहु समाज के पदेन मुखिया सुरेश साहु शामिल हुए। अतिथियों का परिचय विद्यालय प्रभारी प्रिंस विद्यार्थी ने किया। प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पांडेय ने कार्यशाला की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला के दौरान आचार्य व आचायार्यों के बीच नवीन सत्र के लिए वर्ष भर की योजनाओं के निर्माण, बच्चो के समग्र विकास और उसके क्रियान्वयन पर चचाएं हुई। इस दौरान आचार्या रेशमी ने पंचपदी शिक्षण पद्धति और आचार्य गुडविल ने क्रियाकलाप द्वारा ईसीसी पर अपने विचार दिए। वहीं आचार्य राजू ने नई शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न बिंदुओं पर अपने विचार रखे। आचार्य निर्भय ने कार्यशाला के निष्कर्षों पर जानकारियां दिया। मुख्यातिथि ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी आचार्य व आचार्या से शिक्षण कार्य को सिर्फ जिम्मेवारी नही अपितु कर्तव्य समझकर पूरा करने की सलाह दिया। उन्होंने गुणवतापूर्ण शिक्षा पर जोर दिया।

सरहुल पर्व सभ्यता और अस्मिता का परिचायक : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची। सरहुल पूर्व संध्या पर रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में सरना नवयुवक संघ केंद्रीय समिति के द्वारा आयोजित समारोह में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुई। इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कलाकारों के साथ नृत्य भी किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति पर्व सरहुल आदिवासी सभ्यता और अस्मिता का परिचायक है। आदिवासी समाज ने प्रकृति से उतना ही लिया जितनी उसे आवश्यकता है। ऐसा इस लिए की धरती से बड़ा कोई पालनहार नहीं है। आदिवासी समाज हमेशा से विचारों का धनी समाज रहा है। इसे संतुष्ट और सामूहिकता में विश्वास रखने वाले समाज के तौर पर जाना जाता है। आधुनिकता से दूर अपनी पुरखों की विचारधारा से जुड़े रहना , आज समय की मांग है। आदिवासियत एक विचारधारा है। ये समाज हमेशा से पूंजीवाद के खिलाफ खड़ा था और आगे भी खड़ा रहेगा।

रामनवमी को लेकर बच्चों में बढ़ा उत्साह

जादूगोड़ा। जादूगोड़ा में रामनवमी की तैयारी जोरों पर चल रही है। जुलूस को लेकर बच्चे ज्यादा उत्साहित हैं। मां दुर्गा आखाड़ा समिति के बैनर तले वे करतब दिखाने, लाठी व तलवार भांजने के अभ्यास में जुटे हैं। छोटी-छोटी बच्चियां भी अभ्यास कर रही हैं। उस्ताद मनोज पात्रो, मुक्तेश मंडल व राजा दास डे उन्हें प्रशिक्षण दे रहे हैं। जादूगोड़ा मोड चौक पर छह अप्रैल को रामनवमी झंडा जुलूस निकाला जाएगा। अभ्यास कर रही नेहा गुप्ता वह शास्त्र चलाना सीखकर अपनी रक्षा स्वयं कर पाएगी। मां दुर्गा अखंड अखाड़ा समिति जादूगोड़ा मोड़ चौक पर पिछले 30 वर्षों से रामनवमी पर भव्य शोभा यात्रा निकालती आ रही है।

ईद उल फितर की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से अदा की गई

बिरनी। बिरनी प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में ईद-उल-फितर का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सुबह ईदगाहों और मस्जिदों में पहुंचकर ईद की नमाज अदा की। इस दौरान बिरनी और भरकट्टा थाना क्षेत्र के मुस्लिम बहुल इलाकों में नमाज अदा की गई। त्योहार को लेकर पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा। पुलिस बल विभिन्न क्षेत्रों में गश्त करते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए था ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। एसडीपीओ धन्यजय राम,सरिया इंस्पेक्टर ज्ञान रंजन, बिरनी थाना प्रभारी आकाश भारद्वाज, प्रखंड विकास पदाधिकारी फनीश्वर रजवार, सीओ संदीप कुमार मद्धेशिया, भरकट्टा ओपी प्रभारी अमन कुमार स्वयं त्योहार की निगरानी करते नजर आए। ईदगाह जाने से पहले लोगों ने नए-नए कपड़े पहने और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार नमाज अदा की। नमाज के बाद इमाम ने खुत्बा दिया और दुआएं मांगी गईं। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाइयां दीं। इस अवसर पर दलाँगी, गुड़ीटांड, मखामार्गो, बिरनी, सालेडीह, केदुआ, कुबरी, चिरूडीह, शाखाबारा, मनकडीहा, बलगो, खाखीपीपर, बलिया, खेदवारा, जमडीहा, द्वारपहारी सहित अन्य क्षेत्रों में भी ईद की नमाज अदा की गई। शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए इस पर्व को लेकर स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन की सतर्कता और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

एक दूसरे से गले मिलकर ईद की दी गई शुभकामनाएं

गांडेय, गिरिडीह। गांडेय प्रखंड के गांडेय , दासडीह , डोकीडीह , घाट कुल , बडकीटांड , जाम जोरी,फुलजोरी, गजकुंडा, बदगुंडा, बकीकला सहित विभिन्न पंचायतों के विभिन्न गांवों में सोमवार को ईद का त्योहार हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाहों और मस्जिदों में अकीदत के साथ ईद उल फितर की नमाज अदा की तथा देश एवं समाज की तरक्की के लिए दुआं मांगी। नमाज के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की शुभकामनाएं दी। एक सदस्य दूसरे के घर जाकर सेवईयां, मिठाई आदि का भी लुफ्त उठाया। ईद को लेकर गांडेय, अहिल्यापुर और ताराटांड़ की पुलिस लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहीं। पुलिस की गश्ती दल लगातार क्षेत्र में भ्रमण करती रही। गांडेय प्रमुख राजकुमार पाठक, डोंकीडीह पंचायत की मुखिया अकबर अंसारी,सुरेश मुर्मू आदि ने क्षेत्र का भ्रमण करते हुए मुस्लिम समुदाय को ईद की शुभकामनाएं दिया।

मंगला शोभा यात्रा में हजारों रामभक्तों का उमड़ेगा जनसैलाब

मंगला शोभा यात्रा में आने वाले हजारों रामभक्तों के स्वागत के लिए तैयार है महासमिति : भोपाली

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति रामगढ़ द्वारा 1 अप्रैल को आयोजित होने वाले भव्य मंगला शोभा यात्रा को लेकर सोमवार को शहर के होटल लॉ मैरिटल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेस वार्ता में महासमिति के मुख्य संरक्षक राजेश ठाकुर, छोटू वर्मा,अध्यक्ष धर्मेंद्र साव भोपाली, संरक्षक सरदार अनमोल सिंह और कोषाध्यक्ष आशीष सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के दौरान राजेश ठाकुर ने बताया कि इस भव्य मंगला शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में श्रीराम भक्त सम्मिलित होंगे। यात्रा की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं और महासमिति के पदाधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, शीतल पेयजल एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि यह यात्रा ऐतिहासिक होगी। महासमिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र साव भोपाली ने बताया कि यह शोभा यात्रा रामगढ़ जिले के विभिन्न प्रखंडों, अखाड़ों एवं मंदिरों से सभी सनातनियों और राम भक्तों का एकत्रित होकर प्रारंभ होगी। यात्रा सिद्धू कान्हू मैदान से प्रारंभ होकर चट्टी बाजार, झंडा चौक, गांधी चौक, सुभाष चौक होते हुए फुटबॉल मैदान में समाप्त होगी। फुटबॉल मैदान में सभी राम भक्तों और सनातनियों के लिए महासमिति द्वारा शीतल पेयजल एवं महाप्रसाद का वितरण भी किया जाएगा। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से महासमिति के मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रमुख प्रवीण कुमार सोनू, संदीप महतो, विशाल राणा, रोहित सोनी, जितेंद्र मंडल, जीतू साव, सनी करमाली, शौर्य प्रसाद मौजूद थे।

जराइकेला में जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराइकेला थाना क्षेत्र के समठा में जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला। घटना रविवार रात की बताई जाती है। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार की रात गांव में जंगली हाथी आ धमका। हाथी ने काडु जोजो के झोपडीनुमा घर पर हमला कर दिया। उस समय काडु जोजो परिजनों के साथ सोया हुआ था। हाथी ने काडु जोजो को अपने सूंड़ में लपेट कर उठाकर पटक पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पत्नी व बच्चों ने किसी तरह भाग कर जान बचाई। घटना की सूचना मिलने के बाद सोमवार को क्षेत्र के वनरक्षी बासुदेव मिंज समठा गांव पहुंचे और मामले की जानकारी ली। साथ ही वन विभाग की ओर से पीड़ित परिवार को तत्काल 25 हजार रुपए की सहायता दी गई।

न्यूज | बॉक्स

अदब और एहतराम के साथ अदा की गई ईद-उल-फितर की नमाज

तिसरी। रमाजन के पाक महीने की समाप्ति पर सोमवार को पुरे अदब और एहतराम के साथ ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। जिसके पश्चात लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर सेवाइयां खिलाई और शांति व अमन चैन की दुआ मांगी। इस दौरान तिसरी प्रखंड के तिसरी, पलमरुआ, गोलगो, बेलवाना, सिंघों आदि जगहों पर भी शान्ति व सौहार्दपूर्ण माहौल में ईद उल फितर मनाया गया। सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद उल फितर की बधाई दी। साथ ही देश और राज्य की तरक्की के लिए दुआ किया। मौके पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष मो मुनीबुद्दीन, मुखिया प्रतिनिधि मो मुस्तकिम, वार्ड सदस्य मोबिन, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि इब्राहिम अंसारी,पंचायत समिति मो कादिर सहित कई लोगों ने देशवासियों को ईद उल फितर की बधाई देते हुए देश की तरक्की की दुआ की। विधि व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस इंस्पेक्टर पास्कल टोप्पो, थाना प्रभारी रंजय कुमार आदि मौजूद थे।

घर में आग लगने से घर हुआ जलकर राख

गावां गिरिडीह। गावां प्रखंड स्थित निमाडीह पंचायत के बिश्नीटीकर गांव में आग लगने से घर व उसके अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया। भुक्तभोगी द्वारिका यादव ने कहा कि बगल के महुआ के पेड़ में रात्रि में किसी के द्वारा आग लगा दिया गया। अहले सुबह जलता हुआ पेड़ घर के ऊपर गिर गया। जिससे घर मे भी आग लग गई। वहीं पेड़ के गिरने से घर का एक हिस्सा धराशाई हो गया। उक्त घटना में घर के अंदर रखा सामान किवाड़, चौखट, खटिया, कपड़ा आदि भी जल कर राख हो गया है। बताया जा रहा है कि उक्त घटना में लगभग तीन लाख से अधिक रुपये का नुकसान हुआ है। होहल्ला पर काफी संख्या में ग्रामीण जुटे व काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। भुक्तभोगी ने अंचलाधिकारी से सहयोग की मांग की है।

पैदल चल रहे व्यक्ति को बाईक ने मारी टक्कर, घायल

तिसरी। गांवा मुख्य पथ पर तीसरी थाना क्षेत्र अंतर्गत भुराई के पास सोमवार की शाम एक बाईक सवार ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दिया। इस दुर्घटना में बाईक सवार ही गंभीर रूप से घायल हों गया जबकि पैदल जा रहे व्यक्ति को भी चोट लगी है। घटना की सूचना मिलती है तीसरी पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस जीप में डालकर दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार एक बाईक पर तीन लोग सवार होकर गांवा की ओर जा रहे थे. तभी उनकी गाड़ी में पेट्रोल खत्म हों गया। उनमें से दो व्यक्ति पेट्रोल लेने पैदल भुराई की ओर आ रहे थे तभी गांवा ही ही ओर से आ रहें बाईक चालक अमित कुमार ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में अमित कुमार ही गंभीर रूप से घायल हों गए हैं। धनबाद के अमित कुमार पिता रवि प्रसाद विधुत विभाग में युबीटेक के साईट इंजीनियर हैं। वहीं दूसरा घायल व्यक्ति कोडरमा जिला के ढाब थाना अंतर्गत बांदाखबार का रहने वाला दामोदर यादव हैं। अस्पताल में डॉक्टर जैनेंद्र और स्वास्थ्य कर्मी अनूप ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया जिसके बाद अमित कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। निजी वाहन से अमित कुमार को धनबाद ले जाया गया है।

साईबर ठगी का नया मामला, सीएसपी संचालक हो जाएं होशियार

महिला ने नैना कंप्यूटर के संचालक को नकद 30 हजार रुपए की लगाई चपत

नवीन मेल संवाददाता

बरही। इन दोनों साइबर ठगी के नए मामले आए दिन देखने को मिल रहे हैं. साइबर ठग हर दिन एक नए ट्रिक्स का उपयोग कर लोगों को लूटने का काम कर रहे है। ऐसा ही एक मामला बरही धोबी टोला में संचालित ग्राहक सेवा केंद्र नैना कंप्यूटर में देखने को मिला। संचालक पवन केसरी ने बताया कि रविवार कीज दोपहर वार्ड नंबर 4, इंद्रानगर, बालापान, बालाघाट मध्यप्रदेश की सुमन देवी पति अशोक यादव नामक एक महिला उनके सीएसपी केंद्र पर आई। अपने भाई अनुज यादव से मेरे 30000 रुपए सीएसपी संचालक के फोन पे पर मंगवाया। जिसे महिला ने संचालक को कमिशन की राशि देकर नकद 30000 रुपए लेकर चली गई। लगभग दो घंटे बाद संचालक के मोबाईल पर अकाउंट होल्ड होने का मैसेज आया। साथ ही उसके भाई का भी खाता, जिसे संचालक ने पैसा ट्रांसफर किया था और जिस एकाउंट से पैसा आया

था सभी होल्ड कर दिया गया और खाता की राशि निकाल ली गई। संचालक ने बताया महिला का फोन नंबर 8936077579 चालू है जबकि उसके तथाकथित भाई का मोबाईल 8560388345 बंद है। पर महिला फोन रिसीव नहीं कर रही है। इस प्रकार उक्त महिला ने सीएसपी संचालक को 30000 रुपए की चपत लगाकर फरार हो गई। मामले के संबंध में संचालक ने स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। सारा मामला सीएसपी केंद्र के सीसीटीवी में कैद है।

सीएससी के डीएम कर चुके है अपील : मामले के संबंध में सीएससी के डीएम रौशन कुमार ने दो दिन पूर्व ही सभी प्रज्ञा केंद्र संचालकों को आगाह करवाते हुए चेतावनी दे चूके हैं। जारी सूचना में उक्त महिला की जानकारी दी गई थी। जो दो दिन पूर्व हजारीबाग में भी एक संचालक से इसी प्रक्रिया के तहत ठगी किया था। उक्त महिला साईबर ठग है, जो साइबर क्राइम का पैसाफोन पे पर मंगवाती है और लेकर चली जाती है। जिस एकाउंट में पैसा आता है उसे अगले ही कुछ घंटो में साइबर क्राइम का पैसा घोषित कर खाता में जमा सभी राशि निकाल लिया जाता है और भुक्तभोगी ठगी का शिकार हो जाता है। डीएम ने सभी संचालकों को उक्त महिला की तत्काल सूचना स्थानीय थाना या उन्हें देने की बात कही थी।

सरहुल खेले चल कार्यक्रम का हुआ समापन

झारखंड की कला व संस्कृति को मिली वैश्विक पहचान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड पर्यटन विभाग द्वारा प्रकृति पर्व सरहुल के उपलक्ष्य में सरहुल खेले चल कार्यक्रम का आयोजन 30 एवं 31 मार्च को भगवान बिरसा मुंडा संग्रहालय, जेल मोड़ में किया गया। यह दो दिवसीय आयोजन झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कला एवं आदिवासी परंपराओं को प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच साबित हुआ।

कार्यक्रम के पहले दिन बड़ी संख्या में पर्यटकों, स्थानीय नागरिकों एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने भाग लिया। इस अवसर पर झारखण्ड पर्यटन विभाग की निदेशक श्रीमती अंजलि यादव, उप निदेशक पर्यटन श्री राजीव कुमार सिंह, संयुक्त सचिव पर्यटन श्री धर्मेंद्र दीक्षित सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दूसरे दिन के कार्यक्रम में सरहुल के महत्व पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म की स्क्रीनिंग की गई, जिसने दर्शकों को झारखंड की आदिवासी संस्कृति से रूबरू कराया। इसके अलावा, नागपुरी नाटक के माध्यम से झारखण्ड की लोक परंपराओं को जीवंत किया गया।

आगंतुकों के लिए आदिवासी व्यंजनों के वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जहां उन्होंने स्थानीय पकवानों की बारीकियां सीखीं। कार्यक्रम का समापन नागपुरी रॉक शो के साथ हुआ, जिसने सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य झारखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करना था। पर्यटन विभाग के प्रवक्ता ने कहा, ‍ह्यसरहुल खेले चलह्ण कार्यक्रम के माध्यम से हमने झारखण्ड की पारंपरिक कलाओं, हस्तशिल्प एवं स्वदेशी उत्पादों को एक व्यापक मंच प्रदान किया है। दोनों दिनों का उत्साह देखकर हमें पूर्ण विश्वास है कि यह आयोजन झारखण्ड के पर्यटन को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा।

सुरक्षा बलों ने नक्सली डंप किया ध्वस्त विस्फोटक सहित अन्य सामान बरामद

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के खिलाफ चलाये जा रहे सर्च अभियान में सोमवार को सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने टोंटो थाना क्षेत्र के दिरीबुरू जंगल में नुकसान पहुंचाने के इरादे से लगाए गए नक्सल डंप को ध्वस्त कर दिया। डंप से विस्फोटक सहित अन्य सामग्री बरामद की गयी है। बरामद समानों में एक मैगजीन 7.62 एलएमजी, 75 वेल्डिंग रड, चार सिरिज, एक बंडल वेल्को, एक कटर, तीन बोतल पोटेशियन परमैग्नाइट, 12 बोतल पोटेशियम क्लोराइड, 11 बोतल एथिलीन डायमाइन शामिल है। यह जानकारी एसपी आशुतोष शेखर ने सोमवार को दी। एसपी ने बताया भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने दस्ते के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों के लिए भ्रमणशील हैं।उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए जिला पुलिस, कोबरा 209 बटालियन , झारखंड जगुवार व सीआरपीएफ 60 , 197, 174, 193 , 134 , 26 बटालियन के साथा संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान वर्ष 2022 से गोईलकेरा थाना क्षेत्र के ग्राम कुईड़ा, छोटा कुईड़ा, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र तथा टोन्टो थाना क्षेत्र के ग्राम हुसिपी, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्रों में चलाया जा रहा है।

हटनिया तालाब में चैती छठ महा पर्व को लेकर समिति का गठन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हटनिया तालाब के प्रांगण में आगामी छठ महापर्व के आयोजन हेतु भारतीय यूथ संगठन महा छठ पूजा समिति के तत्वाधान में बैठक हुई।बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र कुमार उर्फ कैला यादव ने किया।आगामी छठ महापर्व का भव्य आयोजन हेतु श्रद्धालियों के लिए बेहतर व्यवस्था बनाने एवं विधि व्यवस्था पर विशेष रूप से चर्चा हुई।समिति द्वारा हटनिया तालाब के प्रांगण में टेंट, लाइट एवं साउंड सिस्टम की व्यवस्था की जाएगी। सभी श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल एवं शरबत का वितरण किया जाएगा।समिति के द्वारा छठ व्रतियों को दूध गंगाजल ,फल वितरित किया जाएगा। बैठक के बाद अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने जिला प्रशासन से निवेदन किया की सुरक्षा के विशेष प्रबंध किया जाए।

इस अवसर पर आयोजन समिति का भी गठन हुआ

जो इस प्रकार है -

राजेन्द्र गोप (कैला)- अध्यक्ष
प्रतुल नाथ शाहदेव (संरक्षक)
अविनाश कुमार मिश्रा (उपाध्यक्ष)
प्रमोद पाठक (कोषाध्यक्ष)
रतन तुलसियान (उपाध्यक्ष)
कुमुद रंजन दुबे (मीडिया प्रभारी)
अभय कुमार तिवारी (संगठन मंत्री)

शोभायात्रा के दौरान राजधानी का अद्भुत होगा नजारा

रांची। मंगलवार को राजधानी के सभी सरना स्थलों में पाहन सरना मां की पूजा करेंगे जिसके बाद शोभा यात्रा निकली जाएगी। शोभायात्रा का दृश्य अद्भुत होगा। महिलाएं और पुरुष लाल पाड कपड़ों में ढोल मांदर के धून पर झूमर नृत्य करते नजर आएंगे।

उपवास रखकर केकड़ा और मछली की पूजा कर, अच्छी फसल और अच्छी बारिश की करते हैं कामना

हतमा सरना समिति के पाहन ने बताया कि प्रकृति पर्व सरहुल की शुरूआत सोमवार से हो गई है। आज सरहुल की शोभा यात्रा निकलेगी जो सिरमटोली स्थित सरना स्थल तक जाएगी। कल फूलखोसी के साथ पर्व का समापन हो होगा। जगलाल पाहन ने बताया कि इस दिन साल के फूल और महुआ के फल से देवताओं की पूजा होती है। पाहन दो घड़ा में जल रखते हैं। इस दिन केकड़ा और मछली की पूजा की जाती है। आदिवासी समाज के लोग उपवास रखते हैं। सभी प्रकृति देवताओं और पूर्वजों से अच्छी फसल के लिए अच्छी बारिश की कामना करते हैं। आज तरह-तरह के पकवान बनाए जाएंगे। साथ ही तपावन/सोमरस/हड़िया को अर्पित किया जाता है। इस दौरान पाहन आशीवार्दी लेते हैं।

सिंग बोंगा धर्मेश की अराधना करेंगे : प्रेम शाही मुंडा

वहीं, प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि प्रेम और शांति के साथ सरहुल मनाया जाएगा। राजधानी के सिरमटोली सरना स्थल में शोभायात्रा एकत्रित होगा। पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरहुल प्राकृतिक पर्व है जिसमे प्राकृतिक की पूजा की जाती है, अच्छी फसल और बारीश की कामना की जाती है।

विधि विधान से होती है पूजा : शंकर मुंडा

शंकर मुंडा ने कहा सोमवार को रात के 8 बजे हतमा सरना टोली में अखड़ा से सरना स्थल पानी लाया गया। जिसे सरना स्थल में घड़ा में रखा गया। उन्होंने बताया कि आज विधि विधान से पूजा करके 2 बजे के बाद शोभा यात्रा निकाली जाएगी। पूर्वजों के द्वारा शुरू किए गए प्रथा को आगे बढ़ाने के लिए उनके नक्शे कदम पर चलते है। विक्रम मुंडा, नारायण बिनह सहित अन्य पाहनों के द्वारा पूजा के बाद शोभायात्रा निकाली जाती है।

विधि व्यवस्था चाक चौबंद, सीसीटीवी कैमरे लगे

प्रकृति पर्व सरहुल को रांची में पूरे धूमधाम के साथ मनाने के लिए तैयारियां चरम पर हैं। नगर निगम द्वारा सफाई और चलंत शौचालय के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जगह-जगह पर चिकित्सा टीम तैनात की जाएगी। जगह-जगह पर पेयजल की व्यवस्था और मार्ग में सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापित करने का कार्य तेजी पर है।

सुप्रभात | विचार प्रवाह

जानबूझकर आप जो भी करते हैं, उसके प्रति सावधान रहें, क्योंकि यदि आपकी इच्छा-शक्ति अत्यंत बलशाली न हुई, तो अवचेतन मन की आदतों को प्रभावित करने की शक्ति के कारण आपको विवशतापूर्वक वही कार्य बारंबार करना पड़ सकता है। - **श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

वैश्विक शक्ति संतुलन और भारत को अवसर

अंतरराष्ट्रीय जगत के चार ताकतवर देश या समूह- अमेरिका, यूरोप, रूस और चीन अपने-अपने मोर्चों पर अलग संघर्षों में व्यस्त हैं और भारत को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। यह स्थिति भारत को अपनी कूटनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का विश्वास के साथ प्रयोग करने का दुर्लभ अवसर प्रदान करती है। इसके बाद आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध ने भय को पश्चिम में एक एकीकृत शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया, जिसने अंततः कट्टरपंथी इस्लाम द्वारा प्रस्तुत विकल्प के विरुद्ध तर्क में विजय प्राप्त की। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण और गाजा में युद्ध ने संभवतः पश्चिम को उन मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया है, जिन्होंने उसे एक सांस्कृतिक इकाई के रूप में आकार दिया। मतभेदों के कारण अलग-अलग विचारधारा के लोगों का साथ रहना संभव नहीं हो पाया। पीछे मुड़कर देखें, तो इतने लंबे समय तक राष्ट्रीय हित की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बने रिश्ते को खत्म करने के लिए कोई एक बड़ा कारण नहीं था। फिर ट्रंप दोबारा सत्ता में आए। आज पश्चिम एकल सांस्कृतिक दृष्टिकोण नहीं अपना सकता। ट्रंप ने यह कैसे हासिल किया? एक राष्ट्रपति खुद को उन परंपराओं से ज्यादा बुद्धिमान क्यों मानता है, जिन्होंने अमेरिका को आधुनिक राष्ट्रों के इतिहास में सबसे प्रभावशाली और प्रशंसनीय बनाए रखा? यह केवल कुछ लोगों की इस धारणा को सही साबित करता है कि इतिहास को मानव मस्तिष्क के अत्यंत अनियंत्रित प्रभाव द्वारा चरम सीमा तक ले जाया जाता है। ट्रंप ने आर्मागेडन (न्याय से पहले अच्छाई और बुराई के बीच संघर्ष) के मार्ग का नेतृत्व नहीं किया है, लेकिन वह वास्तव में मानते हैं कि यूक्रेन या गाजा में कगार से पीछे हटना तब तक संभव नहीं है, जब तक कि दुनिया, विशेषकर पश्चिम, उनसे मार्गदर्शन न ले। एक अमेरिकी राष्ट्रपति का रूसी तानाशाह के आगे झुकना और यूक्रेन पर शांति समझौते को थोपना, स्वतंत्रता के उस इतिहास के उलट है, जिसमें अमेरिका और यूरोप भागीदार थे। डोनाल्ड ट्रंप की नजर में यूरोप का कोई महत्व नहीं है। यह अब अमेरिका का सहयोगी बनने के योग्य नहीं है। यूरोप का प्रभाव, चाहे बाल्कन युद्धों के दौरान हो या किसी भी संघर्ष के दौरान, जिसमें महाद्वीप की सामूहिक शक्ति दांव पर लगी हो, न्यूनतम था। यह अमेरिका ही था, जिसने बड़ा अंतर पैदा किया। यूरोप की हरकतें कभी भी उसके दिखावे से मेल नहीं खाती थीं। ये वही दिखावे हैं, जिन्हें रक्षा विभाग के लीक हुए ग्रुप चैट में ट्रंप के एक वफादार ने 'दयनीय' बताया है। हमारे सामने ताकतवरों की एक चौकड़ी हैः एक अंतर्मुखी अमेरिका, जो अपनी महानता बहाल करने में व्यस्त है, एक यूरोप, जो अमेरिका द्वारा स्वतंत्रता के पर्याय के रूप में अमेरिकीवाद के कमजोर होने से निराश है, एक रूस, जो अपने ऐतिहासिक दुश्मन को अपने पाले में रखने के लिए पूरी तरह आश्वस्त है, और एक चीन, जो ट्रंप के टैरिफ आतंक का सामना करने के लिए अस्थायी सहयोगियों की तलाश कर रहा है। इंग्लैंड के कीर स्टार्मर और फ्रांस के इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व में यूरोप के प्रयासों ने खुद को पश्चिमी मूल्य प्रणाली के वैकल्पिक केंद्र के रूप में स्थापित किया है, जो आज अमेरिका को परेशान कर रहा है।

> *मतभेदों के कारण अलग-अलग विचारधारा के लोगों का साथ रहना संभव नहीं हो पाया।*

वक्फ बोर्ड भूमि घोटाले में मुख्य पीड़ित बन रहे हैं मुसलमान

आज की बात
हर्ष रंजन
वरिष्ठ पत्रकार

वक्फ संपत्तियों का आकार देश में सेना और रेलवे के बाद तीसरी सबसे बड़ी भूमि वक्फ़ की है। भारतीय वक्फ संपत्ति प्रबंधन प्रणाली (वामसी) पोर्टल के मुताबिक भारत में वक्फ संपत्तियों का कुल क्षेत्रफल 37.39 लाख एकड़ से अधिक है। भारत में 28 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश हैं, जिनमें से 32 वक्फ़ बोर्ड विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में काम करते हैं। कुल 8,72,802 वक्फ संपत्तियों के साथ, भारत में वक्फ संपत्तियों का आकार बहुत बड़ा है। इसके अलावा, 4,02,089 'वक्फ बाय यूजर' हैं, लेकिन उनके लिए कोई उचित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। इतनी बड़ी संपत्ति होने के बावजूद, केवल 1,088 वक्फ डीड पंजीकृत की गई हैं और 26,676 निजी वक्फ (वक्फ अल औलाद) संपत्तियां हैं।

भारत में वक्फ संपत्तियों का प्रशासन कई विधायी परिवर्तनों के माध्यम से विकसित हुआ है, जिसका उद्देश्य प्रशासन में सुधार और कुप्रबंधन को रोकना है। 1894 में प्रिवी काउंसिल के आदेश के बाद से, मुस्लिम वक्फ अधिनियम संशोधन (1913, 1923, 1930), वक्फ अधिनियम 1954 और इसके बाद हुए संशोधनों सहित विभिन्न कानूनों ने वक्फ प्रशासन को आकार दिया है। वक्फ अधिनियम, 1995 ने विनियामक तंत्र को और मजबूत किया, जिसमें 2013 में एक प्रमुख संशोधन ने इसके दायरे का विस्तार किया। इतना शानदार इतिहास होने के बावजूद, भारत में वक्फ बोर्ड अनियमितताओं और कुप्रबंधन के आरोपों में घिरे हुए हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करते हुए वक्फ संपत्तियों को अक्सर अवैध रूप से बेचा जाता है या निजी संस्थाओं को औने-पौने दामों पर पट्टे पर दे दिया जाता है। बड़े पैमाने पर हुए इस भ्रष्टाचार ने मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ती अशांति को जन्म दिया है क्योंकि अतिक्रमण, अवैध भूमि लेनदेन और कानूनी विवादों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हालांकि, भले ही इस समस्या को व्यापक रूप से पहचाना जाता है, लेकिन अधिकांश समुदाय के सदस्य सामाजिक प्रतिक्रिया और साथियों के दबाव के डर से बोलने से बचते हैं।

वक्फ संपत्तियों के एक बड़े हिस्से पर अतिक्रमण है, जिस कारण कई कानूनी लड़ाइयां हो रही हैं। वामसी पोर्टल के अनुसार, वर्तमान में वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण के 58,890 मामले हैं। वक्फ संपत्तियों से संबंधित कुल मुकदमेबाजी के मामलों की संख्या 31,999 है, जिनमें से 16,140 मामले विशेष रूप से अतिक्रमण से संबंधित हैं। इनमें से 3,165 मामले मुस्लिम याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर किए गए हैं। मुस्लिम समुदाय के कई लोगों का मानना है कि वक्फ बोर्डों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के चलते भ्रष्ट अधिकारियों और निहित स्वार्थी लोगों के लिए इन संपत्तियों का दोहन करना संभव हुआ है, जिससे समुदाय को उसके सही संसाधनों से वंचित किया जा रहा है।

इस मुद्दे ने समुदाय के भीतर आंतरिक कलह को जन्म दिया है क्योंकि लोगों को तेजी से एहसास हो रहा है कि वक्फ संपत्तियों का कुप्रबंधन मुख्य रूप से मुसलमानों को नुकसान पहुंचाता है। हालांकि, सामाजिक दबावों के कारण खुलकर आलोचना करना दुर्लभ है। कई सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रमुख मुस्लिम हस्तियों, शिक्षाविदों और विचारकों ने वक्फ कानून सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर बढ़ती लेकिन अव्यक्त आम सहमति को उजागर किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कई समुदाय के प्रभावी लोग धार्मिक और राजनीतिक समूहों से प्रतिक्रियाओं के डर से इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बोलने में हिचकते हैं। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को पूरे भारत में वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण के बारे में कई शिकायतें और अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। इन अतिक्रमणों का पैमाना खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जिसमें अक्सर वक्फ बोर्ड की प्रत्यक्ष संलिप्तता होती है।

भोपाल में सरकारी जमीन पर अवैध रूप से एक वक्फ कॉम्प्लेक्स बनाया गया था और 125 पंजीकृत कब्रिस्तानों में से 101 रहस्यमय तरीके से गायब हो गए हैं। हैदराबाद में अकेले 2021 में अतिक्रमणकारियों को 765 नोटिस जारी किए गए, जबकि भारत के सबसे अमीर लोगों में से एक तेलंगाना के वक्फ बोर्ड के पास 5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, फिर भी इसकी 75% जमीन पर अतिक्रमण है।

मुंबई में, महाराष्ट्र की 60% से अधिक वक्फ भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, परेल में मूल रूप से 72 एकड़ में फैली लाल शाह बाबा दरगाह, अब वक्फ भूमि पर बने आवासीय टावरों से घिरी हुई है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया है कि लखनऊ मेंवक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई 78% भूमि वास्तव में सरकारी स्वामित्व वाली है और 1989 के सरकारी आदेश को रद्द कर दिया गया है, जिसने अवैध रूप से गैर-खेती योग्य भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत किया था। पटना में, बिहार सुन्नी वक्फ बोर्ड ने हिंदू बहुल गांव गोविंदपुर, फतुहा में भूमि के स्वामित्व का दावा करते हुए एक नोटिस जारी किया, जिससे सात हिंदू परिवार प्रभावित हुए।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 सुधार प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके माध्यम से मुसलमानों के साथ अन्याय करने का दावा भ्रामक है, क्योंकि इसका एकमात्र उद्देश्य समुदाय के लाभ के लिए बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना है। मुस्लिम बुद्धिजीवियों और कानूनी विशेषज्ञों का तर्क है कि सामुदायिक संपत्तियों के आगे दुरुपयोग को रोकने के लिए वक्फ बोर्डों को पूरी तरह से बदलना चाहिए। कुछ लोगों का सुझाव है कि वक्फ संपत्तियों को सख्त सरकारी निगरानी के तहत लाया जाना चाहिए, जिसमें निर्णय लेने में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने वाले तंत्र हों। वक्फ मामलों में विशेषज्ञता रखने वाले कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए वक्फ अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता है, क्योंकि सामुदायिक कल्याण के लिए बनाई गई संपत्तियां भ्रष्टाचार और व्यक्तिगत लाभ का साधन नहीं बननी चाहिए। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को वक्फ संपत्तियों से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के रूप में सराहा जा रहा है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ बोर्डों के भीतर प्रशासनिक अक्षमताओं को दूर करना है। सबसे बड़ी समस्याओं में से एक रिकॉर्ड को डिजिटल बनाना और उन्हें वामसी पोर्टल पर अपलोड करने में विफलता रही है।

संशोधन में यह अनिवार्य किया गया है कि सभी वक्फ संपत्तियों को छह महीने के भीतर ऑनलाइन पंजीकृत किया जाए, ताकि अधिक पारदर्शिता और पहुंच में आसानी सुनिश्चित हो सके। सरकार ने पिछले आठ वर्षों में मुस्लिम समुदाय के साथ व्यापक परामर्श किया है, जिसमें वक्फ से संबंधित मुद्दों और संभावित सुधारों पर देशव्यापी चर्चाएं शामिल हैं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पर एक संयुक्त समिति का गठन किया गया, जिसने जनता की प्रतिक्रिया लेने के लिए पूरे भारत में 36 बैठकें कीं। इसके अलावा, समिति को संबंधित नागरिकों से लाखों सुझाव मिले, जिससे संशोधन की आवश्यकता और भी बढ़ गई। विशेष समूहों के दावों के विपरीत कि सरकार विधेयक थोप रही है, वास्तविकता यह है कि प्रस्तावित संशोधन व्यापक परामर्श का परिणाम हैं। विधेयक का प्राथमिक प्रतिरोध मुस्लिम समुदाय के भीतर प्रभावशाली व्यक्तियों से आता है, जो इसे वित्तीय खतरे के रूप में देखते हैं क्योंकि इससे वक्फ संपत्तियों की अवैध बिक्री और अतिक्रमण पर रोक लग जाएगी। हालांकि, आम मुस्लिम आबादी, खासकर मुस्लिम महिलाओं ने यह मानते हुए सरकार की पहल का स्वागत किया है कि ये सुधार सामुदायिक संपत्तियों का और अधिक शोषण होने से बचाएंगे। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

सरकारी दफ्तर की महाभारत

सरकारी दफ्तर! अरे, वो जगह जहाँ घड़ी की सुइयाँ भी ऊँघती हैं और फाइलें इतनी स्थायी होती हैं कि लोग बदल जाते हैं, लेकिन वे अपनी जगह से टस से मस नहीं होतीं। वहाँ एक मेज होती है, जिस पर सरकारी बाबू ऐसे विराजमान होता है, जैसे द्वारका में श्रीकृष्ण। सामने अर्जुन जैसी जनता, जो अपने काम की अर्ज़ी लेकर हाथ जोड़कर खड़ी रहती है, और बाबूजी, भगवान विष्णु की मुद्रा में, अपने कर-कमलों से हस्ताक्षर का वरदान देने में संकोच करते हैं। "आज नहीं, कल आना," यह उनका प्रिय श्लोक है, जो हजारों वर्षों से सरकारी ग्रंथों में अनवरत प्रवाहित हो रहा है। दफ्तर का माहौल एकदम राम-रावण युद्ध जैसा था। फरियादी आते, बाबूजी उन्हें चकमा देकर, अदृश्य हो जाते। कहीं चाय का दौर, कहीं गप्पों की फुहार। एक बुजुर्ग किसान, जिसका पेंशन फाइल पिछले तीन वर्षों से 'दुर्लभ ग्रंथ' बनी पड़ी थी, हाथ जोड़कर खड़ा था। "बाबूजी, बस एक दस्तखत कर दीजिए, बहुत परेशानी है!" बाबूजी ने चश्मा ठीक किया, और गीता के अर्जुन वाले अंदाज में बोले, "देखो दद्दा, हम कुछ कर सकते हैं, लेकिन फाइल अभी नीचे वाले सेक्शन में अटकी है। ऊपर से परम आदेश नहीं आया है। परम आदेश मतलब...?" किसान चकराया। "मतलब बिना चाय-पानी के इंजन स्टार्ट नहीं होगा, समझे कि नहीं?" बाबूजी ने रहस्य खोल दिया। बगल में बैठे एक अन्य बाबू ने कानाफूसी की, "अरे भाई, काम करवाना है तो थोड़ा प्रसाद चढ़ाओ, बिना तेल दिए मशीन नहीं चलती!" किसान के चेहरे पर आशा और निराशा के बादल उमड़-घुमड़ कर बरस पड़े। "बेटा, मेरी फाइल ऐसे दौड़ाओ, जैसे मुंबई की लोकल ट्रेन!" लेकिन बाबू ने हाथ झटक दिया, "बाबा, सरकारी दफ्तर है, यहाँ चीज़ें घोंघे की चाल से चलती हैं, चीते की नहीं!" किसान ने जेब से पान निकाला, और धीरे से बोला, "बेटा, एक छोटे बाबू को पान खिलाया था, तो फाइल दो दिन में निपट गई थी।" बाबूजी मुस्कुराए, "तो फिर पान नहीं, गिलौरी खिलाओ, तब शायद भाग्य खुल जाए!" इधर बाबूजी का व्यस्त कार्यक्रम जारी था। चायवाले से चाय ली, पहले दो फाइलों पर रखी, फिर अर्धचंद्राकार मुस्कान के साथ घूंट भरा। "सरकार की तरह हमारी चाय भी ठंडी हो चुकी है, लेकिन स्वाद वही है!" इतने में एक युवक आया, "सर, मेरी जन्म प्रमाण पत्र की फाइल तीन महीने से रुकी है!" बाबूजी ने गहरी सांस ली, "बेटा, जन्म लेना आसान है, लेकिन सरकारी कागजों में जन्म लेना बहुत कठिन!" युवक बोला, "सर, मैंने ऑनलाइन आवेदन किया था!" बाबू जी ठहाका मारकर बोले, "बेटा, ऑनलाइन सिस्टम तो सरकारी गोदाम में रखा वो ट्रैक्टर है, जो बिना घूस के स्टार्ट नहीं होता!" **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आपकी बात
डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

एक अप्रैल 2010 : जब शिक्षा अधिकार बनी, विशेषाधिकार नहीं

शिक्षा की क्रांति : आरटीई के 15 साल

देश की बात
प्रो. आरके जैन

जब 1 अप्रैल, 2010 को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम (आरटीई अधिनियम) लागू हुआ, तो यह केवल एक कानून का जन्म नहीं था—यह भारत के हर बच्चे के लिए एक सुनहरे भविष्य का वादा था। यह एक ऐसी क्रांति की शुरुआत थी, जिसने शिक्षा को विशेषाधिकार की बेड़ियों से मुक्त कर इसे हर बच्चे का अधिकार बना दिया। पिछले 15 वर्षों में इस अधिनियम ने भारतीय शिक्षा के कैनवास पर ऐसी अमिट रेखाएँ खींचीं, जो सपनों को हकीकत में बदलने की उम्मीद जगाती हैं।

सरकार ने गरीबी की अंधेरी गलियों में भटकते लाखों बच्चों को स्कूल का रास्ता दिखाया, अनगिनत योजनाओं के जरिए उनके कदमों को कक्षा तक पहुँचाया। सरकारी और निजी स्कूलों में 25% आरक्षण की नीति ने सामाजिक असमानता को तोड़ने का साहसिक कदम उठाया। इसका परिणाम साफ दिखा—प्राथमिक शिक्षा में नामांकन की बाढ़ आई, स्कूल छोड़ने की दर में कमी आई। यह बदलाव केवल आँकड़ों का खेल नहीं था, बल्कि उन मासूम आँखों में चमक थी, जो पहले स्कूल की चौखट को दूर से निहारती थीं। हालाँकि, यह राह सपनों जितनी रंगीन नहीं थी। ग्रामीण भारत में कई स्कूल आज भी उम्मीदों से कोसों दूर हैं—टपकती छतें, बिना बेंच की कक्षाएँ, और शिक्षकों की अनुपस्थिति ने इस क्रांति की रफ्तार को बार-बार रोका। शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल उठे, जिसके जवाब में सरकार को अपनी नीतियों को बार-बार तराशना पड़ा। शिक्षकों की भर्ती के लिए बड़े अभियान छेड़े गए, उनके प्रशिक्षण को नया आयाम दिया गया, ताकि कक्षा में पढ़ाई शब्दों का शोर न रहकर बच्चों के सपनों को उड़ान देने वाला प्रकाश बने। मगर संसाधनों की कमी और जमीनी हकीकत से दूरी ने इन कोशिशों पर बार-बार पानी फेरा। बिजली का अभाव, पानी की किल्लत, और किताबों-कॉपियों की कमी ने इस क्रांति को अधूरी कविता-सा बना दिया। सरकार की मंशा और बच्चों की उम्मीदों के बीच एक गहरी खाई बनती गई।

फिर भी, माँ-बाप ने हार नहीं मानी। अपने बच्चों को स्कूल भेजा—पैरों में चप्पल न सही, मगर सपनों में उड़ान की चाह जरूर थी। लेकिन उनके मन में एक सवाल बार-बार कुलबुलाता रहा-क्या यह शिक्षा, जो टूटे स्कूलों और अधूरी व्यवस्थाओं के बीच पल रही है, उनके बच्चों की जिंदगी को सचमुच बदल पाएगी? क्या ये जर्जर दीवारें और खामोश कक्षाएँ उनके नौनिहालों के भविष्य को संवार सकेंगी? यह सवाल उनकी पुकार ही नहीं, बल्कि उस क्रांति की सच्चाई का आईना था, जो हर बच्चे को रोशनी देने का सपना लिए चल रही थी, पर हर कदम पर बाधाओं से जूझ रही थी। यह एक ऐसी कहानी थी, जिसमें कोशिशें थीं, जज्बा था, मगर मंजिल तक पहुँचने के लिए अभी लंबा रास्ता बाकी था।

शहरों में चुनौतियाँ अलग रंग लिए थीं-ग्रामीण कठिनाइयों से भिन्न, मगर उतनी ही जटिल। 25% आरक्षण की नीति निजी स्कूलों के लिए एक अनसुलझी पहेली बन गई। कुछ स्कूलों ने इसे नकार दिया, मानो यह उनके चमचमाते गलियारों के लिए अनचाहा बोझ हो। कुछ ने प्रवेश के दरवाजे इतने संकरे कर दिए कि गरीब परिवारों की उम्मीदें बाहर ही दम तोड़ दें-कागजी जंजाल, जटिल नियम, और ऐसी शर्तें जो अभाव के आदी हाथों की पहुँच से परे थीं। सरकार ने इस रवैये को तोड़ने के लिए सख्ती बरती, निगरानी का जाल बिछाया, और कई राज्यों में यह नीति जमीन पर उतर आई। मगर यहाँ भी, संसाधनों की कमी ने कई बार सपनों को पंख लगने से पहले ही कतर दिया। डिजिटल युग की दस्तक ने इस अधिनियम को नया आलोक दिया। 1 अप्रैल, 2010 से शुरू हुआ यह सफर तकनीक की चमक से और निखर उठा। ऑनलाइन कक्षाओं ने दूरियों को पाटा, स्मार्ट बोर्ड ने कक्षाओं को जीवंत बनाया, और डिजिटल संसाधनों ने शिक्षा को नई सदी की सौगात से सजाया। यह बदलाव महज तकनीकी उछाल नहीं था-यह किताबों को स्क्रीन पर उतारने की जादुई कोशिश थी, जिसने हर बच्चे के मन में भविष्य की दौड़ में शामिल होने का हौसला भरा। जहाँ पहले स्लेट और चॉक की खड़खड़ाहट थी, वहाँ अब स्क्रीन की चमक और उंगलियों की थिरकन ने शिक्षा को नया रंग दिया—ऐसा रंग, जो हर बच्चे को आने वाले कल की संभावनाओं से जोड़ता था।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

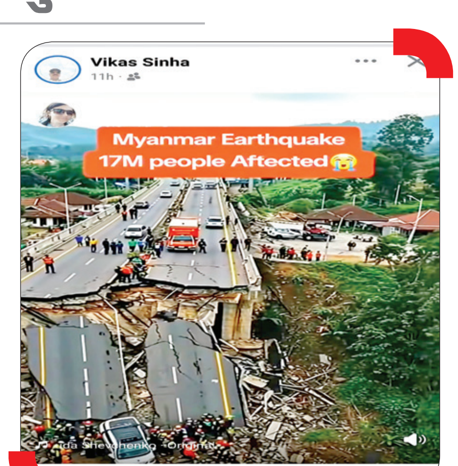

एक्स से

आज का दोहा

कैसे कैसे हो गए, इसी धरा पर काम।
चतुर दशानन तर गया, भक्त हुआ बदनाम।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

आत्मा की ट्यूनिंग से बनता अमिट रिश्ता

अलग बात
डॉ मयंक मुरारी

आत्मीय रिश्तों में घड़ियों और कैलेंडर की बात नहीं होती है। आत्मीय रिश्तों में कुछ आत्माएं एक-दूसरे को बस नजर में पहचान लेती हैं, जबकि अन्य जबरन वर्षों की निकटता के बाद भी अजनबी रहते हैं। ऐसे लोग हैं जो एक साथ जीवन खर्च कर देते हैं, फिर भी एक -दूसरे के होने की गहराई को कभी छू नहीं पाते हैं, जबकि अन्य संक्षिप्त मिलते हैं और एक छाप छोड़ देते हैं, जो हमेशा के लिए अमिट बना रहता है। यह घड़ी की टिकिंग नहीं है, बल्कि आत्मा की ट्यूनिंग है। दुनिया अक्सर रिश्तों के महान वास्तुकार के रूप में समय की बात करती है, लेकिन बिना समझ, समय एक खाली कमरा है। जब दो आत्माएं संरेखित होती हैं, तो उन्हें विश्वास बनाने के लिए वर्षों की आवश्यकता नहीं होती है। यह स्वाभाविक रूप से बहता है, जैसे कि कुछ प्राचीन याद है, इस जीवन से परे कुछ। इसी तरह, कोई भी प्रयास घनिष्ठ नहीं बन सकता है जहां कोई प्रतिध्वनि नहीं हो। कुछ वार्तालाप, चाहे वे कितने भी समय तक चले, खोखले रहते हैं। कुछ इंटरैक्शन, चाहे बार -बार, किसी अजनबी के साथ पथों को पार करने जैसा महसूस हो। लेकिन फिर, वे दुर्लभ क्षण होते हैं जब एक एकल एक्सचेंज सब कुछ बदल डालता है या जब एक क्षणभंगुर मुलाकात दशक से अधिक वजन वहन करता है। जेन ऑस्टेन एक अंग्रेजी उपन्यासकार थीं, जिसने कई बेहतरीन उपन्यास लिखी थीं। वह अपनी प्रसिद्ध उपन्यास "सेंस एंड सेंसिबिलिटी" के लिए याद की जाती है। इसमें वह हमें याद दिलाती है कि वास्तविक कनेक्शन को समय की मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। बेहतरीन सबंधं समझ की एक अल्केमी है, एक अनिर्दिष्ट मान्यता, दयालु आत्माओं की एक बैठक है जो मापन के दायरे से परे है। कुछ लोग एक पल में परिचित हो जाते हैं, जबकि अन्य एक साथ बिताए गए जीवन भर के बावजूद दूर रहते हैं। अंतरंगता प्रतीक्षा से नहीं बनाई जाती है। यह उस क्षण में पैदा होता है जब दो आत्माएं एक दूसरे को स्पष्ट रूप से देखते हैं। वैसे भी सच्चा संबंधों में अनुमति या अस्वीकृति देने के लिए समय का इंतजार नहीं किया जाता है। यह मन की बैठक में तय होता है, दो दिलों के बीच मूक समझ और आसानी से किसी को दूसरे की उपस्थिति में देखा और सुना जाता है। संबंध का आत्मीयता को समय की अंतरंगता के कपड़े को बुनकर अनुभूत करना कठिन है। यह आत्मा का खुलापन है, कमजोर होने की इच्छा, और वास्तव में सुनने की क्षमता है जो यह निर्धारित करता है कि क्या एक बंधन गतिशील होगा या ठहर जायेगा। महान साहित्यकार अर्नेस्ट हेमिंग्वे ने एक बार कहा था कि हमें सबसे बुरे क्षणों में सलाह की जरूरत नहीं होती है। वास्तव में समाज को सदैव ही मानवीय संबंध की शक्ति की आवश्यकता है। यह एक शांत उपस्थिति, एक कोमल स्पर्श, या सबसे छोटा इशारा होता है, जो हमें याद दिलाता है कि हम अकेले नहीं हैं। प्रेम और एकजुटता के ये कार्य ऐसे आधार बन जाते हैं जो हमें तब स्थिर रखते हैं जब जीवन कठिन लगता है। जब कभी दर्द एक गहरा व्यक्तिगत बोझ प्रतीत होता है तब भी कठिनाइयों का सामना हमें ही करना पड़ता है। परंतु उस समय किसी अपने की मौन उपस्थिति होती है तो वह बताती है कि मुझे उनका सामना अकेले में नहीं करना है। यह एक शांत अनुस्मारक है। चाहे हम कितना भी खोया हुआ महसूस करें। यह बताता है कि हमं अभी भी प्यार और संबंध के योग्य है। कभी-कभी, शब्द आवश्यक नहीं होता है। दूसरे का मौन समर्थन किसी भी अन्य चीज से ज्यादा जोर से बोलता है। प्यार, अपने शुद्धतम रूप में, हमें खुद को फिर से खोजने में मदद करने की शक्ति रखता है, तब भी जब हम भूल जाते हैं कि हम कौन हैं।

पारस्परिक आवश्यकता पर आधारित संबंध केवल संघर्ष लाता है। लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए संबंध नहीं होते। आप मेरा उपयोग कर सकते हैं और मैं आपका उपयोग कर सकता हूं। इस उपयोग में हम संपर्क खो देते हैं। पारस्परिक उपयोग पर आधारित समाज हिंसा की नींव है। जब हम दूसरे का उपयोग करते हैं, तो हमारे पास केवल प्राप्त होने वाले लक्ष्य की तस्वीर होती है। लक्ष्य और लाभ सदैव ही संबंध और मेल-मिलाप को रोकता है। दूसरे का उपयोग, चाहे वह कितना भी संतुष्टिदायक और आरामदायक क्यों न हो, हमेशा डर बना रहता है। ऐसा संबंध कभी खुशी नहीं ला सकता। एक समाज जिसका ढांचा महज जरूरत पर आधारित है, चाहे वह शारीरिक हो या मनोवैज्ञानिक, उसमें संघर्ष, भ्रम और दुख पैदा होना ही उसकी नियति होती है। जब हम दूसरे का इस्तेमाल आपनी सुविधा और आराम के लिए फर्नीचर के एक टुकड़े के रूप में करते है, तो आप दूसरे के साथ संवाद कैसे कर सकते हैं? इसलिए, दैनिक जीवन में रिश्ते के महत्व को समझना आवश्यक है। कहा गया है कि केवल एक ही चीज है जिसे आपको जीवन में बर्बाद नहीं करना चाहिए और यह जीवन है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंवं मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

मोनालिसा को फिल्म ऑफर करने वाले निर्देशक रेप के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली (आईएएनएस)। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले में वायरल गर्ल मोनालिसा को फिल्म में काम करने का ऑफर देने वाले निर्देशक सनोज मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर बलात्कार के साथ मारपीट, गर्भपात कराने, धमकी देने का आरोप है। आरोप है कि सनोज मिश्रा ने एक छोटे कस्बे से आने वाली, लड़की के साथ न केवल बलात्कार किया बल्कि तीन बार उसका गर्भपात भी कराया। सेंट्रल दिल्ली पुलिस के नबी करीम थाने की टीम ने निर्देशक सनोज मिश्रा को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। 6 मार्च 2024 को 28 वर्षीय महिला की शिकायत के आधार पर बलात्कार, मारपीट, गर्भपात कराने, धमकी देने की धाराओं के तहत थाना नबी करीम में एफआईआर दर्ज की गई थी।

'बुलडोजर पंचर हो गया', बीड मस्जिद विस्फोट मामले में भड़के अबू आजमी

मुंबई (आईएएनएस)। समाजवादी पार्टी से विधायक अबू आजमी ने बीड ब्लास्ट को लेकर प्रदेश सरकार पर हमला बोला। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में आजमी ने इसे साजिश करार देते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। तंज कसा कि प्रदेश सरकार का 'बुलडोजर' अब शायद 'पंचर' हो गया है। आजमी ने कहा, "लगता है इनका बुलडोजर पंचर हो गया है। क्या यह सरकार धर्म के आधार पर बुलडोजर की कार्रवाई करती है? दरअसल, महाराष्ट्र के बीड जिले में गेवराई तहसील के अर्धा मसला गांव में मस्जिद में हुए ब्लास्ट के बाद बीड पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनसे पूछताछ की जा रही है। सोमवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान सपा विधायक अबू आजमी ने कहा कि यह सिर्फ ब्लास्ट नहीं है।

छग के दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा पर हुई मुठभेड़ में 25 लाख की इनामी महिला नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा पर सोमवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 25 लाख की इनामी महिला नक्सली को ढेर कर दिया। उसके पास से इंसास राइफल, गोला-बारूद और अन्य दैनिक उपयोग का सामान बरामद किया गया है। मृत महिला नक्सली की शिनाख्त रेणुका उर्फ बानु उर्फ चैते उर्फ सरस्वती के रूप में हुई है, जो जिला वारंगल कडवेन्डी की निवासी थी। वह नक्सलियों के डीकेएसजेड की प्रेस टीम प्रभारी एवं एसजेडसीएम कैडर की महिला नक्सली थी। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है। दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि दंतेवाड़ा और बीजापुर के सरहदी के लिए आज सुबह नक्सल विरोधी अभियान पर सुरक्षाबलों की टीम रवाना हुई।

सोनिया गांधी ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर मोदी सरकार पर बोला हमला, कहा

एनईपी: सांप्रदायिकता और बलपूर्वक एजेंडा का पर्दाफाश

नई दिल्ली (आईएएनएस)

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और सांसद सोनिया गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि वह देश के शैक्षिक ढांचे को कमजोर कर रही है। उनके मुताबिक सरकार "नुकसानदेह नतीजों की ओर ले जाने वाले एजेंडे" पर चल रही है।कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा साझा किए गए एक अखबार के लेख में उन्होंने कहा है कि आज भारतीय शिक्षा को '3सी' का सामना करना पड़ रहा है - केंद्रीकरण, कमर्शियलाइजेशन और कम्युनिलिज्म।

सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार समग्र शिक्षा अभियान के तहत मिलने वाले अनुदान को रोककर राज्य सरकारों को मॉडल स्कूलों की पीएम-श्री योजना को लागू करने के लिए मजबूर कर रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की आलोचना करते हुए, वह लेख में कहती हैं, "हाई-प्रोफाइल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत ने एक ऐसी सरकार की वास्तविकता को छिपा दिया है जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के प्रति बेहद उदासीन है।

भारतीय शिक्षा को करना पड़ रहा है केंद्रीकरण कॉमर्शियलाइजेशन और कम्युनिलिज्म का सामना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की आलोचना करते हुए, उन्होंने लेख में कहा, "हाई-प्रोफाइल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत ने एक ऐसी सरकार की वास्तविकता को छिपा दिया है, जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के प्रति बेहद उदासीन है। पिछले एक दशक में केंद्र सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड ने स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया है कि शिक्षा में, यह केवल तीन मुख्य एजेंडा के सफल कार्यान्वयन से चिंतित है- केंद्र सरकार के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, निजी क्षेत्र में शिक्षा में निवेश का व्यावसायीकरण और आउटसोर्सिंग, पाठ्यपुस्तकों, पाठ्यक्रम और संस्थानों का सांप्रदायिकरण। उनका कहना है कि केंद्रीकरण के सबसे हानिकारक परिणाम शिक्षा के क्षेत्र में हुए हैं। केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के शिक्षा मंत्री शामिल हैं, सितंबर 2019 से नहीं बुलाई गई है। उन्होंने सरकार पर राज्यों से परामर्श न करने और उनके विचारों पर विचार न करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, "एनईपी 2020 के माध्यम से शिक्षा में प्रतिमान बदलाव को अपनाने और लागू करने के दौरान भी, केंद्र सरकार ने इन नीतियों के कार्यान्वयन पर एक बार भी राज्य सरकारों से परामर्श करना उचित नहीं समझा। यह सरकार की जिद का प्रमाण है कि वह अपने अलावा किसी और की आवाज नहीं सुनती, यहां तक कि ऐसे विषय पर भी जो भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में है। उन्होंने कहा कि संवाद की कमी के साथ-साथ "धमकाने की प्रवृत्ति" भी बढ़ी है और उन्होंने इसके लिए पीएम-श्री (या पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना का उदाहरण दिया। सोनिया गांधी ने केंद्र पर शिक्षा प्रणाली के व्यावसायीकरण का भी आरोप लगाया है, उन्होंने कहा कि यह "पूरी तरह से एनईपी के अनुपालन में खुलेआम हो रहा है। उन्होंने कहा, "2014 से, हमने देश भर में 89,441 सरकारी स्कूलों को बंद और समेकित होते देखा है और 42,944 अतिरिक्त निजी स्कूलों की स्थापना की गई है। देश के गरीबों को सरकारी शिक्षा से बाहर कर दिया गया है और उन्हें बेहद महंगी तथा कम विनियमित निजी स्कूल व्यवस्था के हाथों में धकेल दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि उच्च शिक्षा में केंद्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ब्लॉक अनुदान की पूर्ववर्ती प्रणाली के स्थान पर उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (हेफा) की शुरुआत की है।

शिक्षा नीति में सांप्रदायिकता और सरकारी उपेक्षा: कांग्रेस नेताओं के गंभीर आरोप

दूसरे शब्दों में, सार्वजनिक शिक्षा के वित्तपोषण से सरकार के पीछे हटने की कीमत छात्रों को फीस वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने केंद्र पर शिक्षा में सांप्रदायिक एजेंडे का पालन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा, "केंद्र सरकार का तीसरा जोर सांप्रदायिकता पर है, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की लंबे समय से चली आ रही वैचारिक परियोजना की पूर्ति है, शिक्षा प्रणाली के माध्यम से नफरत पैदा करना और उसे बढ़ावा देना। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पाठ्यपुस्तकों को भारतीय इतिहास को साफ-सुथरा बनाने के लिए संशोधित किया गया है। उन्होंने लेख में कहा, "महात्मा गांधी की हत्या और मुगल भारत पर अनुभागों को पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है।

शासन-अनुकूल नियुक्तियां और शिक्षा प्रणाली का पतन: सोनिया गांधी के तीखे आरोप

विश्वविद्यालयों में की जा रही नियुक्तियों को भी उठाया है। उन्होंने लिखा, "हमारे विश्वविद्यालयों में, हमने शासन-अनुकूल विचारधारा वाले पृष्ठभूमि के प्रोफेसरों की बड़े पैमाने पर भर्ती देखी है, भले ही उनके शिक्षण और छात्रवृत्ति की गुणवत्ता हास्यास्पद रूप से खराब हो। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और भारतीय प्रबंधन संस्थानों में प्रमुख संस्थानों में नेतृत्व के पद, जिन्हें पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आधुनिक भारत के मंदिर के रूप में वर्णित किया था, को विनम्र विचारधारा वालों के लिए आरक्षित कर दिया गया है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सरकार पर आरोप लगाया है कि पिछले एक दशक में शिक्षा प्रणालियों को व्यवस्थित रूप से "सार्वजनिक सेवा की भावना से मुक्त कर दिया गया है।

क्या कोई सैनिक देश की रक्षा करते विकलांग हो जाए तो उसको विकलांगता पेंशन नहीं दी जानी चाहिए?

वर्तमान केस में सरकार सैनिक को विकलांगता पेंशन नहीं देना चाह रही थी

ब्यूरो

- **जज ने कहा- देश कम से कम इतना तो कर ही सकता है कि सैनिक द्वारा की गई सेवा के बदले में, शेष बचे वर्षों में उसे सांत्वना और आराम प्रदान करे**
- **कानून में वित्तीय लाभ- जैसे विकलांगता पेंशन, उन सैनिकों को प्रदान किया गया है जो मिलिट्री सर्विस की वजह से या उसके कारण बीमारी या विकलांगता का सामना करते हैं**

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने इंडियन आर्मी के दो जवानों को विकलांगता पेंशन के भुगतान के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए इस बात को रेखांकित किया है कि सैनिक कठोर व दुर्गम परिस्थितियों में देश की रक्षा करते हैं। देश की सेवा करने की इच्छा के साथ बीमारी व विकलांगता की संभावना भी जुड़ी होती है। बीते 27 मार्च को दिए एक फैसले में, जस्टिस सी हरिशंकर की पीठ ने देशभक्ति पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि जब "हम चिमनी के पास बैठकर अपनी गर्म कैपुचिनो की चुस्कियां ले रहे होते हैं", तब सैनिक "सीमा पर बर्फीली हवाओं का सामना करते हुए, एक पल में अपनी जान देने के लिए तैयार रहते हैं", "इसलिए देश की सेवा करने की इच्छा और दृढ़ संकल्प के साथ बीमारी व विकलांगता की संभावना एक पैकेज डील के रूप में आती है। सबसे बहादुर सैनिक, जिन परिस्थितियों में वह देश की सेवा करता है, उनमें शारीरिक बीमारियों का शिकार होने की संभावना होती है, जो कभी-कभी प्रकृति में अक्षम करने वाली हो सकती हैं, जिससे वह मिलिट्री सर्विस जारी रखने में असमर्थ हो जाता है।" बेंच में शामिल जस्टिस अजय दिगपाल ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में, देश कम से कम इतना तो कर ही सकता है कि सैनिक द्वारा की गई निस्वार्थ सेवा के बदले में, शेष बचे वर्षों में उसे सांत्वना और आराम प्रदान करे। बेंच की तरफ से कहा गया, "राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के अपने उद्घाटन भाषण के दौरान कहे गए प्रेरक शब्द आज भी देशभक्ति और अपने देश के प्रति प्रेम के सभी अर्थों का शानदार सारांश प्रस्तुत करते हैं: 'यह मत पूछो कि तुम्हारा देश तुम्हारे लिए क्या कर सकता है; यह पूछो कि तुम अपने देश के लिए क्या कर सकते हो।'

"कुछ लोग हैं जो इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाते हैं और अपने देश के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने को तैयार रहते हैं – जब हम चिमनी के पास बैठकर अपनी गर्म कैपुचिनो की चुस्की ले रहे होते हैं, तो वे सीमा पर बर्फीली हवाओं का सामना करते हुए, एक पल की सूचना पर अपने जीवन का बलिदान देने को तैयार रहते हैं। क्या राष्ट्र और हम इसके नागरिक, मातृभूमि के इन सच्चे सपूतों को जो कुछ भी दे सकते हैं, वह कभी भी बहुत अधिक हो सकता है?" कोर्ट ने कहा कि ह्यूमन बॉडी त्वचा और हड्डियों से बना है, हमेशा "आत्मा के साथ तालमेल रखने" में सक्षम नहीं होती है और इसलिए कानून में वित्तीय लाभ- जैसे विकलांगता पेंशन, उन सैनिकों को प्रदान किया गया है जो मिलिट्री सर्विस की वजह से या उसके कारण बीमारी या विकलांगता का सामना करते हैं। वर्तमान केस में, सरकार ने आर्म्ड फोर्स ट्रिब्यूनल के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें एक पूर्व अधिकारी को विकलांगता पेंशन की अनुमति दी गई थी। यह अधिकारी 1985 में भर्ती हुआ था और 2015 में सेवा से डिस्चार्ज कर दिया गया था क्योंकि वह टाइप II डायबिटीज से पीड़ित था। ट्रिब्यूनल ने सेना के डिफेंस सिक्योरिटी कॉर्प्स के एक अन्य अधिकारी को भी राहत प्रदान की थी, जिसे 'दाहिने निचले अंग में परिधीय धमनी अवरोधी रोग होने के बाद भी विकलांगता पेंशन देने से मना कर दिया गया था।

दिल्ली में वायु प्रदूषण रोकथाम पर कैग रिपोर्ट पेश करेंगी मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 1 अप्रैल को विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक नई रिपोर्ट पेश करेंगी। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के वाहन वायु प्रदूषण की रोकथाम और शमन के प्रयासों और उस पर हुए खर्च का लेखा-जोखा प्रस्तुत करेगी। कैग की यह रिपोर्ट वर्ष 2022 की दूसरी रिपोर्ट है, जो 31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष से संबंधित है।

पटना हवाईअड्डे के निर्माणाधीन टर्मिनल का निरीक्षण करने पहुंचे सांसद रविशंकर प्रसाद

पटना (आईएएनएस)

बिहार की राजधानी पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के निर्माणाधीन टर्मिनल का निरीक्षण करने सोमवार को भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद पहुंचे। उनके साथ बिहार के मंत्री नितिन नबीन भी थे। इस दौरान दोनों नेताओं ने कार्य की प्रगति का जायजा लिया। संभावना व्यक्त की जा रही है कि इस नए टर्मिनल का उद्घाटन इसी महीने होगा। कार्य की प्रगति का जायजा लेने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और पटना हवाई अड्डा सलाहकार समिति के अध्यक्ष रविशंकर प्रसाद ने कहा, "आज निर्माणाधीन टर्मिनल के कार्यों का जायजा लेने आया हूं। मंत्री नितिन नबीन भी साथ हैं। इस हवाई अड्डा टर्मिनल को बनवाने में हम लोगों की भूमिका रही है। बहुत प्रयास और संघर्षों के बाद इसकी मंजूरी मिली।

कूलर फैक्ट्री में भीषण आग, मचा हड़कंप

ग्रेटर नोएडा (आईएएनएस)

- **प्रशासन ने स्थानीय लोगों से आग के क्षेत्र से दूर रहने की अपील की है।**

ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के सुत्याना गांव में एक कूलर निर्माण फैक्ट्री में सोमवार को अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास की कई फैक्ट्रियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आ गया और मौके पर फायर ब्रिगेड की करीब 15 गाड़ियां आग बुझाने में जुट गईं। मकल विभाग की टीमें लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। फैक्ट्रियों में रखे ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। आग पर पूरी तरह से काबू पाने में अभी कुछ और समय लग सकता है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे आग लगने वाले क्षेत्र से दूर रहें और अफवाहों पर ध्यान न दें। दमकल विभाग और पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी से हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

प्रारंभिक जांच में फैक्ट्री में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट या वायरिंग में फॉल्ट को माना जा रहा है। हालांकि, वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

खेल की खबर

मुंबई ने आईपीएल में पहला मैच जीता
कोलकाता को 8 विकेट से हराया

एजेंसी । मुंबई

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स को 8 विकेट से हरा दिया। टीम ने 117 रन का टारगेट 12.5 ओवर में चेज कर लिया। रायन रिकेलटन 62 और सूर्यकुमार यादव 27 रन बनाकर नाबाद लौटे। रोहित शर्मा ने 13 और विल जैक्स ने 16 रन बनाए। दोनों को आंद्रे रसेल ने आउट किया। वानखेड़े स्टेडियम में सोमवार को मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 16.2 ओवर में 116 रन पर ऑलआउट हो गई। MI से डेब्यू कर रहे अश्विनी कुमार ने 3 ओवर में 4 विकेट लिए। वे डेब्यू आईपीएल मैच में 4 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने। अश्विनी के अलावा दीपक चाहर को 2 विकेट मिले। ट्रेंट बोल्ट, हार्दिक पंड्या, विग्नेश पुथुर और मिचेल सैंटनर को एक-एक विकेट मिला। कोलकाता से अंगकृष रघुवंशी ने सबसे ज्यादा 26 और रमनदीप सिंह ने 22 रन बनाए।

मेनसिक ने मियामी फाइनल में जोकोविच को 100वां खिताब जीतने से रोका

मियामी। जैकब मेनसिक ने बारिश और प्रतिद्वंद्वी के पीछे भागने के बावजूद मियामी ओपन ट्रॉफी के लिए छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 7-6(4), 7-6(4) से हराकर इतिहास रच दिया। 19 वर्षीय चेक खिलाड़ी ने जोकोविच को अपने करियर का 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने से रोक दिया और टूर्नामेंट के इतिहास में कार्लोस अल्काराज के बाद दूसरे सबसे कम उम्र के खिताबी खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने 2022 में 18 साल की उम्र में ट्रॉफी उठाई थी। मेनसिक ने अपने ऑन-कोर्ट साक्षात्कार में कहा, "ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि क्या कहना है। यह अविश्वसनीय लगता है, जाहिर है। यह शायद मेरे जीवन का सबसे बड़ा दिन था और मैंने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे मैं वास्तव में खुश हूं, मैच से पहले कोर्ट के बाहर प्रदर्शन दिखाने और खुद को नियंत्रित रखने के लिए। मैं बहुत खुश हूं और मुझे लगता है कि भावनाएं बाद में आएंगी।

राजगीर करेगा पुरुष एशिया कप 2025 हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर, सोमवार को हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के बाद पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा।

यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से 9 सितंबर तक हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में होगा, जो भारत के खेल बुनियादी ढांचे और बिहार के वैश्विक खेल केंद्र के रूप में उभरने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। नवंबर 2024 में सफल महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, जिसमें भारत विजयी हुआ था, के बाद राजगीर द्वारा आयोजित यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होगा। एशिया कप राजगीर, बिहार 2025, 2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में काम करेगा, जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड द्वारा की जाएगी। टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप में एक प्रतिष्ठित स्थान अर्जित करेगा। महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें संस्करण में भारत, पाकिस्तान, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और मलेशिया सहित आठ टीमें भाग लेंगी। शेष दो टीमें क्वालीफाइंग टूर्नामेंट एएचएफ कप के माध्यम से अपना स्थान सुरक्षित करेंगी। दक्षिण कोरिया पुरुषों के एशिया कप के इतिहास में पांच खिताब (1994, 1999, 2009, 2013 और 2022) के साथ सबसे सफल टीम है।

प्रेसिडेंट कप से क्रिकेटरों को एक्सपोजर मिलेगा : बीसीए अध्यक्ष राकेश तिवारी

पटना (आईएएनएस)

बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने कहा है कि आगामी प्रेसिडेंट कप का उद्देश्य बिहार में लाल गेंद वाले क्रिकेट में प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अपनी क्षमता दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है। बीसीए ने पटना में 1 अप्रैल से शुरू होने वाले पहले 'प्रेसिडेंट कप' की घोषणा की है। बीसीए अध्यक्ष ने यह भी कहा कि इस टूर्नामेंट में खेलने का अनुभव खिलाड़ियों को अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक एक्सपोजर देगा। तिवारी ने कहा, "यह टूर्नामेंट राज्य में क्रिकेट के विकास के लिए बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को लाल गेंद वाले क्रिकेट में अपनी क्षमता दिखाने और अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक एक्सपोजर प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। प्रेसिडेंट कप 2/3-दिवसीय प्रारूप का पालन करेगा, जिसमें कुल 8 टीमें होंगी जिन्हें दो समूहों में विभाजित किया जाएगा।

प्रकृति पर्व सरहुल

'जायराथान' में होती है पूजा

सरहुल पूजा 'जायराथान' या सरना स्थल पर होती है। 'जायराथान' पवित्र सरना वृक्षों का एक जगह है, जहां आदिवासी समुदाय के लोग विभिन्न मौकों पर पूजा करते हैं। सरहुल ग्राम देवता, जंगल, पहाड़ तथा प्रकृति की पूजा है, जिसे आदिवासी समुदाय अपना संरक्षक मानते हैं।

सरहुल लोक नृत्य का भी उत्सव

आदिवासी सभ्यता है और संस्कृति की पहचान लोक नृत्य है। सरहुल के मौके पर पूरे झारखंड में नृत्य उत्सव होता है। महिलाएं सफेद रंग की लाल पाड़ की साड़ी धारण करती हैं। सफेद रंग पवित्रता और शालीनता का और लाल रंग संघर्ष का प्रतीक माना जाता है। सफेद रंग आदिवासी समुदाय के सर्वोच्च देवता सिंगबोंगा और लाल रंग ईष्टदेव बुरुबोंगा का प्रतीक है। इसलिए सरना का झंडा भी लाल और सफेद रंग का होता है।

रांची में 1961 से निकलता है सरहुल जुलूस

रांची में सरहुल पर्व पर वर्ष 1961 से जुलूस निकाला जाता है। आदिवासी नेता कार्तिक उरांव ने रांची के हातमा से सिरमटोली सरना स्थल तक सरहुल जुलूस की शुरुआत की थी। अब सिरम टोली सरहुल जुलूसों का प्रमुख स्थल बन गया है। वर्ष 1961 से ही गुमला में भी सरहुल जुलूस निकाला जा रहा है। वर्ष 1961 से पहले सरहुल पर जुलूस नहीं निकाले जाते थे। केवल सरना स्थल पर पूजा होती थी और वहीं लोग नृत्य करते थे। अब रांची और अन्य शहरों में सरहुल पर्व पर स्थानीय या क्षेत्रीय पहचान देने का भी प्रयास हो रहा है।

सरहुल यानी **'साल वृक्ष की पूजा'**

सरहुल नागपुरी भाषा का शब्द है। नागपुरी में, 'सर' या 'सराय' का अर्थ साल का पेड़ (शोरिया रोबस्टा) है। 'हुल' का अर्थ है 'सामूहिक रूप से' या 'उपवन'। इस तरह सरहुल का शाब्दिक अर्थ 'साल वृक्ष की पूजा' है। यह साल के पेड़ के माध्यम से प्रकृति के उत्सव का प्रतीक है। सरहुल पूजा में लोग साल के फूल को लेकर नृत्य भी करते हैं। सरहुल का एक और अर्थ है। 'सर' का अर्थ है 'वर्ष' और 'हुल' का अर्थ है 'आरंभ।' इस तरह सरहुल नववर्ष के आरंभ को बताता है। सरहुल नए वर्ष की शुरुआत का उत्सव है। यह पर्व, स्वस्थ और सुखी संसार की कामना के साथ मनाया जाता है।

झारखंड में **सरहुल** के हैं कई नाम

बसंत का पर्व सरहुल झारखंड में विभिन्न आदिवासी समुदायों द्वारा विभिन्न नामों से मनाया जाता है। 'सरहुल' नागपुरी भाषा का शब्द है। झारखंड की कई जनजातियां इसे मनाती हैं। 'सरहुल' पर्व झारखंड के अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और असम में भी मनाया जाता है। संथाल परगना में यह 'बाहा परब', 'बाहा बोंगा' के रूप में मनाया जाता है। 'बाहा परब', 'बाहा बोंगा' संथाली भाषा का शब्द है। 'बाहा परब' झारखंड के अलावा ओडिशा, पश्चिम बंगाल और असम में भी मनाया जाता है। मुंडा और हो समाज इसे 'बा परब' के रूप में मनाता है। 'बा परब' झारखंड और ओडिशा में मनाया जाता है। भूमिज जनजाति से इसे 'हादी बोंगा' के रूप में मनाती है। झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा की भूमिज जनजाति के लोग 'हादी बोंगा' त्यौहार मनाते हैं। उरांव जनजातीय समुदाय के लोग 'खद्दी' या 'खखेल-बेंजा' परब मनाते हैं। यह केवल झारखंड में मनाया जाता है। झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में खड़िया जनजातीय समुदाय के लोग 'अम्नुआखिया' त्यौहार मनाते हैं।

प्रकृति और पृथ्वी के प्रति व्यक्त की जाती है कृतज्ञता

वसंत का उत्सव है प्रकृति पर्व सरहुल

सूर्य और पृथ्वी का होता है **विवाह...**

सरहुल प्रकृति की पूजा पर आधारित पर्व है। सरहुल में सूर्य और पृथ्वी के प्रतीकात्मक मिलन का जश्न मनाया जाता है। उरांव भाषा में सरहुल पर्व को 'खखेल-बेंजा' कहते हैं। उरांव समुदाय सरहुल को सूर्य और पृथ्वी के विवाह के रूप में मनाते हैं। उरांव पुरोहित नयगस और उनकी पत्नी नगयिनी इसका प्रतिनिधित्व करती हैं।

प्रकृति पर्व सरहुल वसंत के आगमन का उत्सव है। यह नववर्ष के आगमन का प्रतीक है। यह आदिवासी नववर्ष की शुरुआत का भी त्यौहार है। यह प्रकृति को समर्पित त्यौहार है। यह पर्व पया्रवरण संरक्षण का भी संदेश देता है। यह पर्व चैत्र शुक्ल पक्ष तृतीया से शुरू होकर चैत्र शुक्ल पूर्णिमा तक चलता है। सरहुल पर्व झारखंड के अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और असम में भी मनाया जाता है। पतझड़ के बाद प्रकृति स्वयं को नए पत्तों और फूलों से सजा लेती है। आम के मंजर, सरई और महुआ के फूलों से पूरा वातावरण सुगंधित हो उठता है। सरहुल में साल के पेड़ की पूजा होती है। आदिवासी भाषाओं में साल (सखुआ) वृक्ष को 'सारजोम' कहा जाता है। पूजा के दौरान गांव के पुजारी (पाहन या पहान) गांव की समृद्धि के लिए सूर्य, गांव के देवता और पूर्वजों को सरना स्थल पर फूल, फल, सिंदूर, एक मुर्गा और तपन (शराब) की बलि चढ़ाते हैं। अनुष्ठान के बाद, स्थानीय लोग साल के फूल पकड़कर नृत्य करते हैं।

सरहुल है तीन दिवसीय पर्व

सरहुल पर्व के पहले दिन घरों और जायराथान या सरना स्थल पर त्रिकोणीय, लाल और सफेद रंग के झंडे लगाए जाते हैं। सरहुल के पहले दिन गांव के पाहन उपवास रखकर तालाब या पोखर में केकड़ा और मछली पकड़ने जाते हैं। वे वहां से पानी भी लाते हैं। अन्य लोग भी घरों और सरना स्थलों की सफाई के लिए तालाब से पानी लाते हैं। अनुष्ठानों के लिए साल के फूल भी एकत्रित किए जाते हैं। शाम को विभिन्न मौजा के पाहन ढोल-मांदर बजाते हुए कुएं या तालाब से दो घड़ा पानी लाकर जल रखाई की रस्म निभाते है। दो घड़ों का पानी सरना स्थल की उत्तर और दक्षिण दिशा में रखा जाता है। पानी की गहराई को साल के तने से नापा जाता है। दूसरे दिन घड़े में पानी को उसी तने से ही नापा जाता है। घड़े में पानी के कम होने या नहीं होने की स्थिति से वर्षा का पूवार्नुमान लगाया जाता है। सरहुल पर्व के दूसरे दिन, सरना स्थल पर मुख्य अनुष्ठान होते हैं। पहान या लाया (पुजारी) और देउरी (सहायक पुजारी) जनजातियों के सभी देवताओं की पूजा करते हैं। विधि-विधान पूर्वक मुख्य रूप से आदिदेव सिंगबोंगा की पूजा होती है। देवताओं की पूजा साल और महुआ फलों और फूलों से की जाती है। देवताओं को साल के फूल भेंट किए जाते हैं। मुर्गे की बलि दी जाती है। पहान पूजा के दौरान रस्म के पहले दिन रखे गए घड़े का पानी देखकर वार्षिक वर्षा की भविष्यवाणी करते हैं। पहान लोगों को बताते हैं कि इस साल वर्षा कैसी होगी। इसके साथ ही ग्रामीण समृद्धि, सुरक्षा और अच्छी फसल की कामना की जाती है। फिर पूरे गांव में पवित्र जल छिड़का जाता है। साथ ही जादुर, गेना और पोर जादुर जैसे पारंपरिक गीत और नृत्य प्रस्तुत किए जाते हैं।सरहुल के अंतिम दिन एक भव्य सामुदायिक भोज होता है। इसमें लोग विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का आनंद लेते हैं। साथ ही, हंड़िया (चावल की शराब) साझा करते हैं। इसके बाद सरहुल पर्व पाहन के आशीर्वाद और ग्रामीणों की प्रार्थना के साथ समाप्त होता है।

हर्षोल्लास से मनाई गई ईद, अकीदत के साथ मस्जिदों में पढ़ी गई नमाज

● 9 बजे अदा की गई ईद उल फितर की नमाज

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़ (लातेहार)। ईद उल फितर का त्यौहार पूरे हर्षोल्लास के साथ प्रखंड क्षेत्र में मनाया गया। लोग सुबह उठकर नहा कर नए कपड़े पहन कर मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए पहुंचे। महुआडांड़ के जामा मस्जिद, मदीना मस्जिद, मस्जिदे गोसिया में 9 बजे ईद उल फितर की नमाज मस्जिद की इमाम की अगुवाई में सभी लोगों ने अदा किया। जामा मस्जिद में मौलाना रियाजउद्दीन रिजवी, मदीना मस्जिद में हाफिज खालिद साहब, मस्जिदें गोसिया में कारी मुनव्वर साहब के द्वारा ईद उल फितर की नमाज अदा कराई गई। नमाज से पूर्व जामा मस्जिद के मौलाना रियाजउद्दीन रिजवी साहब के द्वारा ईद को लेकर विस्तृत जानकारी दिया गया। उन्होंने कहा कि 30 दिन रमजान शरीफ गुजरने के बाद यह ईद तोहफा में हम लोगों को मिलता है। इस दिन सारे गिले शिकवे भुलाकर कर एक दूसरे को माफ करते हुए गले लगा कर मुसाहफा करके ईद का मुबारकबाद दे। लोगों के साथ हुशने सुलूक के साथ पेश आए। एक दूसरे की मदद करें। इमाम साहब के द्वारा देश दुनिया में अमन और शांति कायम है इसे लेकर खास दुआ किया गया। नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे को ईद का मुबारकबाद दिया और यह सिलसिला सारा दिन चलता रहा। नमाज के बाद से ही रात तक सभी लोग एक दूसरे के घर जाकर सेवइयां समेत अन्य प्रकार की व्यंजनों का भी तुल्फ उठाया। वहीं दिन गरीबों व मिस्कीनो को भी सदका फितरा जकात से मदद के तौर पर दिया जाता रहा है।

बच्चों में दिखी काफी उत्साह

ईद उल फितर की त्यौहार को लेकर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। बच्चे घर से रंग-बिरंगे नए कपड़े पहनकर मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए पहुंचे। नमाज के बाद बच्चों ने भी एक दूसरे से मिलकर मुबारकबाद दिया, और बड़ों से मिलकर ईदी भी लिए।

अदा की ईद गई उल फितर की नमाज

महुआडांड़ के सभी मस्जिदों महुआडांड़, अमवाटोली गुरुगुटोली जरहाटोली लुरगुमी पहाड़ कापू, डांग कापू नेतरहाट, परहाटोली, शाहपूर, दौना दुरुप हामी, ओरसा समेत प्रखंड के अन्य स्थानों से लोगों ने आकर नमाज अदा किया। वही गांव देहात के लोगों के लिए अंजुमन कमेटी की ओर से खाने का भी इंतजाम किया गया था। लोगों में नमाज के बाद खाना खाया और अपने घर के लिए रवाना हुए। ईद के नमाज में कारी अहमद रजा साहब, मौलाना रेहान साहब, सदर इमरान खान, सिक्रेटरी मजहर खान, नायब सिक्रेटरी हबीबुल्लाह उर्फ हबलु खान खजांची शाहिद कमाल नायब खजांची तसव्वर अंसारी, फहीम खान रानू खान, खुर्शीद आलम, सहजाद आलम, तनवीर अहमद, रिंकू खान, शमसाद अहमद शहीद खान, आरिफ आलम, शबीब खान, कुर्बान अंसारी समेत सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।

सुरक्षा का था पुख्ता इंतजाम

ईद उल फितर त्यौहार को लेकर महुआडांड़ जामा मस्जिद सहित अन्य मस्जिद में सुरक्षा के पुख़्ता इंतजाम पुलिस द्वारा किए गये थे। हर चौक-चौराहे पर पुलिस के जवान के साथ मैजिस्ट्रेट नियुक्त थे। स्वयं एसडीओ विपिन कुमार, डीएसपी शिवपूजन बहेलिया, थाना प्रभारी बादल दास जामा मस्जिद के पास मुस्तैद थे। नमाज अदा करने के बाद सभी मुस्लिम समुदाय को ईद की बधाई दी।

एक दूसरे गले मिल ईद की मुबारकबाद दी

डंडई। प्रखंड क्षेत्र के मस्जिदों में सोमवार को अकीदत के साथ ईद की नमाज पढ़ी गई। नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे से गले लगा कर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी। ईद की नमाज को लेकर मुस्लिम समाज में खासकर बच्चों के बीच काफी उत्साह व उमंग रहा। उनके द्वारा भी नए-नए परिधानों में सज कर ईद की नमाज अदा की गई। मदरसा में मौलाना समीम अहमद ने रोजेदारों को को ईद की नमाज अदा कराई। मौके पर उन्होंने कहा कि ईद सिर्फ एक त्यौहार नहीं है, बल्कि रमजान का पूरा महीना इबादत और सब्र का इमाम है। उन्होंने कहा कि पैगंबर हजरत ने अपनी एक बड़ी लड़ाई में जीत हासिल की थी। उन्होंने उसी खुशी में लोगों का मुंह मीठा कराया था। तब से यह परंपरा शुरू हुआ और हर साल ईद उल फितर मनाया जाने लगा। गांव के मुस्लिम समाज के समाज सेवी आफताब आलम, मोहम्मद याकूब अंसारी, मोहम्मद हनीफ शेख ,लाल मोहम्मद अंसारी, मनीरूरुद्दीन अंसारी ने बताया कि ईद उल फितर का त्योहार मुसलमान के लिए बेहद खास होता है। उन्होंने कहा कि ईद का चांद नजर आते ही हर मुसलमान की खुशी का ठिकाना नहीं रहता है। रमजान के पूरे महीने रोजा रखने और अल्लाह की इबादत करने के बाद जब ईद का ऐलान होता है तो हर मुसलमान जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाता है। पंचायत के तसरार मस्जिद में मौलाना कारी मुस्ताक ने रोजेदारों को ईद की नमाज अदा कराई। मौलाना ने कहा कि ईद उल फितर का त्योहार खुशी और मेल का संदेश लेकर आता है। उन्होंने कहा कि खुशियों का त्योहार सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ आपसी भाईचारा और भावना को बढ़ाता है।

ईद धूमधाम से मनाया गया, एक दूसरे से गले मिले लोग

कांडी। प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को ईद उल फितर का त्योहार शांतिपूर्ण व अकीदत के साथ मनाई गयी। मुस्लिम बहुल सभी गांवों में ईद का पर्व धूमधाम से मनाया गया।मुस्लिम भाइयों ने अहले सुबह से ही ईदगाह जाने की तैयारी में लग गए थे। कांडी ईदगाह में सुबह 8:30 बजे नमाज अदा किया गया। वहां पर हाफिज इमाम, अब्दुल मजीद अंसारी ने नमाज पढ़ाया। जमुआ ईदगाह में हाफिज मनान अंसारी, पतीला नवडीहवा टोला में हाफिज गयासुद्दीन अंसारी ,कुरकुटा में हाफिज मोहम्मद गुलजार, अधौरा में हाफिज इमामुद्दीन खान, सड़की हाफिज इमामुद्दीन कादरी, लमारी खुर्द ईदगाह में हाफिज सफायत अंसारी ने ईद का नमाज पढ़ाए। इस मौके पर शांति व्यवस्था को लेकर सभी जगहों पर पुलिस तैनात थी।

प्राथमिक विद्यालय हुंडरू के बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सदर प्रखंड के राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय हुंडरू के छात्र-छात्राओं ने दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के दौरान नेतरहाट आवासीय विद्यालय, सनसेट, सनराईज नाशपाती बगान के साथ लोध जलप्रपात सुग्गाबाध जलप्रपात आदि पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। साथ ही पिकनिक का भरपूर आनंद उठाया। इस दौरान बच्चों ने नये नये स्थानों को देखा और इसका भरपूर आनंद उठाया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक हीरा यादव ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को नये नये चीजें सीखने और नये नये लोगों को मिलने का अवसर मिलता है, जिससे वह बाहरी दुनिया के बारे में जान और समझ सकते हैं। इस शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों में उत्साह, उमंग, ताजगी आती है और बच्चे काफी उत्साहित और खुश नजर आ रहे हैं। भ्रमण में विद्यालय के प्रधानाध्यापक हीरा प्रसाद यादव, शिक्षक संजीव कुमार चंद्र, प्रमोद कुमार पांडेय, रसोईया उषा देवी, मीना देवी शामिल थे।

उत्साह के साथ मनाया गया ईद उल फितर का त्योहार

चंदवा। प्रेम, दया और सौहार्द का पर्व ईद-उल-फितर शहर समेत ग्रामीण इलाकों में सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभी मस्जिदों और ईदगाहों में अपने-अपने समयानुसार ईद की नमाज अदा की गयी। सारे गिले-शिकवे भूलकर लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। मस्जिदों में सामूहिक रूप से मुस्लिम समुदाय ईद की नमाज अदा कर देश में अमन-चैन की दुआ मांगी। रमजान के पाक महीने में रोजा रखने के बाद ईद-उल-फितर भाईचारे और अमन का पैगाम लेकर आती है। मीठी सेवइयां के साथ विभिन्न तरह के पकवान बनाए जाते हैं।अपनी कमाई का कुछ हिस्सा जरूरतमन्दों के बीच दान देकर सबों के साथ मिलकर लोग ईद की खुशियाँ बांटते हैं। ईद को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम थे। पुनि सह थाना प्रभारी रणधीर कुमार सदल बल के साथ गश्त करते दिखे। लोगों से मिलकर उन्हें ईद की शुभकामना भी दी।

ईद पर आपसी भाईचारे, प्रेम व सद्भाव का दिया संदेश

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। ईद-उल-फितर का त्योहार पूरी आस्था और उत्साह के साथ जिले में मनाया गया। सुबह से ही इलाके की मस्जिदों और ईदगाहों में रौनक देखने को मिली। सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम भाइयों ने एकजुट होकर खुदा की इबादत की और नमाज अदा की। ईदगाहों में उमड़ी भीड़ के बीच अल्लाहु अकबर की सदाएं गूंज उठी। इमामों ने तकरीर पेश कर आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया। नमाज अदा करने के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में इस खास मौके को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। ईद की खुशियों को दोगुना करने के लिए बाजारों में भी रौनक रही। मिठाइयों, सेवइयों और नए कपड़ों की दुकानों पर चहल-पहल बनी रही। घर-घर में स्वादिष्ट पकवानों की खुशबू बिखरी रही, और लोगों ने अपने प्रियजनों के साथ मिलकर त्योहार का आनंद उठाया। ईदगाह में की नमाज 8 बजे सुबह अदा किया गया, जिसमे हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने पहुंच कर नमाज में शामिल हुए साथ ही मुल्क की अमन चैन के लिए दुआ मांगी। नमाज इमामा मुफ्ती मौलाना मकसूद आलम साहब ने पढ़ाया। मौके पर युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष आफतब आलम, झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता शमसुल होदा साहब, टिंकू, रियाज, मेराज, वकील, पिंटू, हाफिज बारकत आलम, हाफिज जाबिर, हाफिज मेराज, हाफिज वसीम, हाफिज रमजान, मंजर, सयुल, गोल्डन, नाजिम, सदर नेजाम, सेक्रेटरी कयूम साहब, रिंकू, शादाब, सहिम, नासिर, वसीम, इमरान, रशीद मास्टर, इमामन, वारिश, सलीम, हसबूल, साबिर, अताउल, जियाउल, हेसाम, इनताफ, यूनुस, मुस्ताक, इरशाद, तौसीफ, अरशद, आजाद, संजर, पिंटू, हासिम, तबरेज समेत सैकड़ो की संख्या में शांति पूर्वक नमाज अदा की।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे

प्रशासन की ओर से शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल तैनात किया गया था, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

महिला ने की आत्महत्या की कोशिश, हालत गंभीर

मेदिनीनगर। छत्तरपुर थाना क्षेत्र के नासो गांव में सरिता देवी (30) ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। परिजनों ने तुरंत उसे छत्तरपुर उप-स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत में मेदिनीनगर के एमएमसीएच और फिर रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार, सरिता का पति रायगढ़ से छठ पर्व के लिए रविवार को घर लौटा था, जिसके बाद यह घटना हुई। फांसी लगाने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

झामुमो नेता ने दी ईद की बधाई

छतरपुर। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य चंदन प्रकाश सिन्हा ने ईद के मौके पर लोगों से मिलकर गले लगाया और बधाई दी। हमारा देश अनेकता में एकता के लिए विश्व प्रसिद्ध है और संवैधानिक तरीके से भी सर्वधर्म समान की बात कही गई है। मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र राम, सचिव सनी कुमार, उपाध्यक्ष शिवनाथ राम, रंजीत कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक नजर

बराही धाम परिसर में रामभक्तों की लगी रही भीड़

हुसैनाबाद । सोमवार को नवरात्र को दूसरे दिन पूरा हुसैनाबाद क्षेत्र राममय हो गया हैं। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र जय श्रीराम के नारों से गुंजायमान हो रहा हैं। इस नवरात्रि को लेकर बराही धाम परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी हैं। पूरे धाम परिसर को भव्य तरीके से सजाया गया हैं। पूरा परिसर भगवा ध्वज से पटा हुआ है। श्रद्धालु कतार में खड़े रहे और बारी-बारी से पूजा-अर्चना की। काफी संख्या में महिलाएं भजन व गीत गाकर देवी मंदिर का परिक्रमा करती रही। सबसे अधिक भीड़ बजरंग बली मंदिर में रही। लोगों ने बजरंगबली की पूजा-अर्चना की और प्रसाद के साथ-साथ महावीरी झंडा दान किया। पुजारी दिलीप मिश्रा, अजित चौबे ने पूजा-अर्चना करायी। शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि यहां नवरात्र में प्रतिदिन आगामी छह अप्रैल तक भीड़भाड़ रहेगी।

आग लगने से ढ़ाई लाख का सामान खाक

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। प्रखंड क्षेत्र के सुदूरवर्ती पंचायत घुटुवा के एकता गांव निवासी मनोज सिंह पिता महेंद्र सिंह के घर में आग लगने से ढाई लाख की संपत्ति जलकर राख हो गई। भुक्तभोगी मनोज सिंह ने बताया कि हम लोग दोनों परिवार महुआ चुनने गए थे। बच्चे खेल रहे थे। इस बीच अचानक आग लग जाने से खलियान में रखा अनाज जलकर राख हो गया। ग्रामीण सनोज सिंह, वीरेंद्र सिंह, विनय सिंह, लालू सिंह, जितेंद्र सिंह समेत दर्जनों लोगों ने बगल के तालाब में पंप लगाकर पाइप द्वारा पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। घटना 11 बजे दिन की है। इस घटना में 70 बोझा सूखाने के लिए रखा अरहर, 10 क्विंटल भटूरा, घर में रखा 10 क्विंटल चावल, दारा, बैग में नकद रखा 5000, दाल, कपड़ा, राई लगभग ढाई लाख रुपया का सामान जलकर राख हो गया। आग कैसे लगा यह पता नहीं चला। भुक्तभोगी के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

संकट मोचन महावीर मंदिर में रामलीला मंच का भव्य उद्घाटन

नीलांबर पीतांबरपुर। प्रखंड मुख्यालय स्थित संकट मोचन महावीर मंदिर परिसर में रामलीला मंच का उद्घाटन थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता, मंदिर समिति के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद सोनी, सनातन धर्म के केंद्रीय अध्यक्ष अजीत तिवारी, समिति के सभी पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना के साथ किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता ने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम हमारे लिए सदैव पूजनीय और अनुकरणीय रहेंगे। उनके आर्दशों पर चलकर ही समाज में सद्भाव और नैतिक मूल्यों की स्थापना संभव है। सनातन धर्म के केंद्रीय अध्यक्ष अजीत तिवारी ने भी रामलीला मंचन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सिर्फ एक नाटक नहीं, बल्कि हमारे संस्कारों और जीवन मूल्यों को जागृत करने का माध्यम है। मौके पर संकट मोचन मंदिर समिति के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद सोनी, प्रवीण मिश्रा, साधु चरण प्रसाद, जगन्नाथ पासवान, समाज सेवी मनोज सोनी, चंदन सोनी, राम सोनी, उमेश सोनी, चैतु पासवान, समिति के अध्यक्ष सुदर्शन सोनी, अरविंद डिसिल्वा, पवन सोनी, राहुल वर्मा, संदीप सैंडिक, सुरेश भगत सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष शामिल थे।

चैत नवरात्र व रामनवमी को लेकर भक्तिमय बना वातावरण

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्थानीय प्राचीन देवीधाम के प्रति ग्रामीणों व व्यावसायियों की असीम आस्था देखने को मिलती है। रविवार से प्रारंभ चैत्र नवरात्र और रामनवमी को लेकर भव्य मंदिर में स्थापित सप्तमात्रिकाओं के पिंड, सियाराम, लक्ष्मण, राधाकृष्ण, संतोषी माता की मूर्तियों और शिवलिंग की पूजा-अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ने लगी है। बताया जाता है कि पहले देवीधाम बस्ती के निर्जन स्थान पर स्थापित था। वहां से सप्तमात्रिकाओं के पिंड को मौजूदा स्थल पर प्रतिष्ठित किया गया। जहां बाद में मंदिर बनी। फिर ग्रामीणों और व्यावसायियों का सहयोग मिला, तो भव्य और आकर्षक मंदिर का निर्माण कुछ ही वर्षों पहले किया गया है। इसमें बहुत बड़ा योगदान स्थानीय प्रतिष्ठित किसान स्व. रणविजय सिंह का बताया जाता है। हाल ही उनका निधन हो गया। मगर उनके बड़े सक्रिय सहयोग से स्थापित भव्य मंदिर को उनकी समृति के रूप में सदैव याद किया जाता रहेगा। बताया जाता है कि उन्होंने दिवंगत माता-पिता फुलबदन देवी और पृथ्वीनाथ सिंह की कामना को साकार करने के लिए पत्नी सुनैना देवी के साथ इस भव्य मंदिर का निर्माण कराकर इसमें सर्वदेव मूर्तियों और शिवलिंग की स्थापना 22 अप्रैल 2016 को कराई है। इसमें सर्वश्रेष्ठ योगदान बहुमूल्य समय और कौशल का परिचय देते हुए ज्योतिनाथ सिंह (अब दिवंगत) का रहा था। हाल के वर्षों से देखभाल और पूजा-अर्चना की जिम्मेवारी ग्रामीणों की कमिटी को सौंपा गया है। इसके अध्यक्ष नित्यानंद पाठक, सचिव शंभू चौरसिया, कोषाध्यक्ष राघव सोनी के अलावा धर्मप्रेमी द्वारिका प्रसाद, गौरीशंकर सिंह, बृजनंदन साव सहित अन्य ग्रामीणों की सक्रियता से संचालन किया जाता है। इस मंदिर के रखरखाव व पूजा अर्चना के लिए हर महीने आसपास के ग्रामीणों और व्यावसायियों का सहयोग प्राप्त होता है। इस देवीधाम मंदिर की इसकी भव्यता को लेकर अलग पहचान बन गई है।

▶ देवीधाम मंदिर में सप्तमातृकाओं के पिंड व सियाराम के प्रति उमड़ने लगी श्रद्धालुओं की आस्था

ईदगाहों में चहल पहल के साथ बच्चों में उत्साह रहा

मेराल। प्रखंड में ईद उल फितर की नमाज विभिन्न स्थानों पर अकीदत और हर्षोल्लास के अदा की गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिदों व ईदगाहों में पहुंच कर नमाज अदा की और दुआएं मांगी। मुख्यालय सहित अन्य इलाकों में सुबह से ही ईद की रौनक दिखी। लोग नमाज से पहले घर से सेवइयां खाकर इत्र खुशबू लगा नए कपड़ों में नमाज के लिए मस्जिद और ईदगाहों में पहुंचे। नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दिया। बस्ती व ईदगाहों में चहल पहल के साथ बच्चों में उत्साह रहा। ईद की नमाज मेराल मुख्यालय, हासनदाग, बाना, गेरुआ, तीसर टैटूका, दुलदुलवा, खुटैलीया, बिखताम, लोवादाग, दलेली, पचपेड़ी, आदि गांव में मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा किया गया।

पेज एक के शेष

बास मारते पानी...

राहगीर भी इस पानी का प्रयोग करते हैं। राजधानी रांची में अपने विशेष कार्यों से आए बाहर के लोग भी इस पानी को पीते हैं। उन्हें शाम तक ट्रेन या बस पकड़ कर अपने गांव लौटना होता है। बाहर से आए लोगों को अगर पानी पीना हो, तो राजधानी में एक उपाय है, चाय की दुकान में पानी पीना। अब, चाय दुकान गए तो सिर्फ पानी पीने से बहुत लोग संकोच करते हैं। आते तो हैं पानी पीने, मगर वहां चाय-पानी हो जाता है। चाय दुकान जैसी छोटी दुकानों में बोतलों में भर कर सरकारी नल की सप्लाई पानी दी जाती है। यहां बिना क्लोरीन का पानी पहुंचता है। यह पानी कीटाणुयुक्त होता है, जिससे जलजनित अनेक बीमारियां होने की आशंका बनी रहती है।

गोंदा जलशोध संस्थान...

निराश लोगों ने बताया कि विभाग में शिकायत करने का काई फायदा नहीं हुआ। यहां आम जनता की सुधि लेने वाला कोई नहीं है। कांके डैम से लोगों के घरों में सीधा गंदा पानी न पहुंचे, सबके घरों तक साफ पानी पहुंचे, पानी पीने लायक हो, इसके लिए कांके डैम के ठीक बगल में गोंदा जलशोध संस्थान का निर्माण किया गया है। यहां से गंदा पानी क्लोरीनेटर से साफ होकर लोगों के घरों तक पहुंच सकता है, मगर कई महीनों से क्लोरीनेटर ही खराब है। विदित हो कि क्लोरीनेटर एक ऐसा उपकरण है, जो पानी में क्लोरीन मिलाता है और जिससे पानी कीटाणुमुक्त होता है।

पीएफ क्लर्क समेत...

रिटायर होने वाले थे। उन्होंने रिटायरमेंट पर पीएफ और ग्रेच्युटी की रकम लेने के लिए आवेदन जमा किया था। कोलियरी के कार्मिक विभाग में पीएफ क्लर्क अरविंद कुमार राय ने उनकी फाइल आगे बढ़ाने के एवज में 15 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। इसके बाद उमेश प्रसाद सिंह ने इसकी शिकायत सीबीआई के धनबाद स्थित कार्यालय में की थी।शिकायत के सत्यापन के बाद सीबीआई टीम ने ट्रैप की योजना तैयार की। उमेश प्रसाद सिंह ने तय योजना के अनुसार, सोमवार को पीएफ क्लर्क अरविंद कुमार राय को रिश्वत की रकम देने के लिए कॉल किया, तो उसने अपने अधीन काम करने वाले शीतल बाउरी को इस राशि का भुगतान करने को कहा। उसने कहा कि बाउरी के जरिए उसे रुपए मिल जाएंगे। इसके बाद उमेश प्रसाद सिंह ने शीतल बाउरी को 15 हजार रुपए दे दिए। इसके कुछ देर बाद ही शीतल यह रकम अरविंद कुमार राय को देने पहुंचा, तो सीबीआई की टीम ने दोनों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, सीबीआई की टीम मामले में कार्मिक विभाग के दो अन्य कर्मियों शंकर चौहान एवं अजय कुमार मंडल को भी पूछताछ के लिए अपने ईसीएल के मुगमा एरिया गेस्ट हाउस ले गई है। टीम ने कार्यालय से प्रिंटर, फाइल और चारों कर्मियों के मोबाइल जांच के लिए जब्त किए हैं।

रेड़मा ठाकुरबाड़ी में श्री रामचरित मानस यज्ञ का शुभारंभ

रामचरित मानस के अध्ययन से होता है जीवन का कल्याण : पूर्व मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रेड़मा ठाकुरबाड़ी में श्रीराम चरित मानस यज्ञ के 58वें अधिवेशन का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता दीनानाथ तिवारी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को यज्ञ कमेटी द्वारा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

उद्घाटन समारोह में पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी ने कहा कि श्रीरामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानवीय जीवन का मार्गदर्शन करने वाला ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि इसमें वर्णित प्रसंगों में जीवन की सभी समस्याओं का समाधान छिपा हुआ है। रावण का अंत भी श्रीराम की नीति से हुआ था, जिससे हमें नीति, धर्म और मयार्दा का पालन करने की सीख मिलती है।

समारोह में पूज्य पंडित गंगोत्री तिवारी जी महाराज ने कहा कि सबसे पहले भगवान शंकर ने देवी पार्वती को रामायण सुनाई थी। इसे एक कौवे (जो आगे चलकर काकभुशुण्डि बने) ने सुना और बाद में ऋषियों व गरुड़ को सुनाया। इसके बाद वाल्मीकि रामायण लिखी गई। उन्होंने रामायण के विभिन्न प्रसंगों की विस्तृत व्याख्या की। श्रीराम चरित मानस यज्ञ कमेटी के अध्यक्ष दिलीप तिवारी ने कहा कि यह उनके गांव के लिए गर्व की बात है कि पिछले 58 वर्षों से लगातार इस यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम बनता आ रहा है।

ईद की नमाज अकीदत के साथ धर्मावलंबियों ने अदा की

धुरकी। प्रखंड मुख्यालय स्थित नुरी मस्जिद सह जामा मस्जिद सहित प्रखंड क्षेत्र के सभी ग्रामीण क्षेत्रों मे ईद की नमाज सोमवार को पूर्व निर्धारित समयानुसार सुबह में अकीदत के साथ की अदा की गई। मस्जिद इंतजामिया कमेटी द्वारा सामान्य दिनों से अलग तरह का ईद की नमाज अदा करने के लिए प्रबंध किया गया था। मस्जिद के ग्राउंड फ्लोर से लेकर पहले दूसरे और तीसरे फ्लोर पर धूप से बचने के लिए टेंट और शामियाना की व्यवस्था की गई थी। मस्जिद में ईद की नमाज के लिए पेश इमाम मौलवी ग्यासुद्दिन सम्जशी ने जमायत सुबह आठ बजे निर्धारित किया था, जमायत से पहले 15 मिनट के बाद पेशइमाम साहब ने सबको ईद की नमाज अकीदत के साथ संपन्न कराया। नमाज अदायगी के बाद पेश इमाम मौलवी ग्यासुद्दिन शम्सी ने खुतबा पढ़ा और सबसे पहले अपने मुल्क और देश में रह रहे सभी लोगों की सलामती खुशहाली के लिए दुआ की। उन्होंने कहा कि पूरे एक महीने भूखे प्यासे रहकर रोजादारों ने अल्लाह के लिए इबादत की। अल्लाह सभी के रोजे और इबादत को कबूल फरमाएं।

आंबेडकर जयंती मनाने का निर्णय

बारियातू। प्रखंड स्थित बारीखाप जतराटांड में कैलाश राम की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में भारत रत्न शिल्पकार संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर की जयंती मनाने का निर्णय लिया गया। अगली बैठक 4 अप्रैल को 11 बजे रखा गया है, जिसमें कमेटी चुनाव करने के साथ कार्यक्रम की रूप रेखा तय को लेकर विशेष विचार विमर्श किया जायेगा।

बांग्लादेश में स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को मिटाना जारी, मुक्ति युद्ध के भित्तिचित्र को किया गया ध्वस्त

ढाका (आईएएनएस)। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले में मुक्ति संग्राम स्मारक मंच के भित्ति चित्र को स्थानीय अधिकारियों के निर्देश पर ध्वस्त कर दिया गया। कुछ दिनों पहले देश के स्वतंत्रता दिवस पर इसे कपड़े से ढंक दिया गया था। रविवार सुबह से शाम तक मजदूरों ने भित्ति चित्र को ध्वस्त किया। स्थानीय मीडिया से बात करते हुए मजदूरों ने बताया कि वे लालमोनिरहाट के डिप्टी कमिश्नर के निर्देश पर भित्ति चित्र को ध्वस्त कर रहे थे। भित्तिचित्र में 1950 के दशक के भाषा आंदोलन की पृष्ठभूमि, 7 मार्च का ऐतिहासिक भाषण, स्वतंत्रता संग्राम, मुजीबनगर सरकार का गठन, स्वतंत्र भूमि पर नए सूर्य का उदय, पाकिस्तान द्वारा 1971 का नरसंहार, विजय की खुशी में झूमते वीर स्वतंत्रता सेनानी, सात महान नायक, पाकिस्तानी सेना का आत्मसमर्पण, राष्ट्रीय ध्वज थामे उत्साही भीड़ और कई अन्य ऐतिहासिक क्षणों को दर्शाया गया था।

म्यांमार में भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के प्रवेश पर रोक, सैन्य सरकार का

नेपीडॉ (आईएएनएस)। म्यांमार की सैन्य सरकार ने देश में भूकंप से तबाह क्षेत्रों की कवरेज के लिए विदेशी मीडिया के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1700 हो गई है। सैनिक शासन ने आवास, बिजली कटौती और पानी की कमी जैसी कठिनाइयों का हवाला देते हुए यह प्रतिबंध लगाया है। रविवार को जारी एक ऑडियो बयान में शासन के प्रवक्ता जॉ मिन टुन ने कहा, "विदेशी पत्रकारों के लिए यहां आना, रहना, आश्रय पाना या घूमना संभव नहीं है। हम चाहते हैं कि हर कोई यह समझे।" म्यांमार में स्थानीय पत्रकारों को गंभीर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में विदेशी मीडिया को प्रवेश से वंचित करने से इस आपदा के प्रति सैनिक शासन की प्रतिक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं।

भूंकप में ढही इमारत से दस्तावेज चुराने के आरोप में चार चीनी नागरिक गिरफ्तार

बैंकॉक (आईएएनएस)। म्यांमार में आए भूकंप के बाद बैंकॉक में एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत गिर गई थी। इसके बाद, थाईलैंड के अधिकारियों ने चार चीनी नागरिकों को उस जगह पर बिना अनुमति के प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि ये लोग साइट से दस्तावेज प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे, जिसकी अब जांच चल रही है क्योंकि इसका संबंध चीन समर्थित कंस्ट्रक्शन फर्म से है। शुक्रवार को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे 30 मंजिला इमारत कुछ सेकंड में गिर गई। इसके कारण मलबा हवा में उछल गया और कई लोग मलबे में दब गए।

ट्रंप की बमबारी की धमकी पर ईरान ने कहा

मेरी मिसाइलें भी तैयार

राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा, ईरान ट्रंप प्रशासन के साथ सीधी बातचीत नहीं करेगा

तेहरान (हि.स.)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से तनाव के बीच कहा कि ईरान के परमाणु समझौता न करने पर बमबारी की जाएगी। साथ ही ट्रंप ने ईरान पर द्वितीयक टैरिफ लगाने की भी धमकी दी है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कठोरता के साथ देश के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत करने से इनकार करके कहा है कि किसी भी तरह का जवाब देने के लिए उनकी मिसाइलें तैयार हैं। अल जजीरा न्यूज चैनल और तेहरान टाइम्स की खबर के अनुसार ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि ईरान परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन के साथ सीधी बातचीत नहीं करेगा। अलबत्ता वह अप्रत्यक्ष वार्ता कर सकता है। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर तेहरान वाशिंगटन के साथ समझौता नहीं करता है, तो बमबारी और द्वितीयक टैरिफ का सामना करने के लिए तैयार रहे।

तेहरान में रविवार को कैबिनेट की बैठक में पेजेशकियन ने कहा कि हमने ओमान के माध्यम से अमेरिकी राष्ट्रपति के पत्र का जवाब दिया है। पत्र में सीधी बातचीत के विकल्प को खारिज करके कहा गया है कि हम अप्रत्यक्ष वार्ता के लिए तैयार हैं। उधर, ट्रंप की बढ़ती धमकियों के बीच ईरान ने संभावित प्रतिक्रिया के लिए मिसाइलें तैयार कर ली हैं। ईरान की सेना ने कहा कि उसकी मिसाइलें सभी भूमिगत मिसाइल शहरों में लॉन्चरों पर लोड की गई हैं और वे लॉन्च के लिए तैयार हैं। ट्रंप अगर कुछ भी कदम उठाते हैं, तो अमेरिका और उसके सहयोगियों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

गाजा में इजराइल ने बरसाए बम, नौ की मौत

50,277 फिलिस्तीनी मारे गए इजराइल के युद्ध में और 114,095 घायल हुए हैं

61,700 से अधिक मृतकों की संख्या बताई थी गाजा के सरकारी मीडिया ने पहले

गाजा पट्टी। इजराइल के सुरक्षा बलों की गाजा में की गई ताजा बमबारी में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। इस बीच फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने 15 आपातकालीन कर्मचारियों के शव बरामद किए हैं। इनके वाहनों पर एक सप्ताह पहले दक्षिणी गाजा में राफाह के पास गोलीबारी की गई थी। अल जजीरा न्यूज़ चैनल की खबर में यह जानकारी दी गई। खबर के अनुसार, इजराइली सुरक्षा बलों ने सोमवार को भी हमला जारी रखा। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास को युद्धविराम के अंतिम चरण तक पहुंचने के लिए अपने हथियार डालने चाहिए। वह अपने लड़ाकों को गाजा से बाहर करे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इजरायल के युद्ध में कम से कम 50,277 फिलिस्तीनियों की मौत की पुष्टि हुई है और 114,095 घायल हुए हैं। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने लगभग दो महीने पहले अपने मृतकों की संख्या को 61,700 से अधिक बताया था।

ट्रंप के बयान से अमेरिका व अन्य देशों में मची हलचल

ब्यूरो

- तीसरे कार्यकाल के लिए मैं संविधान बदलने के बारे में सोच रहा हूं : ट्रंप
- यह सरकार पर कब्जा करने व हमारे लोकतंत्र को खत्म करने के उनके इरादों को दिखाता है : डेनियल गोल्डमैन

नई दिल्ली। अपने बायोडाटा के अनुसार 14 जून 1946 को पैदा हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने उम्र के 79 वर्ष में चल रहे हैं। वह दूसरी बार बीते 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करने के बाद से एक के बाद एक चौंकाने वाले फैसले , कारनामे करके देश - विदेश के लोगों की चैन छिन लिए हैं। लोगों को लगता है कि ट्रम्प के इस मनमानेपन व तानाशाही को किसी तरह से 4 साल झेल लेंगे। क्योंकि अमेरिका में अभी जो नियम है उसके अनुसार कोई 4 साल वाले टर्म के 2 टर्म से ज्यादा बार राष्ट्रपति नहीं बन सकता है।लेकिन अब तो ट्रम्प ने देश के लिए बहुत कुछ करने के लिए संविधान बदलकर तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की मंशा जताने लगे हैं। उन्होंने बीते रविवार को कहा कि मैं अपने तीसरे कार्यकाल के लिए संविधान को बदलने के बारे में सोच रहा हूं। उनके इस मंशा व कथन से न केवल अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन की राजनीति में हलचल मच गया है , बल्कि विश्व के कई देशों के सत्ताधारियों व राजनयिकों में इसको लेकर तरह-तरह की आशंका जताई जाने लगी है। एनबीसी न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति से जब उनके तीसरे कार्यकाल के पिछले इशारों के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि वह मजाक नहीं कर रहे थे। इसके लिए कुछ तरीके भी हैं, जिससे यह किया जा सकता है। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, 'बहुत से लोग चाहते हैं कि मैं ऐसा करूं लेकिन मेरा मतलब है, मैं मूल रूप से उनसे कहता हूं कि हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है, आप जानते हैं, प्रशासन में यह बहुत शुरुआती दौर है।' मालूम हो कि अमेरिकी संविधान के 22वें संशोधन के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यकाल केवल दो बार तक ही सीमित है और यह चार साल के लिए होता है, चाहे वह लगातार हो या नहीं। किसी संवैधानिक संशोधन को पलटने के प्रस्ताव के लिए कांग्रेस के दोनों सदनों में दो-तिहाई मत व 50 अमेरिकी राज्यों में से तीन-चौथाई राज्यों की विधानसभाओं द्वारा समर्थन की जरूरत होती है। 22वें संशोधन के पारित होने के बाद किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने तीसरा कार्यकाल पाने की कोशिश नहीं की है। पहले यह परंपरा नहीं होती थी। दो कार्यकाल के राष्ट्रपति पद की परंपरा साल 1796 से चली आ रही है, जब जॉर्ज वाशिंगटन ने दो कार्यकाल के बाद अपनी इच्छा से पद छोड़ दिया। इसके बाद एक नई मिसाल कायम हुई। इसका पालन 140 सालों से ज्यादा तक हुआ। लेकिन अब ट्रम्प उसे पलटने की मंशा जताने लगे हैं। जिस पर डेमोक्रेट्स ने ट्रंप की टिप्पणी को लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश बताया है। डेमोक्रेट व प्रतिनिधि डैनियल गोल्डमैन ने कहा, 'यह सरकार पर कब्जा करने और हमारे लोकतंत्र को खत्म करने के उनके इरादों को दिखाता है। यदि कांग्रेस के रिपब्लिकन संविधान में विश्वास करते हैं, तो वे तीसरे कार्यकाल के लिए ट्रम्प की महत्वाकांक्षाओं का खुलकर विरोध करेंगे।

वाशिंगटन के 'रेसिप्रोकल टैरिफ' का जवाब देने के लिए सोल तैयार : द. कोरिया

सोल । दक्षिण कोरिया के व्यापार मंत्री ने सोमवार को कहा कि उनका देश अमेरिका की तरफ से लगाए गए 'रेसिप्रोकल टैरिफ (पारस्परिक शुल्क)' के खिलाफ तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि वे नए बाजारों में विस्तार करने वालों को पूरी मदद देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। व्यापार मंत्री चियोंग इन-क्यो ने सोल में निर्यातकों के साथ एक बैठक में यह बयान दिया। उनका यह बयान तब आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार बुधवार (अमेरिकी समय) को अन्य देशों की ओर से अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए शुल्क के जवाब में रेसिप्रोकल टैरिफ (शुल्क) लगाने की घोषणा करने वाली है।

रेसिप्रोकल टैरिफ का मतलब है एक समान टैरिफ. ट्रंप का कहना है कि कोई देश अमेरिकी सामान पर जितना टैरिफ लगाएगा उतना ही टैरिफ अमेरिका भी उस देश पर लगाएगा।

आईएफएस निधि तिवारी को बनाया गया है पीएम मोदी की प्राइवेट सेक्रेटरी

एजेंसी । नई दिल्ली

आईएफएस अधिकारी निधि तिवारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निजी सचिव नियुक्त किया गया है। भारतीय विदेश सेवा अधिकारी तिवारी वर्तमान में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में उप सचिव के पद पर कार्यरत हैं. कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में कहा गया है कि निधि तिवारी की नई नियुक्ति की जानकारी सामने आई है। आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उन्हें स्थायी तौर पर निजी सचिव के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

निधि तिवारी 2014 बैच की IFS अधिकारी हैं. वह इससे पहले नवंबर 2022 से प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में उप सचिव के रूप में काम कर रही थीं. इससे पहले वह विदेश मंत्रालय के डिसआर्मामेंट और इंटरनेशनल सिक्योरिटी अफेयर्स डिविज़न में अंडर सेक्रेटरी के पद पर काम कर चुकी हैं। अंग्रेज़ी अखबार द स्टेट्समैन के मुताबिक निधि उत्तर प्रदेश के वाराणसी के महमूरगंज की रहने वाली हैं. यह क्षेत्र प्रधानमंत्री मोदी की लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है. यूपीएससी में सफल होने से पहले, उन्होंने वाराणसी में एडिशनल कमिश्नर (वाणिज्य कर) के रूप में काम किया।

बांग्लादेश में दो गुट भिड़े अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार के पिता घायल

ढाका। बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण सलाहकार महफूज आलम के पिता पर उनके गांव, लक्ष्मीपुर के रामगंज उपजिला में हमला हुआ। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) समर्थक दो इकाइयों के बीच गुटीय संघर्ष के दौरान कथित तौर पर यह घटना घटी। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि शुक्कुर अली ने सलाहकार के पिता अजीजुर रहमान बच्चू पर हमले का नेतृत्व किया। रहमान इच्छापुर यूनियन में बीएनपी यूनिट के संगठन सचिव के रूप में भी काम कर रहे हैं। शुक्कुर अली बीएनपी की स्टूडेंट विंग 'छात्र दल' के पूर्व नेता और स्वेच्छा सेवक दल यूनियन इकाई के अध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवार है। हसन प्रतिबंधित अवामी लीग की छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) की जिला इकाई के अध्यक्ष हैं। एक समय ऐसा आया जब बीसीएल नेता के बारे में अंतिम फैसले को लेकर दोनों समूहों के बीच कहासुनी हो गई।

मरीन ले पेन गबन मामले में दोषी करार, खतरे में राजनीतिक भविष्य

पेरिस (आईएएनएस

पेरिस की एक अदालत ने सोमवार को यूरोपीय संघ के धन के गबन के आरोप में दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को दोषी ठहराया। अभी सजा की घोषणा नहीं की गई है। स दोषसिद्धि से 2027 के फ्रांसीसी राष्ट्रपति चुनाव में उनकी संभावित उम्मीदवारी पर संदेह पैदा हो गया।

ले पेन और उनके सहयोगियों पर आरोप था कि उन्होंने 2004 से 2016 के बीच संसदीय सहायकों के लिए निर्धारित यूरोपीय संसद के धन का पार्टी कर्मचारियों के भुगतान के लिए इस्तेमाल किया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक आधिकारिक संसदीय कार्य के लिए निर्धारित धनराशि का उपयोग फ्रांस स्थित नेशनल रैली पार्टी के कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए किया गया, जो यूरोपीय संघ के नियमों का उल्लंघन था। रिपोर्टों के अनुसार, अभियोजकों ने 3,00,000 यूरो (2,77,60,800.00 रुपये) जुर्माने के साथ पांच साल की निलंबित जेल की सजा की सिफारिश की।

ट्रंप तीसरी बार राष्ट्रपति बनने का विचार कर रहे

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए विचार कर रहे हैं और इसके लिए संविधान को बदलने के बारे में सोच रहे हैं। संविधान में तीसरी बार राष्ट्रपति बनने के तरीके मौजूद हैं। ट्रंप का कार्यकाल 2029 में पूरा होगा। अमेरिका में दो बार राष्ट्रपति बनने का प्रावधान है। ट्रम्प नवंबर में दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए हैं। इससे पहले वह 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं। अगर ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की कोशिश करते हैं तो इसके लिए उन्हें संविधान में संशोधन करना होगा।

पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह ने रची गणतंत्र के खिलाफ साजिश, राजनीतिक दलों का आरोप

काठमांडू (आईएएनएस)

नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह इस सप्ताह देश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के पीछे मुख्य सूत्रधार है। गणतंत्र समर्थक राजनीतिक दलों की एक महत्वपूर्ण बैठक में शाह पर यह आरोप लगाया गया। बैठक प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की ओर से बुलाई गई थी। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, दलों ने पूर्व राजा पर संविधान को कमजोर करने और संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र प्रणाली को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने का आरोप लगाया। गृह मंत्री रमेश लेखक ने कहा कि संविधान की रक्षा, राष्ट्रीय विकास और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक दलों के बीच एकजुट होने पर आम सहमति है। बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए लेखक ने कहा, "किसी भी संविधान विरोधी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अलग-अलग दलों के बीच विभिन्न मुद्दों पर असहमति के बावजूद, पूर्व पीएम बाबूराम भट्टाराई जो नेपाल समाजवादी पार्टी (एनएसपी) के अध्यक्ष भी हैं, ने सुझाव दिया कि शाह के समर्थन में हाल ही में की गई गणतंत्र विरोधी गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए उन्हें एकजुट होना चाहिए। भट्टाराई ने प्रेस से बात करते हुए कहा, "ज्ञानेंद्र शाह लंबे समय से ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे कि वे अभी भी राजा हों। राजनीतिक दलों और सरकार ने इसे दयापूर्वक अनदेखा किया है।

कहानी फिल्म जगत की

सलमान की फिल्म सिकंदर हुई एचडी में ऑनलाइन लीक

सलमान खान के प्रशंसक एक से अधिक तरीकों से अपनी वफ़ादारी साबित कर रहे हैं! एक बड़े टेकडाउन प्रयास में, उन्होंने सिकंदर टीम को फिल्म के 3,000 से अधिक पायरेटेड लिंक हटाने में मदद की, जिससे पता चलता है कि वे अपने सुपरस्टार की कड़ी मेहनत की कितनी रक्षा करना चाहते हैं। लेकिन इतना ही नहीं - सिकंदर के निर्माता दोषियों को आसानी से नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने कानूनी कार्रवाई की है, और साइबर सेल अब पायरेसी से जुड़े आईपी एड्रेस को ट्रैक कर रही है।

सिकंदर पूरी फिल्म एचडी में ऑनलाइन लीक हो गई

एक्शन फ़िल्म के कई प्रिंट विभिन्न पायरेसी हैंडल पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध थे। फिल्म का एक हाई-डेफ़िनेशन (एचडी) वर्शन भी पर सामने आया। तमिलरॉकर्स, मूवीरुलज़, फ़िल्मीज़िला और टेलीग्राम समूहों जैसे कुख्यात प्लेटफ़ॉर्म ने पूरी फिल्म को ऑनलाइन लीक कर दिया, अवैध डाउनलोड और स्ट्रीमिंग लिंक की पेशकश की। इस तरह की लीक से फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर काफी असर पड़ सकता है।

सलमान फिल्म निर्माताओं ने की कानूनी कार्रवाई

इस बीच, नाडियाडवाला के प्रोडक्शन हाउस ने कथित तौर पर फिल्म के लीक होने के बाद 1,000 से अधिक खातों को अधिकारियों को सूचित किया है। मिड-डे के अनुसार, सलमान और साजिद पायरेटेड प्रतियों के प्रचलन को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा टीमों, कानूनी विशेषज्ञों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। जबकि लीक की उत्पत्ति की अभी भी जांच की जा रही है, अधिकारी इसके वितरण से जुड़े आईपी पतों का पता लगा रहे हैं।